{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 27 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 65
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 85,609.51
निफ्टी - 26,205.30
सोना - 1,27,910
चांदी - 1,69,000
डॉलर - 89.21

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े गए 2 आतंकी

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत-पाक बॉर्डर पर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब ढाई किलो का आईईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। यह कार्रवाई खुफिया अलर्ट के बाद हुई है। जिसमें आईएसआई द्वारा हाल ही में दिल्ली धमाके के बाद दोबारा भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिश तेज होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर के रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपी भाई युवराज और आकाशदीप बाइक पर आईईडी लेने निकले थे, लेकिन कोहरे के बीच पकड़े गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

सड़क दुर्घटना में मृतक व्यापारी के परिवार को मिलेगा 18 करोड़ का मुआवजा

पुणे। पुणे-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक व्यापारी की साल 2012 में मौत हो गई थी। उनके परिजनों को करीब 13 साल की लंबी लड़ाई के बाद 18 करोड़ का मुआवजा दिया गया है। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने यह आदेश जारी किया है। यह मुआवजा एक बीमा कंपनी और ट्रक मालिक को संयुक्त रूप से देना होगा। मुआवजे की मूल राशि 10.9 करोड़ है। यह राशि याचिका दाखिल करने की तारीख 1 मार्च, 2016 से 7.5फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज समेत दी जाएगी। ब्याज को मिलाकर कुल मुआवजा 18 करोड़ से ज्यादा का हो गया है। बता दें दुर्घटना में मुंबई के व्यवसायी राजीव विनोद शाह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। राजीव शाह अपनी होंडा सिटी कार से मुंबई से पुणे जा रहे थे। तभी ट्रक ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह कार सड़क के डिवाइडर को तोड़ती हुई विपरीत दिशा में राजीव शाह की होंडा सिटी कार से टकरा गई। मृतक की कार का पीछे चल रही राज्य परिवहन निगम की एक बस ने भी शाह की कार को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दिल्ली में ग्रेप -3 की पाबंदियां हटाई

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सांसों पर गहराया संकट अब झंटने लगा है। बीते तीन सप्ताह से दिल्ली की हवा बेहद प्रदूषित थी। आलम यह था कि सरकार को 50 प्रतिशत वर्क फ्राम होम, निर्माण कार्यों पर रोक, पुरानी गाड़ियों की आवजाही पर रोक सहित कई पांबदियां लगानी पड़ी थी। लेकिन अब दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले 3 दिनों से सुधर रहा है। बुधवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 327 दर्ज किया गया। ऐसे में दिल्ली में ग्रेप -3 की पाबंदियां हटा दी गई है। हालांकि 327 एक्यूआई भी बहुत खराब हवा का सूचक है।

कुछ ना कहना

भारत को मिली 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी

अहमदाबाद में होंगे खेल; लगी आधिकारिक मुहर

नई दिल्ली। भारत को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अधिकार मिल गए हैं। गुजरात के अहमदाबाद में ये खेल कराए जाएंगे। ग्लास्गो में बुधवार को हुई राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी आधिकारिक तौर पर सौंपी गई है। 2010 के बाद यह पहला अवसर है जब भारत इन खेलों की मेजबानी करेगा। 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों का आयोजन कराया गया था।

आम सभा ने लगाई मुहर

राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अहमदाबाद को प्रस्तावित मेजबान के रूप में अनुशंसित किए जाने के बाद 74 सदस्यों वाली आम सभा ने भारत की बोली पर अपनी मुहर लगा दी। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉक्टर डोनाल्ड रुकारे ने कहा, भारत राष्ट्रमंडल खेलों में पैमाना, युवा, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और प्रासंगिकता लेकर आया है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए स्वर्ण युग की शुरुआत है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2034 और उसके बाद के खेलों की मेजबानी के लिए कई देशों की गहरी रुचि है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी अगली शताब्दी की शुरुआत सकारात्मकता के साथ कर रहे हैं।

अहमदाबाद के अलावा अबुजा भी था दौड़ में शामिल

पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। अब ग्लास्गो में हुई आमसभा की बैठक में इसे अंतिम मंजूरी मिल गई है। अहमदाबाद के अलावा नाइजीरिया का अबुजा मेजबानी की दौड़ में शामिल था, लेकिन भारत बाजी मारने में सफल रहा। हालांकि, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में 100 साल भी पूरे होने जा रहे हैं, ऐसे में इस ऐतिहासिक मौके पर भारत में इन खेलों का आयोजन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

पीटी उषा ने विश्वास के लिए जताया आभार

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की कहा कि भारत उस पर दिखाए गए विश्वास के लिए सभी का आभारी है। उन्होंने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों द्वारा दिखाए गए विश्वास से हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 के खेल न केवल राष्ट्रमंडल मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। ये खेल पूरे राष्ट्रमंडल एथलीटों, समुदायों और संस्कृतियों को मित्रता और प्रगति की भावना से एक साथ लाएंगे।

ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत

पहला राष्ट्रमंडल खेल 1930 में कनाडा के हैमिल्टन में आयोजित किए गए थे। अहमदाबाद में 2030 में होने वाला राष्ट्रमंडल खेल इस आयोजन के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण खेलों में से एक होने की उम्मीद है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस निर्णय से 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा को भी बल मिला है। अहमदाबाद ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। इस शहर में पिछले एक दशक में खेल बुनियादी ढांचे में बड़ी प्रगति देखी गई है।

15 से 17 खेल होंगे शामिल

2010 में दिल्ली में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत ने लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किये थे जो 1600 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अनुमान से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने साथ ही यह भी पुष्टि की है कि 2030 के खेलों में 15 से 17 खेल शामिल होंगे। एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा तैराकी, टेबल टेनिस और पैरा टेबल टेनिस, बाउल्स और पैरा बाउल्स, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, कलात्मक जिमनास्टिक्स, नेटबॉल और मुक्केबाजी ऐसे खेल हैं जो निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेल 2030 का हिस्सा होंगे।

मांडविया ने बताया गौरवपूर्ण क्षण

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत को मेजबानी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, यह एक गौरवपूर्ण क्षण है कि भारत शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। भारत प्रमुख आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है और 2047 तक शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में शामिल होगा।

एसआईआर करते-करते 23 बीएलओ की मौत, सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर मामले में 23 बीएलओ की मौत के आरोपों पर गंभीर चिंता जताई. पश्चिम बंगाल की ममता सरकार की ओर से पेश वकील ने इस संबंध में जानकारी दी, जिसके बाद कोर्ट ने चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा। सुप्रीम कोर्ट में केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मामलों को लेकर सुनवाई जारी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच सुनवाई कर रही है। केरल में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अलग से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। कोर्ट ने कहा कि चूंकि केरल में अभी स्थानीय निकायों के चुनाव चल रहे हैं, इसलिए एसआईआर प्रक्रिया को टालने की मांग पर बिना आयोग को सुने कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तय की गई है।

वहीं पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। इस मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। पश्चिम बंगाल से जुड़े मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। राज्य की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया में अत्यधिक दबाव के कारण अब तक 23 बीएलओ की मौत हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु में एसआईआर से जुड़े मामले की सुनवाई 4 दिसंबर को होगी। कोर्ट ने कहा कि तीनों राज्यों के मामलों में चुनाव आयोग की राय सुने बिना कोई रोक लगाने जैसा आदेश पारित नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील ने बताया कि यह मामला पहले मद्रास हाईकोर्ट में दाखिल किया गया था, जहां स्टेट इलेक्शन कमीशन ने कहा था कि उन्हें एसआईआर प्रक्रिया से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने बताया कि 99 फीसदी वोटरों को फॉर्म मिल चुके हैं और 50 फीसदी से ज्यादा डेटा डिजिटाइज हो चुका है। वकील ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे पर लोगों में भय पैदा कर रहे हैं।

इधर याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया बहुत जल्दबाजी में चलाई जा रही है और बीएलओ पर बहुत ज्यादा दबाव है। उन्होंने दावा किया कि असम में लागू फॉर्म पद्धति की पूरे देश में कोई जरुरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट अब सभी राज्यों और चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया के बाद अगली सुनवाई में आगे की दिशा तय करेगा।

ज्वालामुखी विस्फोट का दिल्ली में दिखा असर, भारत से चीन की ओर उड़ा गुबार

यह ज्वालामुखी करीब 12 हजार सालों तक शांत रहने के बाद फटा

नई दिल्ली। इथियोपिया का हेली गुब्बी ज्वालामुखी करीब 10-12 हजार साल बाद फिर से फटा है। ज्वालामुखी से निकली राख भारत होते हुए अब चीन की ओर बढ़ चुकी है। ज्वालामुखी की राख नई दिल्ली तक देखने को मिली। इसका असर भारतीय एयरलाइंस सर्विस पर भी दिखा। वहीं अब ये ज्वालामुखी की राख चीन की टेंशन बढ़ाने वाली है।

भारतीय मौसम विभाग की ओर से साझा जानकारी के मुताबिक ज्वालामुखी से निकली राख का बादल इथियोपिया के लाल सागर से होते हुए यमन, ओमान, अरब सागर के ऊपर से पश्चिमी भारत से फिर उत्तर भारत तक पहुंचा। जानकारी के मुताबिक अब ये राख का बादल भारत से निकलकर चीन की ओर बढ़ गया है। बता दें यह ज्वालामुखी करीब 12 हजार सालों तक शांत रहने के बाद फटा है। ज्वालामुखी की राख आसमान में लगभग 14 किलोमीटर ऊपर तक उठी।

भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि इस राख के बादल से कोई खतरा नहीं है। हालांकि, राख के बादल के भारत में दस्तक देने के बाद देश में कई उड़ानों का रूट डायवर्ट कर दिया। कुछ उड़ानें रद्द भी की गईं। इससे पहले आईएमडी ने बताया था कि मंगलवार को राख का गुबार गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के ऊपर चला गया। हालांकि यह बादल ज्यादातर वायुमंडल के बीच के स्तर पर बना रहा, लेकिन इसकी वजह से कुछ समय के लिए विमानों के संचालन में रुकावट आई और अधिकारियों को एविएशन के लिए सेफ्टी एडवाइजरी जारी करनी पड़ी है।

इस गुबार में ज्यादातर सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ2) है और ज्वालामुखी की राख कम से मीडियम कंसंट्रेशन में है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इसका एक्यूआई पर कोई असर नहीं होगा, लेकिन नेपाल की पहाड़ियों पर हो सकता है। ऐश प्लम में ज्यादातर सल्फर डाइऑक्साइड है और ज्वालामुखी की राख कम से मीडियम मात्रा में है। यह अब ओमान-अरब सागर क्षेत्र से उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों तक फैल रहा है। यह एक्यूआई लेवल पर असर नहीं डालेगा, लेकिन यह नेपाल की पहाड़ियों, हिमालय और यूपी के आस-पास के तराई इलाके में एसओ2 लेवल पर असर डालेगा, क्योंकि कुछ मटीरियल पहाड़ियों से टकराएगा और बाद में चीन चला जाएगा। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि मैदानी इलाकों में राख गिरने की संभावना कम है, लेकिन यह प्लम धीरे-धीरे दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के ऊपर से गुजरता रहेगा, लेकिन सतह की हवा की क्वालिटी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत के पूर्व सीजेआई गवई ने रिटायरमेंट के बाद रिलेक्स मोड में आए नजर

कानून की शान किसी को सजा देने में नहीं, माफ करने में है

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई रिटायरमेंट के बाद रिलेक्स मोड में हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह कोई पद लेने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कोर्ट परिसर में जूता फेंके जाने की घटना और सोशल मीडिया जैसे मुद्दों पर भी खुलकर बात की। अक्टूबर में राकेश किशोर नाम के वकील ने तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी।

जब जस्टिस गवई से पूछा गया जब बात जूता फेंके जाने की आई, तो क्या आप सोशल मीडिया सेना से नहीं भिड़ना चाहते थे? ये सोशल मीडिया आर्मी आपकी कुछ बातों की वजह से काफी आलोचना कर रही थी। इस पर उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा माना कि कानून की शान किसी को सजा देने में नहीं, बल्कि माफ करने में है। सवाल किया गया, क्या आपको इस बात की चिंता होती है कि सोशल मीडिया पर लोग आपकी किसी बात को लेकर दावा करेंगे कि जस्टिस गवई हिंदू विरोधी हैं? क्या न्यायाधीशों को इस बात की चिंता होती है कि सोशल मीडिया क्या कह रहा है।

पूर्व सीजेआई गवई ने कहा कि उसका मुझपर कोई असर नहीं पड़ा। मेरी अंतरात्मा साफ थी और मैंने हमेशा कहा है कि मैं सभी धर्मों का बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे पिता बहुत सेक्युलर व्यक्ति और नेता थे। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा उनकी खूबियों को अपनाने की कोशिश की और इन्हें ध्यान में रखकर ही फैसले लिए। जस्टिस गवई ने कहा कि मुझे नहीं पता कि जूता फेंके जाने की घटना का उससे कोई लेना देना था। उन्होंने सोशल मीडिया को लेकर कहा कि नहीं! उसके बाद जब भी मुझे कुछ कहना होता था, तो मैं खुद को रोक लेता था, क्योंकि कुछ वास्तविक और सिर्फ हल्की फुल्की बातों को गलत तरीके से लिया जाता है। अक्टूबर में तत्कालीन सीजेआई गवई के नेतृत्व वाली पीठ कोर्ट में सुनवाई कर रही थी।

दिल्ली ब्लास्ट केस में सातवीं गिरफ्तारी

फरीदाबाद। दिल्ली ब्लास्ट केस में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सुसाइड बॉम्बर आतंकी डॉ. उमर नबी के साथी शोएब को गिरफ्तार किया है। शोएब फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। वह अल-फलाह यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय था। उस पर आरोप है कि उसने आतंकी उमर को सामान लाने और ले जाने में मदद की थी। शोएब ने ही नूंह में उमर को अपनी साली अफसाना के घर में कमरा किराए पर दिलाया था। 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से पहले 10 दिन उमर इसी घर में रहा था। विस्फोट वाले दिन, वह नूंह से ही दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। दिल्ली ब्लास्ट केस में यह सातवीं गिरफ्तारी है। उधर, आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. मुजम्मिल शकील की निशानदेही के बाद अब जांच एजेंसी एनआईए डॉ. आदिल अहमद और डॉ. शाहीन सईद को अल-फलाह यूनिवर्सिटी लाएगी। अभी तक की जांच में सामने आया है कि डॉ. आदिल और डॉ. उमर नबी के बीच कई साल से दोस्ती थी। आदिल कई बार उमर से मिलने के लिए यूनिवर्सिटी आया था। वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में उमर के फ्लैट में ही रुकता था। यहां उसकी मुलाकात मुजम्मिल शकील और शाहीन सईद से हुई। बताया जा रहा है कि आदिल ने ही फतेहपुरा तगा और धौज गांव में विस्फोट जुटाने का आइडिया दिया था, क्योंकि आसपास काफी मुस्लिम आबादी है। इसके अलावा यहां बगैर किसी कागजी फार्मेलिटी के आसानी से कमरे भी किराए पर मिल जाते हैं।

26/11 बरसी

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप

नई दिल्ली। मुंबई में 26/11 हमलों की आज यानी बुधवार को 17वीं बरसी है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर जोर दिया। बता दें 10 आतंकवादियों का एक ग्रुप 26 नवंबर, 2008 की रात को समुद्री रास्ते से मुंबई में घुसा और अगले 60 घंटों तक एक के बाद एक कई हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। ताज और ओबेरॉय होटल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, नरीमन हाउस, कामा हॉस्पिटल, मेट्रो सिनेमा और लियोपोल्ड कैफे टारगेट पर थे।

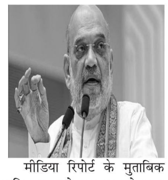

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार की आतंकवाद को बिल्कुल न बर्दाश्त करने जीरो-टॉलरेंस की नीति स्पष्ट है और पूरा विश्व भारत के आतंकवाद रोधी अभियानों की तारीफ कर रहा है और उसे व्यापक समर्थन दे रहा है। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों में अपने जान गंवाने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप है।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि 2008 में आज ही के दिन आतंकियों ने मुंबई पर कायराना हमला किया था। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।

पीएम मोदी ने एसएईएसआई केंद्र का किया उद्घाटन, कहा

एविएशन सेक्टर में नई उड़ाने भरने जा रहा है भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हैदराबाद में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) के नए अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन किया। ये सुविधा लीप इंजनों की मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) के लिए पूरी तरह समर्पित है, जो एयरबस-320नियो और बोइंग 737 मैक्स विमानों में लगते हैं। सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) केंद्र के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने कहा, आज से भारत का एविएशन सेक्टर एक नई उड़ान भरने जा रहा है। सफ्रान की ये नई सुविधा भारत को ग्लोबल एमआरओ हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। इससे हमारी युवा पीढ़ी के लिए नए अवसर खुलेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत में सफ्रान का निवेश इसी गति से आगे बढ़ता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का एविएशन सेक्टर अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट है और सबसे तेजी से बढ़ते मार्केट्स में शामिल है, लेकिन पहले लगभग 85 प्रतिशत एमआरओ काम विदेश में होता था, जिससे खर्च बढ़ता था, देरी होती थी और विमान लंबे वक्त तक ग्राउंडेड रहते थे।

आवासीय पट्टे के नाम पर पच्चीस वर्षों से बैगा परिवारों को मिला आश्वासन!!

बैंगा जनजाति के लोगो ने परिवार सहित आकर कलेक्ट्रेट में लगाई गुहार

पदमेश न्यूज ।बालाघाट।

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास करने वाले लोगों को पट्टे देकर प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य शासकीय योजना का लाभ दिए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसील व ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां अब भी वर्षों से निवास करने वाले गरीबों को आवासीय पट्टे नहीं मिल पाए हैं। जिसके चलते उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जो पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।इसी कड़ी में वारासिवनी वार्ड नंबर 01 कालोनी में निवास करने वाले बैगा समुदाय के लोगो ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपकर आवासीय पट्टा,व पीएम आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग की। स्थानीय बैंगा समुदाय द्वारा सहपरिवार सौपे गए इस ज्ञापन में बताया कि वे पिछले 25-30 वर्षों से शासकीय भूमि पर झोपड़े बनाकर निवास कर रहे हैं ,कई बार आवेदन निवेदन के बाद भी उन्हें शासन द्वारा आवासीय पट्टे जारी नही किए गए हैं। जहां पट्टे ना मिलने के चलते उन्हें प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओ का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जल्द से जल्द आवासीय पट्टे दिए जाने की मांग की है।

सभी सुविधाएं दी पर पट्टा नही

विशेष जनजाति बैगा परिवारों का आरोप है कि करीब 42 परिवार के 200 से अधिक लोग सरकारी भूमि पर अपने झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे हैं। सरकार ने आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, वोटिंग कार्ड, सड़क, बिजली, पानी सहित अन्य प्रकार की सुविधा दी है।उसी जगह के एड्रेस पर उनके तमाम शासकीय दस्तावेज बने हुए हैं।लेकिन जो सबसे जरूरी वह आवासीय पट्टा है।जो सरकार ने अब तक नही दिया है।पिछले 25 वर्षों से पट्टे की मांग को लेकर आवेदन निवेदन कर रहे है।अधिकारियो और उनके कार्यालयो के चक्कर काट रहे है, लेकिन पट्टे नही मिल रहे है।जिसको लेकर बैंगा समुदाय में काफी आक्रोश है जिन्होंने किसी भी कीमत पर उक्त भूमि को खाली नहीं किए जाने की बात कही है।

पट्टे मांगो तो मिलता है आश्वासन

वारासिवनी नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली रामपायली रोड़ स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पीछे वार्ड नंबर 1 में निवास करने वाले बेंगाओ ने बताया कि वह पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालय के चक्कर लगा रहे है। लेकिन उन्हें आज तक आवास के पट्टे जारी नहीं किए गए हैं।जिसके चलते उनकी आधी जिंदगी झोपड़ी में बीत चुकी है। उन्होंने बताया कि कई बार अपनी इस मांग को लेकर नगर पालिका, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट चुके हैं हर बार पट्टे की मांग की गई है लेकिन पट्टे मांगने पर हर बार उन्हें सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिला है।जिन्होंने सभी आवेदको को मकान का स्थाई पट्टा दिए जाने गुहार लगाते हुए, उक्त आवेदन पर यथाशीघ्र विचार कर जल्द से जल्द सर्वे कराकर उन्हें पट्टे की सौगात दिए जाने की गुहार लगाई है।

रोजगार नही है भीख माँगकर करते है गुजारा

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान आवेदकों ने बताया कि वह बैग समुदाय से आते हैं और भीख मांग कर अपना जीवन यापन करते हैं उनके पास रोजगार का और कोई साधन नहीं है वे वारासिवनी के वार्ड 01 कॉलोनी में लगभग 40 से 42 परिवार, 25-30 वर्षो से यहां निवास कर रहे है।हमारे पीछे यहां बसने वाले अन्य लोगों को पट्टा दे दिया गया और वह पक्के मकान बनाकर रह रहे है लेकिन हमारे कई बार आवेदन किए जाने के बावजूद, आज तक प्रशासन ने हमें पट्टा प्रदान नहीं किया है। हमारी मांग है कि हमें आवासीय पट्टे प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। वहीं उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि चाहे कुछ भी हो जाए वह उक्त स्थान से नहीं हटेंगे।

शासन से सिर्फ 1500 रु की पेंशन मिलती है- मुन्नी बाई

बैगा मुन्नीबाई वरकडे ने बताया कि वार्ड नंबर एक बीडी कॉलोनी में वे करीब 25- 30 वर्षों से झोपड़ा बनकर रह रही है. सड़क बिजली की व्यवस्था है लेकिन पानी, मकान व पट्टा नहीं मिल रहा है,रहने के लिए हमारे पास मकान भी नहीं है। बारिश के दिनों में झोपड़ी में पानी घुस जाता है। हम भीख मांग कर गुजारा करते हैं और करीब 30- 35 झोपड़ी में 200 से 250 लोग निवास कर रहे हैं. शासन की तरफ से महज 1500रु की पेंशन मिलती है उसके अलावा आज तक कोई लाभ शासन द्वारा नहीं दिया गया है। हमारी मांग, उक्त जमीन के पट्टे की है जिस पर हम पीएम आवास बनाना चाहते हैं।इसी मांग को लेकर यहां आए हैं।

तो बाल बच्चों को लेकर भोपाल में डालेंगे डेरा- रघुवीर

बैगा रघुवीर ने बताया कि हम आवासीय पट्टे और आवास योजना का लाभ लेने के लिए कलेक्ट्रेट आए हैं। कई बार फॉर्म भर चुके हैं लेकिन कुछ नहीं हुआ। नगर पालिका में टैक्स जमा करने जाओ तो वह टैक्स भी नहीं लेते, स्थानीय विधायक के पास भी गए पर कुछ नहीं हुआ, जबकि हम वोट भी देते हैं।हमारे सभी दस्तावेज भी इस पते पर बने हुए हैं। अभी अखबारों में आया था कि शासन द्वारा पट्टे वितरण किए जाने का कार्य शुरू किया जाएगा, इसी मांग को लेकर हम भी आज यहां पहुंचे हैं। आज भी हमें आश्वासन ही मिला है, यदि इस पर भी मांग पूरी नहीं हुई तो बाल बच्चों को लेकर सभी लोग भोपाल जाकर डेरा डालेंगे और अपनी इस मांग को पूरी करने की गुहार लगाएंगे।

किरनापुर मे धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर स्थित डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे संविधान दिवस कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर नगर के चहुंओर से नागरिक डॉ अंबेडकर चौक पहुंचे। जहां बाबा साहब डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन कर नमन किया गया। तत्पश्चात् सामूहिक रूप से राष्ट्रीयगान जन गण मन का

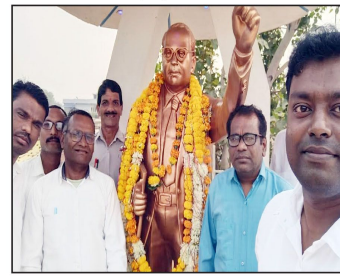

गायन कर महापुरूषों के जयघोष के साथ साथ भारतीय संविधान अमर रहे के जयघोष लगाए गए। तत्पश्चात् उपस्थित जनसमुदाय द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन कर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ ली गई। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा बतलाया गया कि संविधान ने आज हम सभी को सर उठाकर जीना सिखाया है, सभी को बराबरी के अधिकार मिल रहे है। हमें संविधान मे प्रदत्त मौलिक अधिकारों के साथ साथ अपने कर्तव्यों को याद रखते हुए पूरी ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। हमे भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त छह मौलिक अधिकार हैं- जिनमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार, और संवैधानिक उपचारों का अधिकार। ये अधिकार नागरिकों के व्यक्तित्व के विकास और गरिमा की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। मूल रूप से सात मौलिक अधिकार थे, लेकिन 1978 में 44 वें संविधान संशोधन द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की श्रेणी से हटा दिया गया था। उसी प्रकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 ए में नागरिकों के 11 मौलिक कर्तव्य बताए गए हैं। इनमें संविधान का पालन करना, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करना, प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना और 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करना शामिल है। ये कर्तव्य 1976 में 42 वें संशोधन द्वारा जोड़े गए, और एक और कर्तव्य 2002 में 86 वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया, जिससे इनकी कुल संख्या 11 हो गई। और हर भारतीय नागरिक को कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करते हुए देश सेवा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस कार्यक्रम के अवसर पर बड़ी संख्या मे नगर एवं क्षेत्रवासियों ने मौजूदगी प्रदान कर सम्पूर्ण कार्यक्रम को सुचारू रूप से सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

आवश्यकता है
तंदुरी मिस्त्री-01 पद, वेतन- 15000/-
सप्लायर- 02 पद, वेतन-12000/-
कुल-01 पद, वेतन-15000/-
सावजी भोजनालय
दुर्गा चौक गर्रा, बालाघाट
7999310495, 7089840002

संविधान दिवस पर मूलनिवासी संघ ने शहर में किया पद संचलन

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। संविधान दिवस के अवसर पर मूलनिवासी संघ द्वारा स्थानीय अंबेडकर गार्डन में गणसभा का आयोजन किया गया और इसके बाद शहर में पद संचलन निकाला गया। पद संचलन शहर के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुनः अंबेडकर गार्डन में समाप्त हुआ। मूलनिवासी संघ के जिला अध्यक्ष

अशोक मरार ने जानकारी देते हुए बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर उनके संगठन द्वारा जिला स्तरीय गणसभा का आयोजन अंबेडकर गार्डन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणसभा से हुई, जिसमें बारी-बारी से संघ के पदाधिकारियों ने सभा में अपनी बात रखी और युवाओं सहित अन्य उपस्थित सदस्यों को संविधान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। गणसभा के बाद दोपहर 2 बजे अंबेडकर गार्डन से पद संचलन शुरू किया गया। जो सबसे पहले अंबेडकर चौक ,जयस्तंभ चौक , जिला चिकित्सालय ,रानी अवंती बाई चौक ,कालीपुतली चौक , राजघाट चौक , चक्र चौराहा ,हनुमान चौक के बाद अंबेडकर गार्डन में समाप्त हुआ । अशोक मरार ने बताया कि पद संचलन के दौरान शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं को संघ के पदाधिकारियों ने पुष्प माला पहनाकर नमन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।

जनमन योजना की सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण की ग्रामीणों मांग

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। जनपद पंचायत बैहर की ग्राम पंचायत किनारदा के अंतर्गत आने वाले गाँव पोला, बैगाटोला एवं महाजन टोला के ग्रामीणों ने जनमन योजना के तहत निर्माणाधीन दो प्रमुख सड़कों में आ रही समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि यदि निर्माण कार्य में सुधार और आवश्यक अनुमति समय पर नहीं मिली तो ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि मेन बैहरङ्कबालाघाट रोड से पोला बैगाटोला तक 4.5 किमी सड़क और पोला से महाजन टोला तक 2.3 किमी सड़क का निर्माण जारी है, परंतु इसमें कई महत्वपूर्ण बिंदु लंबित हैं, जिनका समाधान आवश्यक है।ग्रामीणों ने बताया कि मेन रोड से पोला मार्ग के बीच वन क्षेत्र आता है, जहाँ दो पुलियों का निर्माण होना है। इनमें से एक पुल वन विभाग के कार्यक्षेत्र में है। ग्रामीणों ने वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र शीघ्र जारी कराने की मांग की।

तन्नौर नाले पर बड़े पुल का निर्माण, सहित अन्य मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

पोला-महाजन टोला मार्ग पर तन्नौर नाले में बड़े पुल के निर्माण की मांग की गई। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। विद्यार्थियों को प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय जाने में कठिनाई होती है। इसलिए पुल निर्माण आवश्यक है।ग्रामीणों ने बताया कि ,दो सड़क मार्गों के बीच लगभग 200 मीटर का हिस्सा निर्माण से छूट रहा है, जिससे घनी आबादी वाले इलाके के लोगों को कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों ने इस हिस्से को भी योजना में शामिल करने की मांग की।ग्रामीणों ने कहा कि सड़क पूर्ण होने से शिक्षा, चिकित्सा, यातायात और आपातकालीन सेवाओं में सुविधा होगी। अतः वन विभाग की अनुमति, पुल निर्माण और अधूरे हिस्से को जोड़ने की दिशा में निर्माण एजेंसी को तत्काल निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने बताया कि यहां मांग लंबे समय से की जा रही है लेकिन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहा है।

आवश्यकता है
• पारस कंपनी में मार्केटिंग हेतु-01 पद
(वेतन- 20000.00+)
• फोन कॉल हेतु - 01 पद
(वेतन-6000.00+)
• पाइप शोरूम कार्य हेतु युवक-02 पद
(वेतन - 10000.00+)
• पाइप शोरूम कार्य हेतु युवती-02 पद
(वेतन - 7000.00+)
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही
संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम
5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड
बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

आम इस्तेहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं राजु लांजेवार जाति लोहार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरी माता जी स्व. पौराबाई लांजेवार कि मृत्यु दिनांक 13.06.2019 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं पुत्र राजु लांजेवार, संतोष लांजेवार, बबलू लांजेवार एवं पुत्री श्रीमती संगीता विश्वकर्मा वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
राजु लांजेवार
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट।

28 को कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

रितु भंडारकर की हत्या के विरोध में कलार समाज एकजुट

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। बैहर आमगांव में कुछ दिन पूर्व कलार समाज की युवती रितु भंडारकर की दिनदहाड़े हत्या के मामले ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। आरोपी को कठोर सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की मांग को लेकर 28 नवम्बर को कलार समाज बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगा। इस संबंध में रविवार को अम्बेडकर चौक के पास स्थित तुरकर भवन में सर्ववर्गीय कलार समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने घटना की तीखी निंदा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए तथा आरोपी को जल्द से जल्द सख्त सजा मिले। सर्ववर्गीय कलार समाज के अध्यक्ष राधेलाल दवने एवं संजीव धुवारे ने बताया कि मृतका के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मुद्दा है। समाज के पदाधिकारियों ने लांजी, बैहर, वारासिवनी, भौरगढ़, बिरसा, मलाजखंड, लालबर्रा सहित पूरे जिले के सभी सामाजिक बंधुओं से अपील की है कि 28 नवम्बर की सुबह 10 बजे अधिक से अधिक संख्या में कलेक्ट्रेट में उपस्थिति देकर न्याय की आवाज को मजबूत करें।

निमदेवाड़ा में युवक कैंची के वार से घायल

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम निमदेवाड़ा में एक युवक को कैंची से मारकर घायल कर दिए। घायल युवक राम प्रसाद पिता शिव प्रसाद पटले 20 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार राम प्रसाद सतपुड़ा कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। 25 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे रामप्रसाद बैल लेकर अपने घर से गांव के मानिकचंद पटले के घर ले जा रहा था। गांव में ही रास्ते से बैल को ले जाते समय तो तोपेश बिसेन ने बैलों को चमका दिया था। जिससे बैल चमक कर एक दो किलोमीटर भाग गए थे रामप्रसाद ने बैलों को पकड़ कर लाया। उस समय तोपेश बिसेन गांव के सेलून की दुकान के पास मिला। जिसे रामप्रसाद ने बोला कि बैलों को क्यों चमकाया तभी तोपेश बिसेन ने जो नशे की हालत में था उसने सेलून की दुकान में कैची उठाकर लाया और रामप्रसाद के ऊपर कैची से वार कर दिया।कैची का वार राम प्रसाद के बाए हाथ के बाह में लगा। जिससे खून निकलने लगा था। रामप्रसाद के चिल्लाने पर उसकी बुआ के लड़का अवलेश कटरे दौड़ा और बीच बचाव किया और उसने रामप्रसाद को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया।

मानसिक तनाव में एक व्यक्ति ने खाया कीटनाशक

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जरेरा में एक व्यक्ति ने मानसिक तनाव में आकर कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई की सेवन से अस्वस्थ व्यक्ति सतीश पिता नाथूलाल यादव 38 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सतीश यादव खेती किसानी के अलावा मिस्त्री का काम करता है। जो किसी मानसिक तनाव में चल रहा था। 26 नवंबर को 10:00 बजे सतीश यादव अपने खेत अकेले धान का बोझा बांधने गया था। सतीश यादव ने दिनभर धान के बोझे बांधे और 4:30 बजे करीब सतीश यादव ने मानसिक तनाव में आकर खेत की झोपड़ी में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई का सेवन करने के बाद सतीश यादव अपने घर पहुंचा और अपनी पत्नी को बताया कि उसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया है। जिसके बाद सतीश यादव को उसकी पत्नी ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की।

वन अपराध में जब्त मोटर साईकिल को राजसात करने की कार्यवाही

जब्त मोटर साईकिल के संबंध में 15 दिनों के भीतर दावे आपत्ति आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दक्षिण सामान्य वन मंडल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र खैरलांजी के परिक्षेत्र सहायक वृत्त कटोरी के भंडारबोड़ी बीट में 17 मार्च 2019 को मोटर साईकिल क्रमांक-एमएच-36-ई-1222 से 30 किलोग्राम जंगली सुअर का मांस परिवहन किया जाना पाया गया था। जिस पर इस टीव्ही एस स्टार सिटी मोटर साईकिल को जब्त कर लिया गया था। न्यायालय प्रथम श्रेणी वारासिवनी द्वारा 03 दिसंबर 2024 को पारित निर्णय के अनुसार जब्त मोटर साईकिल को शासन के पक्ष में राजसात करने की कार्यवाही की जा रही है। यदि इस प्रकरण में किसी संस्था या व्यक्ति जो साईकिल पर अपना वैधानिक हक रखता हो तो वह 15 दिनों के भीतर कार्यालय उपवनमंडलाधिकारी कटंगी सामान्य में अपने दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावे आपत्ति मान्य नहीं किये जायेंगें तथा एकतरफा कार्यवाही कर जब्त वाहन को शासन के पक्ष में राजसात कर लिया जायेगा। जिसके लिए वाहन स्वामी स्वयं जिम्मेदार रहेंगें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 27 नवम्बर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पुणे -रीवा एक्सप्रेस की चपेट में आने से स्कूली छात्र की मौत

चरेगांव और लामता के बीच कुम्हारी के रेलवे ट्रेक की घटना, आत्महत्या की जताई जा रही आंशका,मामले की जांच में जुटी लामता पुलिस, लामता निवासी भूतपूर्व जनसंपर्क अधिकारी का एकलौता पुत्र था इंद्रजीत मेंरावी, स्कूल में दो परेड के बाद ट्रेक पर गया था कक्षा दसवीं का छात्र

पदमेश न्यूज ।बालाघाट।

लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुम्हारी रेलवे ट्रैक पर बुधवार की दोपहर उस वक्त हंगामा मच गया, जब रीवा -पुणे सुपरफास्ट ट्रेन की चपेट में आने से कक्षा दसवीं के एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम ग्राम लामता निवासी 16 वर्षीय इंद्रजीत पिता कमल किशोर मेंरावी बताया गया है। जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता में कक्षा दसवीं का छात्र था ।कथित रूप से छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है। जिसकी जांच लामता पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। भूतपूर्व जनसंपर्क अधिकारी का एकलौता पुत्र था इंद्रजीत प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बालक इंद्रजीत, ग्राम लामता निवासी भूतपूर्व जनसंपर्क अधिकारी बालाघाट कमल किशोर मेरावी का एकलौता पुत्र था, जो गांव के ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता में

कक्षा दसवीं की पढ़ाई करता था, जानकारी के मुताबिक रोजाना की तरह इंद्रजीत पढ़ाई करने के लिए स्कूल गया था,जो कक्षा में दो परेड बैठने के बाद वहस्कूल से कहीं चला गया था।जिसके बाद रेलवे ट्रैक पर उसकी लाश मिली है। जिसका रेलवे ट्रेक पर सर और ध ? दोनों अलग होने के चलते आत्महत्या की संभावना जताई जा रही है। हालांकि आत्महत्या की पुष्टि फिलहाल अधिकारियों द्वारा नहीं की गई है।

स्कूल से महज 3 किमी दूर ट्रैक पर हुआ हादसा

बताया गया कि जिस जगह पर यह हादसा हुआ था वह रेलवे ट्रैक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है और उसी स्कूल में बालक इंद्रजीत मेरावी कक्षा दसवीं की पढ़ाई करता था जिसकी शव रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया है।

ट्रेन चालक ने लामता स्टेशन मास्टर को दी हादसे की सूचना

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुणे-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन समय सारणी के अनुसार बुधवार की दोपहर अपने निर्धारित वक्त पर करीब 1:30 बजे ,बालाघाट से होकर नैनपुर होते हुए रीवा की ओर जा रही थी ।तभी ग्राम कुम्हारी के समीप रेलवे ट्रैक पर यह बालक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।उधर ट्रेन के लामता पहुंचने पर स्टेशनर मास्टर को ट्रेन के ड्राइवर मामले की जानकारी से अवगत कराया, जहां ट्रैक पर बालक का शव होने की जानकारी मिलने पर स्टेशन मास्टर ने ट्रैकमैन आत्माराम भलावी को मामले की सूचना दी। उधर मामले की सूचना मिलते ही लामता निवासी ट्रैकमैन आत्माराम भलावी ने मौका स्थल पर जाकर शव को देखा और मामले की सूचना लामता और रेलवे पुलिस के साथ साथ, मृतको के परिजनों को भी दी।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने आवश्यक जानकारी एकत्र की, लेकिन कार्यक्षेत्र के बाहर का मामला होने के चलते आगामी कार्यवाही लामता पुलिस के हैंडओवर कर दी। उधर लामता पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। वही स्थल पंचनामा बनाकर शव को अपने कब्जे में लेकर, पोस्टमार्टम के लिए शव लामता अस्पताल पहुंचाया है। जहां परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। लेकिन शाम अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसके शव का गुरुवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। फिलहाल लामता पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

होमवर्क पूरा न करने पर छात्र की पिटाई

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए जांच के निर्देश, मामला निजी स्कूल का

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। शहर के एक निजी स्कूल

की प्राचार्य द्वारा छात्र को होमवर्क पूरा न करने पर जमकर पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार प्राचार्य की मारपीट से छात्र की जांघ पर गंभीर चोट के निशान बने हैं। पीड़ित के परिजनों द्वारा शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी को किए जाने के बाद, जिला शिक्षा अधिकारी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच टीम गठित कर दी है। प्रारंभिक जांच में छात्र के साथ मारपीट किए जाने की बात प्रथम दृष्टया सही पाई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर गठित समिति दो दिनों के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगरीय क्षेत्र स्थित बुढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित गायत्री विद्या मंदिर में प्राचार्य द्वारा एक छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्राचार्य पुष्पा तुरकर ने कक्षा के छात्र गौरव भोकासे की इतनी ज्यादा पिटाई करी कि उसकी बाईं जांघ पर गंभीर निशान पड़ गए और खून जमने से वह हिस्सा काला पड़ गया। छात्र गौरव भोकासे के अनुसार कॉपी जांच के लिए प्राचार्य मैडम के पास गया था। होमवर्क पूरा नहीं होने के कारण मैडम ने पिटाई कर दी। पैरों में बहुत दर्द है और चलने में दिक्कत हो रही है। छात्र का अभी इलाज जारी है ।पीड़ित की मां शीतला भोकासे ने बताया कि पहले कभी बेटे के साथ ऐसा नहीं हुआ था। उन्होंने कहा की पिटाई के बाद मैडम घर आई थीं और पैर पकड़कर माफी मांग रही थीं, लेकिन मेरे बेटे को काफी गंभीर चोट आई है।

डीईओ ने जाँच के दिए निर्देश

मामले की शिकायत सामने आने पर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद दो सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। समिति द्वारा की गई जांच में छात्र से पिटाई किए जाने का आरोप सत्य पाया गया, और प्राचार्य पुष्पा तुरकर ने भी मारपीट करने की बात स्वीकार की है। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि जांच रिपोर्ट के बाद नियम अनुसार कार्यवाही की जायेगीं ।

बड़ी बहन की हत्या करके फरार भाई 12 घंटे के में गिरफ्तार

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाने की मछुरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने ग्राम मठारी के सगुनटोला में बड़ी बहन की हत्या करके फरार आरोपी भाई पंचू पिता धरमसिंह परते40 वर्ष 12 घँटे के अंदर छत्तीसगढ़ राज्य के जंगल से घिरे ग्राम पंडरीपानी में पकड़ाया। जिसे बिरसा थाने लाकर पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। 24 एवं 25 नवंबर की दरमियानी रात में यह व्यक्ति घर में सो रही अपनी बड़ी बहन सोमवती धुर्वे 42 वर्ष की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या करके फरार हो गया था।

ज्ञात होगी पुलिस चौकी मछुरदा में आने वाले ग्राम मठारी के सगुनटोला सोमवती धुर्वे अपने पति चेतराम धुर्वे बेटी कमलवती धुर्वे राम सिंह धुर्वे और अपने भाई पंचूलाल परते के साथ में रहती थी। सोमवती धुर्वे का बेटा रामसिंह धुर्वे मजदूरी करने के लिए हैदराबाद गया हुआ था। बताया गया है कि पंचूलाल परते अपनी बहन सोमवती धुर्वे को अपने घर वाले गांव में जाकर रहने बोलता था और इसी को लेकर दोनों भाई-बहन के बीच विवाद होते रहता था। इसके अलावा पंचूलाल परते ने सोमवती के जेवरात बिक्री कर दिए थे। उसके पैसे भी पंचूलाल परते अपनी बहन सोमवती धुर्वे को नहीं दे रहा था और जेवरात भी वापस नहीं कर रहा था। इसी को लेकर भी दोनों भाई-बहन के बीच विवाद होते रहता था और पंचूलाल परते बहन सोमवती धुर्वे को अपने गांव चले जाने अन्यथा किसी न

किसी दिन मार डालने की धमकी भी देते रहता था। 24 नवंबर की 7:00 सोमवती धुर्वे ने अपने परिवार और भाई पंचू लाल परते के साथ खाना खाई। इस दौरान पंचू लाल परते शराब के नशे में था। खाना खाने के बाद सोमवती धुर्वे की बेटी कमलवती धुर्वे घर समीप ही रहने वाली अपनी बुआ के घर सोने चली गई थी। घर में सिर्फ सोमवती धुर्वे,उसका पति चेतराम धुर्वे और भाई पंचू लाल परते थे। सभी सो गए थे। रात 12 से 1:00 बजे के बीच पंचूलाल परते ने सो रही अपनी बहन सोमवती धुर्वे के गले में कुल्हाड़ी से वार कर दिया और फरार हो गया। सोमवती धुर्वे के झटपटाने की आवाज सुनकर समीप सो रहे उसका पति चेतराम धुर्वे उठा देखा उसके पत्नी सोमवती धुर्वे का गला कटा हुआ था ।उसका साल पंचू लाल परते घर में नहीं था। कुछ देर बाद सोमवती धुर्वे की मौत हो गई। सोमवती धुर्वे की मौत होने के बाद चेतराम धुर्वे अपनी बहन के घर पहुंचा और घटना के संबंध में अपनी बेटी कमलवती धुर्वे को बताया। कमलवती धुर्वे अपने घर पहुंची और मोहल्ले पड़ोस वालों को जगाकर कर बताई। रात होने से इस घटना की रिपोर्ट नहीं की गई थी। 25 नवंबर को इस घटना की सूचना कमलवती धुर्वे पिता चेतराम धुर्वे 18 वर्ष ने मछुरदा पुलिस चौकी मैं दी थी। सूचना मिलते ही सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धनसिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ सगुनटोला ग्राम मठारी पहुंचे। मृतिका सोमवती धुर्वे का शव बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। इस मामले में सोमवती धुर्वे की हत्या करने के आरोप में उसके भाई पंचू लाल पिता धरम सिंह परते के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर इस आरोपी की तलाश शुरू की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी करणदीप सिंह के मार्गदर्शन में बिरसा थाना प्रभारी रेवल सिह बरडे के नेतृत्व में निरीक्षक धनसिह धुर्वे ने अपनी टीम के साथ जांच पड़ताल शुरू की और 26 नवम्बर को सूचना मिली कि पन्चु लाल परते अपनी बहन सोमवती की हत्या करने के बाद सीमा से लगे छत्तीसगढ़ राज्य के किसी गांव में छुपा हुआ है। इस सूचना पर निरीक्षक रेवलसिह बरडे के नेतृत्व में उप निरीक्षक धन सिंह धुर्वे अपनी टीम के साथ पंचू लाल परते की तलाश करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के जंगलों से घिरे ग्राम पंडरीपानी पहुंचे। इस ग्राम में पंचूलाल परते छुपा हुआ था। जिसे घेराबंदी कर पकड़े और बिरसा थाने लाये। जिससे पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

सड़क सुरक्षाजीवन रक्षा अभियान शुरू

अब हेलमेट के साथ-साथ वाहन का इंश्योरेंस भी होंगा अनिवार्य

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन पर 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक जिले में विशेष जन जागरूकता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ 26 नवंबर को यातायात पुलिस द्वारा किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना और नियमों के पालन की आदत विकसित करना है। इसके अंतर्गत जिलेभर में अलग-अलग कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें स्कूल कॉलेजों में जागरूकता व्याख्यान, बस स्टैंड व प्रमुख चौकङ्कचौराहों पर जन संवाद, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व पर जानकारी, रैली, पोस्टर प्रतियोगिता तथा नाट्य प्रस्तुति जैसी गतिविधियों का आयोजन शामिल है।

सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा अभियान को लेकर यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत न केवल वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि दोपहिया वाहन चालक और अन्य वाहन चालकों को अपने वाहनों का इंश्योरेंस करवाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान का

मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वाहन चालक भविष्य में किसी भी दुर्घटना के बाद आने वाली परेशानियों से बच सकें और इंश्योरेंस जैसी पॉलिसी उनके लिए लाभदायक साबित हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रारंभिक तौर पर यातायात पुलिस वाहन चालकों को समझाइश दे रही है, ताकि वे नियमों का पालन और आवश्यक दस्तावेज सुनिश्चित करें। इसके बाद अभियान के अगले चरण में ऐसे वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी, जो नियमों का उल्लंघन करते हैं। थाना प्रभारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वाहनों का इंश्योरेंस समय पर करवाएं और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित हो बल्कि सड़क पर अन्य लोगों की सुरक्षा भी बनी रहे।

पंवार समाज में युवा प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक आज

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन, पंवार समाज जिला बालाघाट के युवा अध्यक्ष तपन राजा चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि पंवार समाज संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के निर्देशानुसार, जिला प्रबंध कार्यकारिणी के मार्गदर्शन एवं युवा प्रकोष्ठ के संरक्षकगणों के संरक्षण में जिला युवा प्रकोष्ठ के समस्त जिला पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक 27 नवंबर को सुबह 11 बजे बालाघाट मुख्यालय, वार्ड 32, नर्मदा नगर स्थित पंवार मंगल भवन में संपन्न होगी। बैठक के संबंध में युवा अध्यक्ष तपन राजा चौधरी ने बताया कि यह नवनियुक्त युवा पदाधिकारियों की नियुक्ति के पश्चात प्रथम बैठक है। इसमें समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा जिले के पंवार समाज के युवाओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा और आगामी भविष्य में समाज हित में कार्ययोजनाओं की जानकारी भी साझा की जाएगी। साथ ही सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व पत्रों का वितरण भी किया जाएगा। युवा अध्यक्ष तपन राजा चौधरी ने बताया कि उनके द्वारा जिला पंवार क्षत्रिय संगठन युवा प्रकोष्ठ, जिला बालाघाट के सभी युवा प्रकोष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का आह्वान किया गया है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से समस्त युवा प्रकोष्ठ नवगठित कार्यकारिणी और जो युवक-युवती (18-35 वर्ष आयु) संगठन में जुड़ना चाहते हैं, उन्हें अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है।

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

संविधान के रचयिता को याद कर संविधान रक्षा की ली शपथ

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। दुनिया भर के तमाम संविधानों को बारीकी से परखने के बाद बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया था ।जिसे 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा के समक्ष लाया गया था और इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपना लिया ।यही वजह है कि देश में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है ।जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं ।इसी कड़ी में 26 नवंबर को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ संविधान दिवस मनाया गया ।जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर संविधान के रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर को याद कर लोगों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और जयकारे लगाए। साथ ही समस्त लोगों ने सामूहिक रूप से संविधान की रक्षा की शपथ ग्रहण की। इसी कड़ी में बुधवार को नगर के आंबेडकर चौक में बौद्ध अनुयायियों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जहां बौद्ध अनुयायियों ने प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए वही सविधान के निर्माता और भारतीय संविधान के जयकारे लगाए। इसके अलावा विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर उनका जयकार किया गया ।एलएलबी स्टूडेंट यूनियन सहित विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित संविधान दिवस पर उपस्थित जनों द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान की प्रतियों का वाचन कराया गया ।इसके अलावा अलग-अलग समय पर नगर के विभिन्न स्थानों

पर उद्बोधन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जहां प्रमुख वक्ताओं ने संविधान दिवस पर प्रकाश डालते हुए संविधान के निर्माता और संविधान द्वारा हर भारतीय नागरिकों को दिए गए हक और उनके अधिकारों की जानकारी दी। वहीं हर हाल में संविधान की रक्षा करने और संविधान के मुताबिक चलने की बात कही ।उधर जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में समस्त अधिवक्ता साथियों ने मिलकर बाबा साहब अम्बेडकर जी की फोटो लगवाई वही संविधान दिवस पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें संविधान की प्रस्तावना का वाचन माननीय विशेष न्यायाधीश महोदय द्वारा किया गया। तो वही सभी ने मिलकर आगामी 14 अप्रैल को जिला न्यायालय में एक बड़ा कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित

स्वच्छता की अनदेखी कर आनन फानन में प्रारंभ हुई कैंटीन

रोजगार तो मिला पर गंदगी भरे माहौल में, कैंटीन के आसपास की झाड़ियों एवं गंदगी की साफ-सफाई करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हे रोजगार उपलब्ध करवाने की मंशा से शासन की योजना के तहत करीब साढे पांच लाख रूपये की लागत से कैंटीन का निर्माण करीब एक वर्ष पूर्व किया गया किन्तु उसे प्रारंभ नही किया गया था। जिसके कारण लाखों रूपये की लागत से बनी यह कैंटीन देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही थी और इसके आसपास बड़ी बड़ी झाड़ियां उग गई थी। इस समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारी हरकत में आये और आनन-फानन में कैंटीन के आसपास उग चुकी झाड़ियों एवं परिसर की बिना सफाई करवाये ही कैंटीन को प्रारंभ कर दिया है। जिससे कैंटीन में नास्ता एवं चाय पीने जाने वाले लोगों एवं कैंटीन का संचालन कर रही राधे-राधे स्वसहायता समूह साल्हे ला. की महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कैंटीन के आसपास झाड़िया होने के कारण जहरीले कीड़े मकोड़े के कैंटीन के अंदर घुस जाने का भी डर बना हुआ है। जागरूक नागरिक एवं समूह की महिलाओं ने जनपद पंचायत प्रशासन से कैंटीन के आसपास की झाडियों एवं परिसर की साफ-सफाई करवाने की मांग की है।

स्वच्छ भारत मिशन पर लग रहा पलिता, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में स्थित यह कैंटीन राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और जनपद पंचायत के सहयोग से महिला स्व सहायता समूह को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बनाई गई है। वहीं कैंटीन का निर्माण साढ़े पांच लाख रूपये की लागत से हुआ था। लेकिन कैंटीन बनकर तैयार हो जाने के बाद भी उसे प्रारंभ नही किया गया था। जिसके कारण देख-रेख में लाखों रूपयों की लागत से बने कैंटीन खराब हो रही थी और जिस मंशा से कैंटीन बनाया गया है उसका लाभ भी स्व सहायता समूह की महिलाओं को भी नही मिल पा रहा था। जिसको लेकर गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। उसके बाद गत दिवस से कैंटीन को शुरू करवा दिया है, लेकिन बिना तैयारी एवं साफ-सफाई के प्रारंभ कर दिया गया है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन ने सिर्फ खानापूर्ति के लिए कैंटीन को शुरू करवाया है। जबकि कैंटीन के आसपास की झाड़ियों एवं परिसर की साफ-सफाई करवाकर प्रारंभ करवाना था लेकिन ऐसा नही किया गया है। जिसके कारण आसपास गंदगी फैली हुई है, अगर यह गंदगी के माहौल में संचालित होगी तो इसका सीधा असर यहां आने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। वहीं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय लालबर्रा द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार, कैंटीन का संचालन महिला स्व सहायता समूह को सौंपकर उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाना है। हालांकि कैंटीन शुरू होने के बाद भी परिसर की सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। कैंटीन के बाहर और आसपास गंदगी है, जो स्व'छ भारत मिशन के मानकों की धज्जियां उड़ा रही है। यह स्थिति महिला समूह को एक स्वस्थ व्यावसायिक माहौल देने के सरकारी प्रयास पर सवाल खड़े करती है। जबकि जनपद पंचायत परिसर में कैंटीन का संचालन हो रहा है तो जनपद प्रशासन की जबावदारी बनती है कि वे कैंटीन के आसपास की झाडियों एवं परिसर की साफ-सफाई करवाये, लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं जनपद पंचायत पहुंचने वाले लोगों एवं कैंटीन संचालित करने वाली समूह की महिलाओं ने जनपद प्रशासन से साफ-सफाई करवाने की मांग की है। ताकि लाखों रूपये की लागत से बनी कैंटीन सुचारू रूप से चले और स्वच्छ माहौल में संचालित होना चाहिए ताकि स्व सहायता समूह की महिलाओं को स्थायी और सम्मानजनक रोजगार मिल सके और जनपद परिसर में आने वाले लोगों को भी स्वच्छ वातावरण में कैंटीन का लाभ मिल सके।

इनका कहना है-

जनपद पंचायत परिसर में राज्य आजीविका मिशन के माध्यम से कैंटीन का निर्माण किया गया है। जिसे गत दिवस प्रारंभ कर दिया गया है और उसके संचालित राधे-राधे स्व सहायता समूह साल्हे ला. की महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। अगर कैंटीन के आसपास झाड़ियां एवं गंदगी है तो जल्द साफ-सफाई करवा दी जायेगी।

चंदरसिंह मंडलोई
सीईओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।

महाविद्यालय में मनाया गया भारतीय संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात संविधान निर्माण प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर जी एवं संविधान निर्माण में योगदान देने वाले निर्माताओं को नमन किया गया। जिसके बाद संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। वहीं भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान पर आधारित प्रश्नमंच प्रतियोगिता एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों को संविधान का महत्व बताते हुए समाज में न्याय की स्थापना में संविधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत ने विद्यार्थियों को संविधान के लागू होने से वर्तमान तक के क्रियान्वयन के विषय के बारे में विस्तार से बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को संविधान में उल्लेखित स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व एवं मौलिक अधिकारों के बारे में अवगत करवाया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया के विषय के बारे में बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम एवं डॉ. देवराज चौरे के द्वारा भारतीय संविधान की वर्तमान में प्रासंगिकता बताते हुए आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे., डॉ. आशा कारे, दीपक अहिरवार, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

अधिवक्ता संघ ने मनाया संविधान दिवस, बाबा साहब को किया नमन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय परिसर में अधिवक्ता संघ लालबर्रा के द्वारा गुरूवार को संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सर्राटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे नमन किया। वहीं उपस्थित अधिवक्ताओं ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा एवं समर्पण व्यक्त किया। साथ ही अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि भारत का संविधान मात्र कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय का पवित्र ग्रंथ है। साथ ही यह भी कहा कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर ने विपरित परिस्थितियों में भी ऐसा लोकतांत्रिक संविधान दिया, जिसने भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया है इसलिए सभी को संविधान में निहित मूल कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक होकर राष्ट्र की एकता, लोकतंत्र की नींव को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सर्राटे ने कहा कि देश को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिल गई थी, लेकिन आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी, सभी रियासतों और राजा-महाराजाओं को एक सूत्र में पिरोना का काम किया गया है। साथ ही पूरे देश को एक संगठित और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तथा विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों के अधिकार व कर्तव्य निर्धारित करने के लिए, एक केंद्रीकृत संहिता की आवश्यकता थी इसलिए संविधान का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद जी को बनाया गया था और उनकी ही अध्यक्षता में 26 नवंबर को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ। उसी दिन को हम सभी संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। वरिष्ठ अधि. अजय कौशल ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हमारे देश को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधता है और संविधान हमें न केवल मौलिक अधिकार प्रदान करता है, बल्कि हमें अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करने का निर्देश भी देता है। वरिष्ठ अधि. पवन गौतम ने कहा कि भारत के संविधान में देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए तीन मुख्य पालिका बनाई गई हैं। जिसमें कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका है, इनके माध्यम से देश सुचारू रूप से चल रहा हैं और संविधान में इन्हें विशेष स्थान दिया गया हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ लालबर्रा के उपाध्यक्ष संदेश इंदुरकर, सचिव जगदीश बोपचे, ग्रंथपाल केवल उके, वरिष्ठ अधि. अजय कौशल, पवन गौतम, विधान सर्राटे, नितेश श्रीवास एवं अखिलेश देशमुख सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

विधायक अनुभा मुंजारे ने बोट्टा बांदरी पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओं नागेश्वर के निधन पर विधायक ने जताया शोक, परिजनों को बांधा ढांढस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र-111 के अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 10 बोट्टा की बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 50 वर्षीय श्रीमती अनिता पति नरेश नागेश्वर का उपचार के दौरान आकस्मिक निधन होने के उपरांत 26 नवंबर की शाम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे स्व. अनिता नागेश्वर के निवास पहुंचकर परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। वहीं पीड़ित परिजनों ने विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से चर्चा में बताया कि एसआईआर कार्य का लोड होने से तनाव में आने के कारण बीमार होने के कारण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओ श्रीमती अनिता नागेश्वर का आकस्मिक निधन हो गया। आगे पीड़ित परिजनों ने बताया कि विगत 13 नवम्बर से उनका गोंदिया में उपचार चल रहा था और गंभीर होने पर रात्रि में नागपुर ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। बीएलओ श्रीमती अनिता नागेश्वर के निधन पर विधायक अनुभा मुंजारे ने शोक व्यक्त किया है। वहीं स्व. श्रीमती अनिता नागेश्वर महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवा दे रही थी, इसी दरमियान में उनका निधन हुआ है। जिस पर क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोडिया से दूरभाष पर संपर्क किया और पीड़ित परिजनों की मदद करने की बात कही है। वहीं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने चर्चा में कहा कि श्रीमती अनिता नागेश्वर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर पदस्थ थी, उसी दरमियान में उनका निधन हुआ है। ऐसी परिस्थिति में उनके परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति का प्रस्ताव सरकार को भेजेगें। साथ ही यह भी कहा कि यह दु:खद खबर है कि हमारे क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बीएलओ का कार्य कर रही अनिता नागेश्वर का निधन हो गया। जैसी ही उन्हें जानकारी परिजनों से मिली है कि उन पर एसआईआर कार्य का लोड था और इसी के चलते वह बीमार हो गई। जिसका उपचार बालाघाट एवं गोंदिया में करवाया है। लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नही होने पर नागपुर लेकर जा रहे थे तभी उनका निधन हो गया। आगे कहा कि एसआईआर कार्य करवाने के नाम पर काम का बोझ या दबाव नहीं बनाना चाहिए, कर्मचारियों के साथ तनाव के कारण ऐसी घटना सामने आना चिंतनीय है। प्रशासन को एसआईआर कार्य करना है तो कर्मचारियों को विश्वास में ले और सद्भावना के तहत कार्य करवाये, दबाव बनाकर कार्य नहीं करवाया जाना चाहिए।

लालबर्रा गार्डन में प्रवासी पक्षी बने आकर्षण का केन्द्र

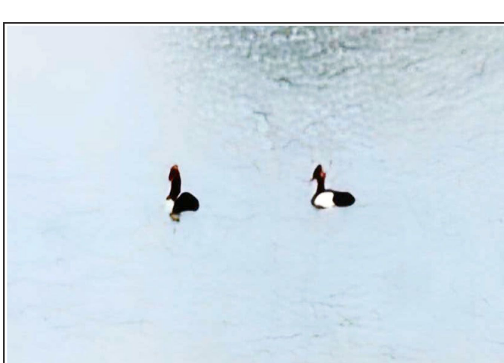

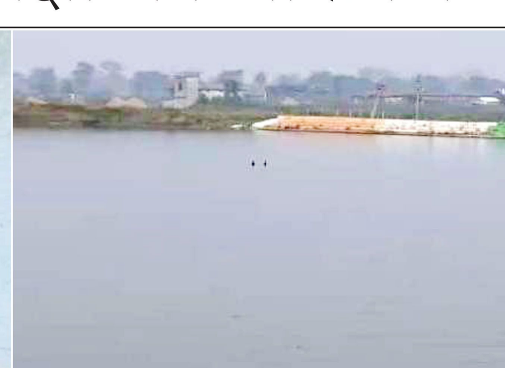

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जैसे ही सर्दी का मौसम दस्तक देती हैं, प्रकृति अपने एक अद्भुत नज़ारे से हमें रूबरू कराती है। इस साल भी लालबर्रा का शांत और हरा-भरा गार्डन (उद्यान) एक बार फिर प्रवासी पक्षियों के कलरव और उनकी मनमोहक उपस्थिति से गुलजार हो उठा है। बुधवार को प्रवासी पक्षी का एक जोड़ा लालबर्रा गार्डन स्थित तालाब में देखा गया, जो एक आकर्षण का केन्द्र रहा। वहीं गार्डन घुमने आने वाले लोग एवं अन्य लोगों को गार्डन स्थित तालाब के पानी में दो प्रवासी पक्षी के होने की जानकारी लगने पर उन्हे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। वहीं उपस्थितजनों ने दो विदेशी प्रवासी पक्षी की फोटो अपने मोबाइल में कैद भी किया है। साथ ही प्रवासी पक्षी के दृश्य एक आकर्षण का केन्द्र बना रहा। वहीं सर्दी के मौसम में शांत व हरे-भरे क्षेत्र में प्रवासी पक्षी सहित अन्य पक्षी हजारों किमी का सफर कर इन क्षेत्रों में पहुंचते है। इसी तरह हर वर्ष की तरह, इस बार भी विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों ने सर्दी के मौसम को बिताने के लिए लालबर्रा गार्डन एवं टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय को चुना है। इन स्थानों पर ये पक्षी नजर आ रहे है और मुख्य रूप से उत्तरी और ठंडे क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और जमते पानी से बचने के लिए ये प्रवास करते हैं। लालबर्रा के अनुकूल जलवायु, प्रचुर जल स्त्रोत और भोजन की उपलब्धता उन्हें यहां डेरा डालने के लिए प्रेरित करती है। लालबर्रा गार्डन में इन दिनों छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे पक्षियों की गतिविधिया देखी जा सकती हैं। इनकी चहचहाहट और उड़ानों का दृश्य सुबह और शाम के समय सबसे अधिक मनमोहक होता है।

टेकाडी ला. जलाशय से गार्डन तक का सफर

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन प्रवासी पक्षियों का पहला पड़ाव अक्सर सर्दी के मौसम में प्रतिवर्ष इन दिनों में टेकाड़ी ला. जलाशय में होता है। जल-आधारित पक्षी जैसे बत्तख, सारस और कुछ अन्य शिकारी पक्षी पहले जलाशय के शांत किनारों पर विश्राम करते हैं। इसके बाद छोटी झाड़ियों और पेड़ों पर रहने वाले विभिन्न प्रकार के गीत गाने वाले पक्षी और कीट भक्षी, पक्षी भोजन और सुरक्षित आश्रय की तलाश में धीरे-धीरे लालबर्रा गार्डन की ओर रूख करते हैं। गार्डन में लगे फलदार वृक्ष और सघन वनस्पति उन्हें एक सुरक्षित ठिकाना प्रदान करती है। इस तरह से लालबर्रा गार्डन अब सिर्फ एक उद्यान नही बल्कि प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक जीवित प्रयोगशाला बन चुका है।

प्रवासी पक्षियों के आगमन से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा गार्डन स्थित तालाब में जो पक्षी बुधवार को देखे गये है ये पक्षी प्रवासी पक्षी है। जो आमतौर पर टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय में नवंबर से जनवरी के बीच में बड़ी संख्या में प्रवास करते है और संभवत: उड़ते समय लालबर्रा गार्डन के इस बड़े तालाब को देखकर यहां उतर गये होगें। ये खूबसूरत पक्षी कत्थई, सफेद और काले तीन रंगों में हैं। श्री खान ने बताया कि ये विदेशी प्रवासी पक्षी है जिन्हे परेशान नही करना चाहिए ताकि भविष्य में और भी अधिक प्रवासी पक्षियों का आगमन हो सके, जिससे लालबर्रा में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

कोचेवाही में बाघ ने गाय का किया शिकार

दहाशत भरे वातावरण में जीवन जी रहे ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत सिरपुर बीट में हिंसक वन्य प्राणी बाघ की आमद बनी हुई है। जहां भय का वातावरण बना हुआ है ग्रामीणजन काफी परेशान नजर आ रहे हैं। इसी बीच २५ नवंबर की रात को फिर हिंसक वन्य प्राणी बाघ के द्वारा गाय का शिकार किया गया है। इस बार बाघ ने कोचेवाही उपसरपंच गौरीशंकर ठाकरे की गाय को अपना शिकार बनाया है। जिससे बाघ की स्थिति उक्त क्षेत्र के आसपास होने की स्पष्ट हो रही है। वहीं मौके पर वन विभाग के द्वारा भी निगरानी की जा रही है किंतु ग्रामीणों में बहुत ज्यादा डर की स्थिति बनी हुई है।

बाघ ने सागौन वन में गाय का किया शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार २५ नवंबर की रात में फिर हिंसक वन्य प्राणी बाघ के द्वारा एक गाय का शिकार कर लिया गया। इसमें बताया जा रहा है कि यह गाय कोचेवाही उपसरपंच गौरीशंकर ठाकरे की हैं। जिसे प्रतिदिन की तरह मंगलवार को घर से हरा चारा चरने के लिए छोड़ दिया गया था। जो गांव से लगे जंगल में गई हुई थी जहां वह छोटी कोचीवाही और बोटेझरी के बीच में स्थित सागौन वन में चरने के लिए गई हुई थी। जहां से वह शाम तक घर नहीं पहुंची तो मवेशी मालिक के द्वारा आसपास पता किया कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद २६ नवंबर को प्रात: के समय सागौन वन की तरफ मवेशी को ढूंढने गए थे। तो उनकी गाय वहा मृत अवस्था में पड़ी थी जिसे हिंसक प्राणी के द्वारा शिकार कर खाने का प्रयास किया गया था। यह देख परिवार के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी ग्राम के विभिन्न लोगों को दी गई वहीं वन विभाग को भी दी गई। सुचना पर वन विभाग के द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर पंचनामा कार्यवाही की गई। वहीं लोगों को अपने घरों में सुरक्षित रहने अंधेरा होते ही खेती या जंगल की तरफ नहीं जाने के लिए निर्देशित किया हैं। विदित हो की वन विभाग वारासिवनी की सिरपुर बीट में बीते करीब एक सप्ताह पूर्व से हिंसक वन्य प्राणी बाघ के द्वारा अपनी आमद दर्ज कराई गई थी। इसके बाद वहां ग्राम शेरपार के पास में रोड़ क्रास करते देखा गया था। ऐसे में वन विभाग के द्वारा लगातार गश्ती की जा रही थी। इसी बीच २४ नवंबर को भी सड़क क्रॉस करते हुए किसी दंपति के द्वारा देखा गया था। ऐसे में बाघ की आमद की सूचना से ही ग्राम में काफी दहशत का माहौल बना हुआ था। जो ग्राम शेरपार नंदगांव सहित आसपास के ग्राम में था अब वह कोचेवाही तक शिकार की तलाश में पहुंच गया है। ऐसे में लोग काफी परेशान नजर आ रहे हैं जंगल से लगे खेतों में जाने से कतरा रहे हैं।

ग्राम में बाघ की आमद से सभी लोग डरे हुये है-मंजय

सरपंच प्रतिनिधि मंजय सोनेकर ने दूरभाष पर बताया की हमारी पंचायत के उपसरपंच गौरीशंकर ठाकरे की गाय का शिकार बाघ ने कर लिया है। गाय प्रतिदिन की तरह चलने के लिए गई हुई थी परंतु रात तक नहीं लौटने पर सुबह ढूंढे तो मरी हुई मिली। इसका निश्चित शिकार बाघ के द्वारा किया गया है ,कुछ दिनों से हम बाघ की बात सुन रहे थे कि दूसरे गांव में देखने में मिला है। किंतु अब हमारे गांव में भी शिकार की घटना हो गई है जिससे हर इंसान डरा हुआ है। वर्तमान में खेतों की तरफ बहुत संकट उत्पन्न हो गया है पूरे ग्राम में दहशत का माहौल है। वन विभाग से यही मांग है कि वह पीड़ित को उचित मुआवजा दें वहीं इस दहशत को खत्म करने बाघों को जंगल की ओर खदेडे ताकि कोई बड़ी जनहानि से बचा जा सके।

तीन शिफ्ट में २४ घंटे मॉनिटरिंग कि जा रही है -अशोक

डिप्टी रेंजर अशोक भालाधरे ने बताया कि २१ नवंबर को बाघ को रोड़ क्रॉस करते ग्रामीण और कृषक ने देखा था। उसने महादेव पहाड़ी पर एक शिकार किया था जिसे ३ दिन में खाया उसके बाद वह मांस के लिये इधर उधर घूम रहा है। हमारे द्वारा तीन शिफ्ट में २४ घंटे मॉनिटरिंग कि जा रही है । अभी ग्रामीणों और किसानों से हम यही अपील कर रहे हैं कि वह खेत बड़ी ना जायें। अकेले किसी जगह काम ना करें समूह में जाकर काम करें जंगल के पास अपने मवेशियों को ना ले जायें। यदि फिर भी कहीं कोई मवेशी पर बाघ का हमला होता है तो उसे छुड़ाने या छेड़खानी ना करें वन विभाग को जानकारी दें।

सविधान पढ़ने के लिए लोगों को किया गया जागरूक-रामकुमार

खैरलांजी में संविधान दिवस पर रैली का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी के जनपद परिसर से २६ नवंबर को १५ वें संविधान दिवस के अवसर पर संविधान फाउंडेशन बालाघाट के तत्वाधान में रैली निकलकर संविधान दिवस मनाया गया। यह संविधान दिवस के अवसर पर बौद्ध उपासक /उपासिकाओं सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में जनपद परिसर में एकत्रित हुए। जहां से डीजे और लाईव आर्केस्ट्रा बोधिसत्व प्रस्तुति टीम प्रकाश सागर के साथ रैली निकाली गई। यह रैली खैरलांजी के मुख्य मार्ग से हनुमान मंदिर होते हुए खैरलांजी बस्ती के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए खैरी रोड़ होते हुए आंबेडकर चौक पहुंची। जहां पर डॉ बी आर आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत सामूहिक त्रिशरण पंचशील का पाठ कर वंदना की गई। तत्पश्चात यह रैली जनपद परिसर कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। इस दौरान रैली में बड़े ट्रक पर लाइव ऑर्केस्ट्रा में डॉक्टर बी आर आंबेडकर से संबंधित बोधिसत्व गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। वहीं बाबा साहब अमर रहे संविधान निर्माता अमर रहे जैसे उद्घोष भी लगाये जाते रहे। वहीं रैली के दौरान मार्ग में पढ़ने वाले समस्त बौद्ध विहारों में मोमबत्ती प्रज्वलित कर त्रिशरण पंचशील का सामूहिक पाठ कर वंदना भी की जाती रही। पद्मेश से चर्चा में पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया कि पूरे देश में संविधान दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आज ही के दिन हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ था और उसे पूरे भारत में अंगीकार किया था। इसी उपलक्ष्य के अवसर पर राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें सर्व समाज के लोग शामिल हुए १२ बजे भव्य रैली निकाली गई। रैली ने ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों सहित मुख्य मार्ग का भ्रमण करते हुए लोगों को संविधान दिवस का संदेश दिया। इस दौरान लाइव ऑर्केस्ट्रा आकर्षण का केंद्र रहा इसके अलावा भी अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना था वर्तमान में देखने में संविधान पढ़ता कोई नहीं है पूरा देश संविधान से चलता है। बाबा साहब ने जो संविधान तैयार किया वह देश ही नहीं पूरे विश्व में सबसे बड़ा संविधान है। २६ नवंबर १९४९ को यह संविधान बनकर तैयार हुआ उसी की याद में यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ,दुर्गाप्रसाद लिल्हारे ,भारत शिवहरे,योगेश सुलकिया ,खुमेश डोंगरे ,भीमप्रकाश बोरकर, नितेश गजभिये ,कमाल डोंगरे, थानसिंह नगपुरे ,प्रफुल रंगारे, मनोज बेलेकर, अनिल अग्ने ,संजीव मेश्राम, अंकित खोब्रागडे ,हरेन्द्र बागडे ,सत्यातील गौडाने सहित अन्य बौद्ध उपासक उपासिक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में आदर्श युवा ग्राम सभा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शिक्षा मंत्रालय पंचायती राज मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार की अभिनव पहल के अंतर्गत पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में मंगलवार की शाम को आदर्श युवा ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य रणबीर सिंह ,मुख्य अतिथि मनोज गौतम पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत मुरझड़ उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी जी एस यादव ने जानकारी दी कि ग्राम सभा आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं ग्रामीण समस्याओं एवं समाधान केन्द्रित सोच को विकसित करना है। तत्पश्चात् कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य रणबीर सिंह के स्वागत भाषण से हुई जिसमें उन्होंने ग्राम सभा की महत्ता और छात्रों की सहभागिता की सराहना की। आदर्श युवा ग्राम सभा का प्रारंभ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम और मध्यप्रदेश के राजकीय गीत सुख का दाता सबका साथी के भावपूर्ण गायन के साथ हुआ । इस ग्राम सभा में ग्रामीण जीवन से जुड़े विविध मुद्दों एवं सामाजिक समस्याओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना, सार्वजनिक शौचालय, ग्रामवासियों और छात्र छात्राओं के लिए लाइब्रेरी, गाँव में सामुदायिक भवन, खेल संबंधी सुविधाएँ, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग की सुविधा, सरकार की वित्तीय योजनाएँ, ग्रामवासियों के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण, गाँव के चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे की सुविधाए लघु उद्योगों में सहायता, राशन कार्ड की समस्या और मध्याह्न भोजन योजना में खाने की गुणवत्ता, नवोदय विद्यालय और कोसरीटोला के बीच की रेलवे लाइन में अंडर ब्रिज निर्माण की माँग पर गहन चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों के द्वारा उनके निदान एवं समाधान पर भी सार्थक सुझाव प्रस्तुत किए गए। आदर्श युवा ग्राम सभा में कक्षा ग्यारहवीं के यश हीरापुरे ने सरपंच, रौनक पाँचे उपसरपंच, हर्षिका राहंगडाले सचिव,श्रेया दरवडे सहायक सचिव, गांधी बिसेन रोजगार सहायक, कृष्ण कोरे डाटा एंट्री ऑपरेटर, खुशी मसकरे एनजीओ कार्यकर्ता, माही सेंद्रे पर्यावरण समिति प्रमुख, किम कावडे स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति प्रमुख, हिमांशु दासरे सांस्कृतिक समिति प्रमुख, भार्गवी सोनवाने शिक्षा समिति प्रमुख, पूर्वा मसकरे कृषि सहायक, काजल पंद्रे वरिष्ठ महिला, अर्णव वैद्य युवा नागरिक प्रतिनिधि, स्व.सहायता समूह कपास सदस्य मानसी मेरावी, विजेता पिछोड़े आशा कार्यकर्ता, समृद्धि मेश्राम विद्यालय प्रबंधन समिति अभिभावक प्रतिनिधि, हेनान पटले खेल प्रमुख, विवेक धारणे प्रधान पाठक, गरिमा नागेश्वर आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, वेदांत भगत युवा कृषक, आँचल मेंढेकर स्व सहायता समूह मध्या भोजन सदस्य के अतिरिक्त कक्षा नवमीं और ग्यारहवीं के अनेक छात्र छात्राओं ने विविध भूमिकाओं को सफलतापूर्वक निभाते हुए ग्राम शासन व्यवस्था का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मनोज गौतम ने ग्रामीण विकास , युवा शक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। साथ ही उन्होंने आदर्श युवा ग्राम सभा में पंचायत प्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के प्रमुखों की भूमिकाएँ निभाने वाले छात्र छात्राओं एवं नवोदय के शिक्षकों की सराहना की । नवोदय विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का उल्लेख करते हुए उन्हें ब्रांड बताया और उपस्थित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए एक ब्रांड बनने की सलाह दी । आदर्श युवा ग्राम सभा यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य रणबीर सिंह के संरक्षण,शिक्षक जी एस यादव,अविनाश सिंह ,बी आर पटेल के द्वारा किया गया।

एसआईआर के माध्यम से सरकार वोट काटने का कर रही प्रयास -विवेक

कांग्रेस पार्टी का बीएलओ प्रशिक्षण शिविर हुआ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पवार मंगल भवन में कांग्रेस पार्टी के बूथ लेविल एजेंट यानि बीएलओ की बैठक वारासिवनी खैरलाँजी विधानसभा प्रभारी व सिवनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सभी बीएलओ से एसआईआर के फार्म घर घर जाकर भरने की अपील की गई है। बूथ एजेंट पूरी जिम्मेदारी के साथ एसआईआर के फॉर्म भरवाए कोई भी इसमें छूट ना पाए धर्म और जाति से कुछ नहीं होता। सबसे पहले इंसानियत का रिश्ता है इस दौरान उन्होंने फॉर्म भरने का भी तरीका बताया। प्रशिक्षण प्रभारी राहुल उइके ने कहा की मैं चुनाव के पूर्व भी प्रचार में आया था तब भी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश था और आज भी वही जोश बनाकर रखा है। पद और पैसो के लालच में कुछ लोग भाजपा में चले गए और उनके साथ कुछ स्वार्थी लोग भी पीछे. पीछे चले गए । मगर कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं बिका उन्ही की देन हैँ की एक कार्यकर्ता आज वारासिवनी का विधायक बना है। जो कार्यकर्ताओं की देन है अभी एसआईआर का काम चल रहा है सभी को इसमें सतर्क रहना है। कांग्रेस पार्टियों के वोट इसमें ज्यादा काटे जा रहें है इसमें सभी को ध्यान रखना है और पूरी ईमानदारी के साथ जनता की सेवा करना है। सिवनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया ने कहा कि हर व्यक्ति को पहले यह देखना है की हमारे घरो के वोटरों के नाम काटा तो नहीं जा रहें है। भाजपा चाहती है की कांग्रेस के वोट काटे जाए भाजपा पार्टी ने वोट चोरी करके सरकार बना लेती है। हर बीएलओ की जवाबदारी है की वो वोटर लिस्ट चैक करते रहें । हमारे क्षेत्र के काफी लोग कमाने के लिए बहार चले जाते है,आप प्रयास करे की उन्हें मतदान करने अवश्य लाए। आप लोग सभी को बताए की शासन की योजना का लाभ लेने के लिए आपका नाम जुड़वाना जरूरी है। राहुल गाँधी लगातार वोट चोरी का खुलासा कर रहें है एक ही घरो में सैकड़ो की संख्या में वोटर्स है। बिहार में हजारों की संख्या में नाम काट दिए गए है बिहार में हमारे बीएलओ काम कर लेते तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। राहुल गाँधी ने वोट चोरी का आरोप तो सरकार के ऊपर लगाया निश्चित ही सरकार तो चोर है उसने वोट चोरी की है। ब्लाक अध्यक्ष भोजेश्वर पटले ने बताया की सबसे पहले एसआईआर १९५१ में हुआ था तब से आज तक ८ बार हुआ है। जबकी हर सात ७ वर्ष में होना चाहिए भाजपा वोट चोरी के कारण प्रदेश और केंद्र में सरकार बना लेती है। हमारे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन शुरू किया हमारे नेताओं ने मुद्दा उठाया तो केंद्र और चुनाव आयोग तक झूठ साबित नहीं कर पाई। एसआईआर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है आने वाले सभी चुनाव में अब कांग्रेस की जीत होंगी। बिहार में कोई नहीं कहता था की भाजपा की सरकार बनेगी फिर भी सरकार बना ली । सोच लो कैसे बनाएगी होंगी भाजपा सिर्फ धांधली करके चुनाव जीतती है। विधायक विवेक पटेल ने कहा की विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण के जरिए केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार कांग्रेस के विचार धारा वाले वोटरों के नाम बड़े पैमाने पर काटे जा रहे है । यह एसआईआर नहीं है बल्कि एक तरह से एनआरसी ही है यह फॉर्म हर व्यक्ति को भरना जरूरी है मौजूदा सरकार की यह योजना है कि हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के कम से कम हजारों की संख्या में वोट काट दिया जाए। ताकि बिहार चुनाव की हर राज्यों में उनका मकसद पूरा हो सके । इसके मद्देनजर हमारी पार्टी ने अपने अपने बूथ पर बीएलओ बनाए है। सिवनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया, ब्लाक अध्यक्ष भोजेश्वर पटेल, जीतू राजपूत,जिला महामंत्री सुदेश गुड्डु सोनी, जेसराज पारधी,तेजराम नगपुरे,अनिल पिपरेवार,राजकुमार चौधरी, नरेंद्र राहंगडाले, सुनील राणा, जावेद अली, भुवन लोहार, मन्नू रामटेके,इश्वरी दामनकर, सत्तू बिसेन, नुपचंद टेंभरे, संदेश बिसेन, श्रवण मेश्राम, शिवदयाल बिसेन, आनंद डोंगरे,प्रमेन्द्र हेडाऊ, राहुल बिसेन, अतुल पारधी, पूरनलाल टेंभरे, डुलीचंद बघेले,दिनेश भोयर,मुकेश चिखले,भोजलाल नगपुरे,दिनेश बनकर,

क्षेत्र की जनता से किये गये वादो को किया पुरा-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कोचेवाही के बंडलटोला में दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। मेले में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्रामीणजनो से मुलाकात किया। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि मंजय सोनेकर ने पंचायत के अंतर्गत चल रहे वर्तमान के विकास कार्यो की जानकारी देकर प्रदीप जायसवाल का सौगात देने के लिये आभार भी व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त कराया की बाजार चौक से टोले तक की ग्रेवल सड़क लागत २१ लाख ७० हजार की स्वीकृति के बाद राशि भी प्रदान करने के कार्य को पूरा किया जा रहा है। इस संबध में प्रशासनिक अधिकारियो से भी जल्द चर्चा की जा रही है। हमारी कार्यशैली की पहचान ही यही है कि हमने जितने भी वादे जनता से किये है। वह सभी पूर्ण हो रहे है जमीन पर पुरे क्षेत्रो में विकास कार्य नजर भी आ रहे है। माध्यमिक स्कूल भवन लागत १ करोड़ ७० लाख रुपये,कोचेवाही पावर प्लांट किसानों की वोल्टेज समस्या के लिए लागत १४ करोड़ रुपये देने के लिये व्यक्त किया। इस दौरान मंजय सोनेकर, अशोक टेकाम, झाडूलाल वरकड़े, मौजीलाल भलावे, राजेश मड़ावी, अनीश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

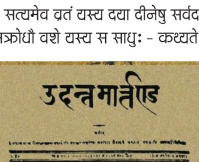

विभिन्न राज्यों में एसआईआर के दूसरे चरण के दौरान बीएलओ की कथित आत्महत्याओं को काम के दबाव से जोड़ा जा रहा है, जबकि बिहार में एसआईआर का पहला चरण इससे कहीं अधिक गति से पूरा किए जाने के बावजूद ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई थी।

एसआईआर और राजनीति

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग केरल और पश्चिम बंगाल समेत देश के नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया करा रहा है, लेकिन जिस तरह से इसे जमीनी स्तर पर अमल में लाने वाले बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारियों की कथित आत्महत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं, उससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इनकी वजह वाकई काम का दबाव है, जैसा एसआईआर के विरोधी भी कह रहे हैं, या फिर इसके पीछे कोई और ही कहानी छिपी है। भारतीय लोकतंत्र की नींव जितनी मजबूत संस्थाओं पर टिकी है, उतनी ही अनगिनत अदृश्य कर्मयोगियों पर भी, जो बगैर किसी प्रचार, विवाद या पुरस्कार की अपेक्षा के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। बूथ-स्तरीय अधिकारी ऐसे ही जमीनी योद्धा हैं। देश के 321 जिलों की 1,843 विधानसभाओं के 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं की जांच के लिए पांच लाख से अधिक बीएलओ काम पर लगाए गए हैं, जिन्हें घर-घर जाकर गणना पत्र भरवाने और जमा करने होते हैं। मौसम की चुनौती, लंबी दूरी, ग्रामीण बाधाएं और भी कई तरह के तनावों के बीच जाहिर है कि यह आसान काम नहीं है, फिर भी जरूरी है। इस पर अफसोस ही किया जा सकता है कि एक विशुद्ध प्रशासनिक कार्य में अड़ंगा डालने के लिए कई राज्यों की सरकारें अपने-अपने तरीके आजमा रही हैं। पश्चिम बंगाल में तो बीएलओ के पीछे कार्यकर्ताओं की भीड़ चलने और वहां इन अधिकारियों को कथित तौर पर धमकाने व मारपीट की भी खबरें मिल रही हैं। मतदाता सूची का शुद्धिकरण होना चाहिए, इस पर तो किसी को भी आपत्ति नहीं होगी। राजनीतिक दबाव से चीजें बिगड़ती ही हैं। बजाय इसके कि एसआईआर को जारी रखते हुए ऐसा माहौल बनाया जाए, जिसमें बीएलओ निरपेक्ष ढंग से काम कर सकें, अगर प्रशासनिक तंत्र पर दबाव बनाने के लिए इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, तो इसे अराजकता फैलाने की कोशिश ही कहा जाएगा। आखिर

देश में मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने की यह प्रक्रिया कोई पहली बार तो हो नहीं रही, अलबत्ता यह तो ऐसी प्रक्रिया है, जो समय-समय पर होती रहनी चाहिए। चुनाव आयोग ने उचित ही इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित राज्यों से इस बाबत विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, ताकि अगर किसी स्तर पर कोई तकनीकी या अन्य तरह की चुनौती सामने आ रही हो, तो उसका निराकरण किया जा सके। इसमें संदेह नहीं होना चाहिए कि मतदाता सूची की सफाई सभी के हित में है। कुछ विरोध स्वाभाविक है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ठीक से संचालित होने का अवसर ही न दिया जाए, तो यह कहां तक उचित होगा।

कर्नाटक का किला बचाने की चुनौती

कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि 2018 में जीते गए तीनों बड़े राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ आखिरकार पार्टी की रणनीतिक भूलों तथा फैसलों में जड़ता के कारण ही हाथ से निकल गए थे। अब कर्नाटक में चल रही खींचतान में वह अपनी पुरानी गलती दोहराती दिख रही है।

बिहार चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद अब पार्टी कर्नाटक में आंतरिक संकट से जूझ रही है। बड़े राज्यों में फिलहाल कर्नाटक ही ऐसा एकमात्र राज्य है, जहां कांग्रेस सत्ता में है और इस समय वह यहां भी अपने विजयी दुर्ग को बचाने के लिए संघर्षरत है। संकट की जड़ में हैं मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच की प्रतिद्वंद्विता। शिवकुमार के समर्थक इस समय सिद्धरमैया की जगह अपने नेता को मुख्यमंत्री के पद पर देखना चाह रहे हैं।

यह बात छिपी नहीं है कि डाई में पार्टी को बहुमत दिलाने में साल पहले राज्य विधानसभा चुनावों सबसे अहम भूमिका शिवकुमार ने ही निभाई थी। उस समय पार्टी हलकों में भी शिवकुमार का ही मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा था। स्वयं शिवकुमार भी यही उम्मीद लगाए हुए थे। लेकिन यहां पर भी वैसा ही वरिष्ठता का खेल खेला गया, जो इससे पहले 2018 में मध्य प्रदेश और राजस्थान में खेला गया था। वरिष्ठता के आधार पर कर्नाटक में भी सिद्धरमैया के नाम पर मुहर लगा दी गई। वरिष्ठ होने के अलावा जातिगत समीकरण भी सिद्धरमैया के पक्ष में गए। वह पिछड़े तबके से आते हैं, जबकि शिवकुमार अगड़े वर्ग से।

बेशक, डीके शिवकुमार कर्नाटक में एक स्वाभाविक पसंद हो सकते हैं, लेकिन पार्टी हाईकमान के सामने एक दूसरी तरह की उलझन भी है। राहुल गांधी लंबे अरसे से, खासकर लोकसभा चुनावों से, सामाजिक न्याय और पिछड़ों को सम्मान देने की बात करते आ रहे हैं। दुविधा यह है कि इस वक्त कांग्रेस शासित अन्य दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री-हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना में रेवंत रेड्डी अगड़ी जातियों से आते हैं। ऐसे में, कर्नाटक में भी इसी श्रेणी के व्यक्ति को सत्ता देना कांग्रेस की घोषित राजनीति को कमजोर कर सकता है। इस वजह से भी निर्णय लेना जटिल हो गया है। परंतु कांग्रेस हाईकमान को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 2018 में जीते गए तीनों बड़े राज्य मध्य प्रदेश,

राजस्थान और छत्तीसगढ़ आखिरकार पार्टी की रणनीतिक भूलों तथा फैसलों में जड़ता के कारण ही हाथ से निकल गए थे। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया केवल इस वजह से कमलनाथ के खिलाफ बगावत करके भाजपा में चले गए, क्योंकि उन्हें वादे के अनुरूप मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया था। परिणाम यह निकला कि आज मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपने इतिहास के सबसे बदतर दौर से गुजर रही है। यही हाल राजस्थान में भी हुआ। वहां सचिन पायलट मुख्यमंत्री के स्वाभाविक दावेदार थे, लेकिन वरिष्ठता के आधार पर अशोक गहलोत को तरजीह दी गई। इसके बाद भी सचिन से लगातार वादे किए जाते रहे, जो खोखले ही साबित हुए और अंततः अगले चुनावों में राजस्थान भी कांग्रेस के हाथों से छिटक गया। छत्तीसगढ़ में भी यही पैटर्न दोहराया गया। टीएस सिंहदेव को भरोसा दिया गया था कि ढाई साल बाद मुख्यमंत्री की बारी उनकी होगी, लेकिन आलाकमान के आशीर्वाद से भूपेश बघेल ही पूरे पांच साल तक कुर्सी पर डटे रहे। इस वजह से सिंहदेव के गढ़ सरगुजा में कांग्रेस काफी नुकसान में रही और नतीजतन छत्तीसगढ़ में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

कर्नाटक को लेकर कांग्रेस में एक अंतद्वंद्व की स्थिति नजर आती है। डीके शिवकुमार न केवल संपन्न व्यक्ति हैं, बल्कि राजनीतिक रूप से प्रभावी और प्रतिभाशाली भी। वह करीब 63 साल के हो चुके हैं और

उन्हें व उनके समर्थकों को लगने लगा होगा कि आखिर अब नहीं तो कब? उन्हें आश्वासन दिया जा रहा है कि छह महीने बाद असम, केरल और पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उस वक्त उनके पास दो साल का वक्त होगा और उनसे उम्मीद होगी कि वह वहां अच्छा शासन कर अगले चुनावों में पार्टी को जनादेश दिलवाएं। लेकिन इसे लेकर शिवकुमार के समर्थक आश्वस्त नहीं हैं।

कर्नाटक की स्थिति को और पेचीदा बनाता है एक तीसरा एंगल, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से जुड़ा हुआ है। खरगे कर्नाटक से आते हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि स्वयं खरगे भी मुख्यमंत्री बनने में रुचि रखते हैं। पिछले करीब पचास साल से राजनीति में सक्रिय रहे खरगे कई पदों पर रह चुके हैं, लेकिन अपने ही गृह प्रदेश में मुख्यमंत्री की कुर्सी उनसे हमेशा दूर ही रही। पिछले दो दशक में तीन या चार बार ऐसे मौके आए भी, जब वह इस कुर्सी के काफी नजदीक पहुंच चुके थे। लेकिन जातीय समीकरण या राजनीतिक वजहों से मल्लिकार्जुन खरगे मुख्यमंत्री नहीं बन पाए और इसका उन्हें हमेशा से मलाल भी रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री बनने की एक दबी हुई इच्छा उनमें हमेशा से रही है और आज 80 प्लस होने के बाद भी वह चाहत खत्म नहीं हुई है। हालांकि, यह अजीब बात होगी कि एक राष्ट्रीय पार्टी का अध्यक्ष एक राज्य का मुख्यमंत्री बन जाए।

इसी उथल-पुथल के बीच अब कई अन्य नेताओं की महत्वाकांक्षाएं भी जाग उठी हैं। कइयों को लगता है कि %दो की लड़ाई% में सत्ता संभालने का मौका उनके हाथ आ सकता है। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पहले ही दलित कार्ड चल दिया है, जिससे सियासी समीकरण और जटिल हो गए हैं। ऐसे में, सिद्धरमैया को हटाकर सीधे शिवकुमार को सत्ता सौंपना कांग्रेस हाईकमान के लिए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से आसान नहीं होगा।

दरअसल, कांग्रेस की सबसे बड़ी खामी यह है कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र और पारदर्शिता का अभाव है। लेकिन अब भी ज्यादा देर नहीं हुई है। पार्टी को चाहिए कि किसी निष्पक्ष वरिष्ठ पर्यवेक्षक, जैसे सचिन पायलट या प्रियंका गांधी को कर्नाटक भेजे, ताकि विधायकों की खुलकर राय ली जा सके और उसका परिणाम सार्वजनिक किया जाए। इससे न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप भी थमेंगे और अंततः जो भी फैसला होगा, वह सबको स्वीकार्य होगा। कांग्रेस यदि चाहे तो यह चीज भाजपा से भी सीख सकती है। वहां कठिन फैसले लेना भी इसलिए आसान होता है, क्योंकि आंतरिक लोकतंत्र का एक सुव्यवस्थित ढांचा दिखाई देता है।

-रशीद किदवई,वरिष्ठ पत्रकार

जीवन धारा

विक्टर फ्रैंकल

हम दर्द से नहीं टूटते, बल्कि हम बिना उद्देश्य के दर्द से टूटते हैं। जब हमें पता होता है कि क्यों जीना है, तब कैसे जीना है, इसका मार्ग अपने आप नजर आने लगता है।

असली जंग भीतर उठने वाले तूफानों से होती है

मानव जीवन में सबसे बड़ी जंग बाहरी दुनिया की कठिनाइयों से नहीं, बल्कि भीतर उठने वाले तूफानों से होती है। बाहरी दुनिया, उसकी घटनाएं, उसकी परिस्थितियां अक्सर हमारे नियंत्रण से परे होती हैं। जीवन बार-बार हमें ऐसी स्थितियों में डालता है, जहां हमारी शक्ति, हमारे साधन, यहां तक कि हमारा धैर्य भी जवाब देने लगता है। परंतु मानव होने का अर्थ ही यह है कि हम उन परिस्थितियों से ऊपर उठने की क्षमता रखते हैं, जो जिंदगी में सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती हैं। बाहरी स्थितियां कभी-कभी हमारी सीमाएं बेशक तय कर सकती हैं, लेकिन यह निर्णय हमेशा हमारा होता है कि हम उन परिस्थितियों के प्रति कैसा दृष्टिकोण अपनाते हैं। मेरे जीवन में एक समय ऐसा भी आया, जब हर सुबह यह निश्चित नहीं होता था कि मुझे अगला सूर्योदय देखने का अवसर मिलेगा या नहीं। परंतु उसी गहरे अंधकार में एक अनोखी रोशनी भी जन्मी, जिसने मेरे भीतर के भय को तोड़ा। मैंने महसूस किया कि मनुष्य की सबसे बड़ी आजादी होती है उसकी अपनी प्रतिक्रिया चुनने की आजादी। भले ही वह छोटी क्यों न हो, पर उसका प्रभाव महान होता है, जो जीवन की हर परिस्थिति में अर्थ खोज सकता है, और इसी खोज में ही व्यक्ति का हौसला कठिनाइयों से मजबूत बन जाता है। मैंने जाना है कि दुख मनुष्य को उसकी गहराइयों से भी परिचित कराता है। जब बाहरी दुनिया हमारे हाथों से फिसल जाती है, तब हमारे भीतर एक नई दुनिया जन्म लेती है, जहां अर्थ, उद्देश्य और स्वतंत्रता की खोज शुरू होती है। कठिनाइयों में एक क्षण ऐसा भी आता है, जब हमें लगता है कि अब कुछ भी संभव नहीं। परंतु इसी पल एक और आवाज उठती है, जो कहती है कि तुम्हें परिस्थिति नहीं, बल्कि तुम्हारा चुनाव परिभाषित करेगा। विपरीत हालातों में भी मैंने अपने भीतर का विश्वास नहीं खोया, क्योंकि जीवन हमसे %तुम्हें क्या चाहिए?% से ज्यादा %तुम इसे पाने के बाद क्या बनोगे?% के बारे में सवाल पूछता है। जैसे अंधकार में जलती एक छोटी-सी लौ, जो पूरा कमरा रोशन तो नहीं करती, पर विश्वास जगाती है कि रोशनी संभव है, ठीक वैसे ही परिस्थिति बदलना मुमकिन हो या न हो, पर अपनी सोच, दिशा और शक्ति को बदलना हर बार संभव है। जो व्यक्ति अपने कष्ट को अर्थ देना सीख जाता है, वह उसे पार करने की शक्ति भी पा लेता है। हम दर्द से नहीं टूटते, बल्कि हम बिना उद्देश्य के दर्द से टूटते हैं। जब हमें पता होता है कि क्यों जीना है, तब कैसे जीना है, इसका मार्ग अपने आप नजर आने लगता है। जिस व्यक्ति को जीवन का अर्थ नहीं मिलता, वह क्षणिक आनंदों में उलझा रहता है। पर जिसे उद्देश्य मिल जाता है, वह कठिन राहों पर भी डटा रहता है, क्योंकि उद्देश्य ही मनुष्य को सहन करने की ताकत देता है और संघर्ष को सार्थक बनाता है।

सूत्र - परिस्थिति नहीं, सोच को बदलें

जब हम अपने दुखों व चुनौतियों को अर्थ देते हैं, तभी अपनी असली ताकत पहचान पाते हैं। जीवन हर परिस्थिति में अर्थ खोजने की एक यात्रा है, और उससे ही हमें प्रेरणा मिलती है। जिसे अपने जीवन का अर्थ मिल जाता है, वह किसी भी चुनौती का सामना आसानी से कर सकता है। इसलिए, परिस्थिति को कोसने के बजाय अपनी सोच को बदलें।

हर गतिविधि पर है भगवान राम की नजर

अयोध्या की पावन धरा पर बने भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आज भगवा ध्वज लहरा गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने शुभ मुहूर्त में 25 नवम्बर 25 को ध्वजारोहण किया, ऐ भारत के लिए गर्व की बात है । लेकिन इसका श्रेय भगवान राम को ही जाता है क्योंकि उनकी शक्ति से ही संसार चल रही है । गोस्वामी तुलसीदासजी ने भगवान राम की कृपा ही बताई है, जिन्होंने रामचरितमानस की रचना की जिससे हर घर में भगवान श्री राम के प्रति अपार आस्था प्रकट हुई गोस्वामी तुलसीदास अपने जीवनकाल से लेकर आजतक भारतीय जनमानस पर एकछत्र राज करते आ रहे हैं। तुलसी मात्र कवि ही नहीं हैं अपितु उनका स्थान हिन्दू संस्कृति के रक्षक, त्राता और उद्धर्ता के रूप में महत्वपूर्ण है। नैतिक विषयों पर धर्मशास्त्र का क्या कहना है, हम भारतीयों में यह चिंता अधिक नहीं है। हम प्रत्येक विषय पर तुलसी की राय जानना चाहते हैं और उसे प्रायः उद्धृत भी करते हैं। तुलसी के संपूर्ण साहित्य में कहीं रंच भर भी प्रमाण नहीं है कि मुसलमानों पर उन्हें तनिक भी क्रोध या आक्रोश था। उनका सम्मान दोनों ही धर्मों के लोग करते थे। रहीम ने तो कुछ दोहों की रचना कर यह स्वीकार किया कि रामचरितमानस हिन्दू के लिए वेद और मुसलमानों के लिए कुरान है। हिन्दुआन को वेद सम , तुरुकहिं प्रगट कुरान । मूलभूत तथ्य यह है कि तुलसी निराकारवादियों के कट्टर विरोधी थे । हिन्दू समाज के भीतर रहकर जो लोग जनता को यह सिखाते थे कि मंदिरों में जाना व्यर्थ है, व्रत रखने से पुण्य नहीं होता और साकार की उपासना आंधविश्वासी मनुष्य करता है, ऐसे तत्वों के वे प्रबल विरोधी थे। एक दिन कोई अलख निरंजन की पुकार लगानेवाला फकीर उनके दरवाजे पर पहुँचा और अलख अलख का नारा लगाने लगा। तुलसी ने क्रोधित होकर कहा .... तुलसी अलख को देख चुका है, तू रामनाम का जप कर! हम लख हमहिं हमार लख, हम-हमार के बीच, तुलसी अलखहिं का लखै, राम नाम जपु नीच।। तुलसी नाथ-पंथियों और गोरख-पंथियों के भी विरुद्ध थे क्योंकि उनका विचार था कि इससे परंपरा कमजोर होती है और जनता का हृदय शून्यता से भरता जाता है। एक जगह उन्होंने लिखा कि गोरख ने ऐसा अलख जगाया कि लोगों की भक्ति भाग गई। गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग चित्रकूट के घाट पर तुलसीदास ने मुफ्त का चंदन जितना भी घिसा हो, एक बात तो सार्वभौम सत्य है कि वे सन्त थे। उनकी रचना रामचरितमानस जैसा जीवन-विवेक और नीति-बोधवाला ग्रंथ विश्वसाहित्य में अनुपम है। एक-एक चौपाई और दोहे जीवन की हर परिस्थिति में विवेकपूर्ण और व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता की शिक्षा देता है। कबीर और तुलसी में फर्क है। तुलसी में नम्रता बहुत थी, इससे पता चलता है कि वे भी दुष्टों द्वारा सताए गए थे। बालकांड के आरंभ में ही वे सर्वप्रथम खलों और असंतों की लंबी वंदना करते हैं। वाणी और विनायक के स्मरण के पश्चात् वे तुरंत लिखते हैं....... बन्दौं प्रथम खलजन सतभाये। जे बिनु काज दाहिने - बाएँ ।। दुष्टों की प्रकृति का अद्भुत वर्णन है इस अंश में। चरम बिन्दु यह है ...... *पर अकाज लगि तन परिहरहीं *जिमि हिम उपल कृषी दल गरहीं।।* दुष्ट दूसरों का काम बिगाड़ने के लिए अपने प्राण दे देते हैं, जैसे ओला खेती का नाश करने के लिए अपने को गला देता है। एक किंवदन्ती है कि तुलसी के इस मृदुल स्वभाव को देखते हुए एक दुष्ट उनकी कुटिया के बाहर खड़ा हो कर उन्हें देर से गरिया

रहा था।आखिर तुलसीदास लाठी लेकर उसे मारने दौड़े। उसने कहा--- रुकिए, आप मुझे नहीं मार सकते, आपने तो लिखा है कि *बूँद अघात सहहिं गिरि ऐसे।* *खल के वचन संत सह जैसे।।* आप कैसे संत हैं जो लठियाने पर तुले हैं ? तुलसी ने उसको छरपिटाने के बाद कहा --- मैंने ये भी तो लिखा है .... *अतिशय रगड़ करै जो कोई।* *अनल प्रगट चंदन तें होई ।।* मूलद्गसमस्या ये है कि तुलसी को कोई पढ़ता नहीं है, वे अब उदाहरण हो गए हैं, संत सब कोई और हैं ! साधु-संत अब गिरि कंदराओं में नहीं संसद के गलियारों में पाए जाते हैं। और जो अपनी साधना और सत्यनिष्ठा से संतत्व की प्राप्ति किए हुए हैं, उन्हें वो भक्त मानते ही नहीं हैं। राइस मिल से निकले चावल को *अक्षत* मानकर लहालोट होनेवाला वर्ग आज भगवान राम से बड़ा धर्मज्ञाता बन बैठा है। वर्तमान परिस्थिति यह है *हरित भूमि तृण संकुल सूझ परहिं नहिं पंथ।* *जिमि पाखंड विवाद तें, लुप्त होहिं सद् ग्रंथ।।* *बस्स्स्स.......!* भावार्थ. पृथ्वी घास से परिपूर्ण होकर हरी हो गई है, जिससे रास्ते समझ नहीं पड़ते। जैसे पाखंड मत के प्रचार से सद्ग्रंथ गुप्त (लुप्त) हो जाते हैं।राम को समझने के लिए भगवान राम के विचारों पर चलना आवश्यक है अतः राम मंदिर और ध्वजारोपण करना बहुत ही अच्छी बात है लेकिन भगवान राम को समझना एक टेढी खीर है उस कृपानिधि, संसार के मालिक राम कभी कट्टरवादी नहीं हैँ वो तो एक विचार है। हमें कट्टरवादी नहीं, उदारवादी होना चाहिए। कट्टर शब्द से मनुष्य अहंकारी हो जाता है और भगवान राम को अहंकार व्यक्ति नहीं चाहिए उदारवादी होना चाहिए एक इसका छोटा सा उदाहरण लें जब आम आदमी पार्टी की सरकार में जब केजरीवाल की सरकार दिल्ली में थी तो पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर कहा था वो एक कट्टर ईमानदार हैं,ऐ बात ही घमंड की तरफ इशारा करता है। बाद में उसकी सरकार हाथ से निकल गई काश संयम से काम लिया होता अतः भगवान राम का पताका हर जगह लहराना चाहिए लेकिन वो क्या चाहते हैँ और आप की हर गतिविधियों पर उसकी नजर है।अतः इसे राजनीति रंग में नहीं बल्कि सहृदय भगवान राम का ध्यान कर उसे जानने की कोशिश करे, परमार्थ, सेवा, अहिंसा और गरीबों के कल्याण से आपका कल्याण अवश्य होगा।अतः हर गतिविधि पर है भगवान राम की नजर है, और सच्ची श्रद्धा के लिए तपना होगा कर्म करना और सेवा करने से ही भगवान राम उसका फल देंगे क्योंकि वो कण कण में हैँ सब के दिल में और और अंतर्यामी है।

-संजय गोस्वामी

मुद्दा

अब रुकने की जरूरत है

शादियों के बदलते तौर-तरीके और बनावटी चमक-धमक में यह नहीं भूलना चाहिए कि सादगी तथा विवेक ही सच्ची समृद्धि हैं।

श, समाज और हमारे आसपास वक्त के साथ बहुत कुछ बदल गया है। शादियों के तौर-तरीके भी बदल गए हैं। अब वैवाहिक समारोह परंपरा और षोडश संस्कार का हिस्सा न रहकर इवेंट में तब्दील होते जा रहे हैं। शादियां कभी हमारे घर-आंगन की रौनक होती थीं। गली में मंडप लगता, मोहल्ले के लोग और रिश्तेदार बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते। वक्त बदला, तो मैरिज पैलेस आए। इससे लगा कि परंपरा अब आधुनिकता से हाथ मिलाएगी। लेकिन वक्त तो और भी आगे बढ़ता चला गया और शादियां अब घरों व मैरिज पैलेसों से निकलकर शहर से दूर-दराज के महंगे रिसॉर्टों की चाहरदीवारी में पहुंच गई हैं। शादी के दो दिन पहले परिवार के साथ ही कई मेहमान भी रिसॉर्ट में शिफ्ट हो जाते हैं।

शादी के कार्यक्रमों को तरतीब देते हुए पहले से ही तय हो जाता है कि किसको सिर्फ लेडीज संगीत में बुलाना है, किसे रिसेप्शन में, किसे कॉकटेल पार्टी में और किसे सभी कार्यक्रमों में। कुछ शहरों में तो यह भी देखने में आया है कि बड़े बंगलों में रहने वाले लोग सौ गज या उससे कम के घरों में रहने वालों (भले कितने भी घनिष्ठ हों) को शादियों में बुलाते ही नहीं। आमंत्रण की इस पैमानेबाजी से शादियों में अपनेपन की भावना लगभग खत्म हो चुकी है। शादियां अब एक तरह के फूहड़ प्रदर्शन का दौर बन चली हैं। महिला संगीत होना है, तो परिवार को नाच सिखाने वाले महंगे कोरियोग्राफर बुलाए जाते हैं। मेहंदी लगाने के लिए आर्टिस्ट आते हैं। इस दिन के लिए हरे कपड़ों का ड्रेस कोड है, जबकि हल्दी की रस्म के लिए पीला परिधान पहनना जरूरी है। ऐसा न करने वालों को हिकारत भरी नजरों से देखा जाता है। शादी समारोह में मंगल गीतों की जगह फूहड़ गानों का चलन हो गया है। इसके अलावा, फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर कार्यक्रमों का मजा खराब कर देते हैं। वे हर रस्म का रीटेक कर-कर के बची-खुची रीतियों का मखौल उड़ाते हैं। दुख तो तब होता है, जब फेरों की रस्म के दौरान फोटोग्राफर व वीडियोग्राफर पवित्र मंत्र पढ़ रहे पंडित को रोक देते हैं। वहीं, अक्सर विवाह की सप्तपदी के दौरान कई लोग यह कहते नजर आते हैं कि पंडित जी थोड़ा शॉर्ट कट में करो। अब बारी है रिसेप्शन की। पहले वरमाला परिवारों के परस्पर मिलन, अपनेपन और हंसी-ठिठोली के बीच होती थी। आजकल दल्हा-दुल्हन को धुएं की मशीनों और नकली आतिशबाजी के बीच अकेला छोड़ दिया जाता है और इसके बीच ही वे फिल्मी अंदाज में एक-दूसरे को वरमाला पहनाते हैं। इसके साथ ही स्टेज के पास एक स्क्रीन लगाकर उसमें प्री-वेडिंग शूट की निर्लज्जता की हद तक शूट की गई वीडियो चलती रहती है। सबसे बड़ी बात यह है कि वरमाला कभी सनातन विवाह संस्कृति का हिस्सा नहीं रही है। यह तो राजा-महाराजाओं की परंपरा थी। लेकिन यह परंपरा आज हमारी सनातनी शादियों में सात फेरों से भी प्रमुख हो गई है। परंपरा के मुताबिक वरमाला के बाद फेरों का कोई औचित्य नहीं रह जाता है, लेकिन यह कोई समझने को तैयार नहीं। बहरहाल, जो परंपराएं कभी सादगी, मर्यादा और मंगल कामनाओं से जुड़ी थीं, वे सब अब भोंडी और निर्लज्ज प्रदर्शन बन चली हैं। पहले बरातियों को जनवासे में और घराती, नाते-रिश्तेदारों को घर पर ही या पास-पड़ोस के घरों में रुकवाया जाता था। सब आपस में घुलते-मिलते थे। इससे संबंधों में और प्रगाढ़ता आती थी। लेकिन अब रिसॉर्ट में प्रत्येक परिवार अलग-अलग कमरे में ठहरता है। न किसी को बरसों बाद किसी नए से मिलने की चाह और न रिश्तेदारों से बात करने की उत्सुकता। हजारों वर्षों से चली आ रही हमारी सभ्यता को दूषित करने का बीड़ा ऐसे ही तथाकथित आधुनिक और संपन्न वर्ग के लोगों ने उठा रखा है। मांगलिक कार्यों में मांस-मदिरा (राक्षसी वृत्तियों) का चलन बढ़ गया है। शनैः शनैः मध्यम वर्ग भी इस कुप्रवृत्ति से जुड़ता जा रहा है।

सुरेंद्र बांसल

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का मुख्य सूचकांक सेंसेक्स 1,022.50 अंक बढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 320.50 अंक बढ़कर 26,205.30 पर बंद हुआ। आज दौरान कारोबारी सत्र में जबरदस्त तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 763.70 अंक बढ़कर 61,061.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 241.55 अंक उछलकर 17,971.85 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी और एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर गिरे हालांकि सभी सेक्टर्स में तेजी देखी गई। आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटीज,

पीएसई और ऑयल एवं गैस में सबसे अधिक बढ़त रही व्यापक बाजार में भी काफी तेजी देखी गई। बीएसई पर 2,802 शेयर हरे निशान में जबकि 1,369 शेयर लाल निशान में और 154 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार जानकारों ने कहा कि घरेलू बाजारों में आज अच्छी बढ़त रह। इसका कारण वैश्विक बाजारों से अच्छे संकेत और फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावना का समर्थन रहा है। इसके अलावा, कच्चे तेल में एक फीसदी की गिरावट से भी प्रभाव पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। अमेरिकी और एशियाई बाजारों में आई तेजी से सेंसेक्स सुबह 270.35 अंक की बढ़त के साथ 84,857.36 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 84.25 अंक की बढ़त के साथ 25,969 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में तेजी लगातार तीसरे सत्र भी जारी रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। जापान का निक्केई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 2 फीसदी की मजबूती के साथ प्रमुख एशियाई इंडेक्सों में सबसे आगे रहे। उधर, अमेरिकी शेयर बाजारों में वॉल स्ट्रीट भी बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 और नैस्डैक क्रमश: 0.91 और 0.67 फीसदी ऊपर बंद हुए।

भारत में दूध की खपत में बदलाव, पर परंपरा बरकरार- रिपोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी। हालिया अध्ययन के अनुसार, हर 10 में से 7 भारतीय अब भी नियमित रूप से दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन करते हैं। एक शोध फर्म द्वारा तैयार भारत दूध-उपभोग निष्कर्ष 25-26 में यह जानकारी सामने आई। अध्ययन में दिखाया गया कि पारंपरिक दूध पीने की आदतें अब स्मूदी, प्रोटीन शेक और फ्लेवर वाले दूध की ओर बढ़ रही हैं। 58 प्रतिशत उपभोक्ता केसर या बादाम जैसे स्वाद वाले दूध को पसंद कर रहे हैं, जबकि 51 प्रतिशत लोग इसे स्मूदी में मिलाकर पीते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि चाय और कॉफी अब भी दूध के प्रमुख माध्यम हैं, जहां 59 प्रतिशत प्रतिभागी दूध का सेवन इन पेयों के जरिए करते हैं। वहीं 52 प्रतिशत लोग बचपन की यादों के कारण सादा दूध पीना जारी रखते हैं। 64 प्रतिशत माता-पिता मानते हैं कि बच्चों की दूध खपत कम होने से हड्डियों की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। 54 प्रतिशत का कहना है कि बच्चों की शारीरिक वृद्धि पिछली पीढ़ी की तुलना में धीमी है। बच्चों को दूध देना जारी रखने वाले माता-पिता कैल्शियम और प्रोटीन-ऊर्जा को प्राथमिकता देते हैं। 64 प्रतिशत परिवार ब्रांडेड पैकेट दूध खरीद रहे हैं, जबकि खुला दूध केवल 21 प्रतिशत घरों में जाता है। पौधा-आधारित दूध (बादाम और सोया) का हिस्सा अब 12 प्रतिशत तक पहुंच गया है। ब्रांडेड दूध की पसंद में गुणवत्ता, स्वाद व बनावट और सुविधा मुख्य कारण हैं। दही, पनीर और मक्खन अब भी नियमित रूप से घरों में इस्तेमाल होते हैं।

वित्त मंत्री ने सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक राजकाज पर दिया जोर

नई दिल्ली एजेंसी। वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकारी कार्यप्रणाली को सरल, पारदर्शी और लोगों के लिए सुविधाजनक बनाना आवश्यक है। उन्होंने यह बात कंपनी पंजीयकों और क्षेत्रीय निदेशालयों के कामकाज की समीक्षा करते हुए कही। मंत्री ने कहा कि यह कदम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण है। उनका मानना है कि प्रक्रियाओं की सरलता और व्यवस्था में पारदर्शिता आम जनता के लिए सरकारी सेवाओं को सुलभ बनाएगी। सीतारमण ने दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) जैसे कानूनी सुधारों का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत बदलते समय के साथ कदम मिला रहा है। उन्होंने कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए लाइव डैशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया। इसका उद्देश्य जनता तक कानूनी जरूरतों की जानकारी प्रभावी और समय पर पहुंचाना है। मंत्री ने जोर दिया कि मंत्रालय को सभी हितधारकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने कंपनी पंजीयकों और क्षेत्रीय निदेशालयों के साथ विस्तार से चर्चा की। इसमें फॉर्म प्रसंस्करण, तेज गति से विलय, कंपनी और एलएलपी के पंजीकरण या स्वैच्छिक बंदी, ई-गवर्नेंस, जांच-पड़ताल, अभियोजन और अपील की प्रक्रिया जैसे विषय शामिल थे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम और नियमों में समय-समय पर आवश्यक संशोधन किए हैं। इससे पारदर्शी वित्तीय जानकारी देने में मदद मिली है और जनता का भरोसा बढ़ा है। साथ ही कंपनियों को सही मार्गदर्शन और नियमन देकर उनके शासन ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने बताया कि मंत्रालय ने प्रवर्तन से जुड़े नियमों को एक समान किया है और प्रक्रियाओं को सरल तथा समयबद्ध बनाया जा रहा है। इससे कारोबारी सुगमता बढ़ेगी और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। मॉग के अभाव में बुधवार को चना बाजार घटाकर बोले गये। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में भाव बने रहे। तिलहनों में सरसो में मॉग अटकने से बाजार टिके रहे। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली अटकने से बाजार मंदी के रहे। चना 50 रू. प्रति क्विंटल घटाकर बोला गया। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में भाव बने रहे। तिलहनों में सरसो में मॉग अटकने से बाजार पूर्व स्तर पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4180, खोपरा गोला 300-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3000, (160) 2900-3000, (200) 3200-3400, (250) 3500-3700

तेल- सींगदाना 1430-1450, मुम्बई 1460, राजकोट तेलिया 2430, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1230-1240, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1400-1425, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 4800-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 160000, चॉंदी (99) 159500, टंच 159000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 129500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पेसे की गिरावट के साथ ही 89.24 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में गिरावट से उभरते हुए हल्की बढ़त दर्ज करने में सफल रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाज़ार में रुपया 89.24 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती मिनटों में 89.26 तक कमजोर हुआ। हालांकि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और शेयर बाज़ार में मजबूती के कारण रुपये को सहारा मिला और यह संभलकर 89.20 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले दिन की तुलना में दो पैसे की बढ़त है, जब मंगलवार को रुपया 89.22 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.02 फीसदी गिरकर 99.56 फीसदी पर आ गया।

मेष- आज का दिन प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए बढिया रहने वाला है, उनके साथी से रिश्ते बेहतर रहेंगे। दोनों की बॉन्डिंग बहुत अच्छी होगी, लेकिन बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव रहने से आज आप थोड़ा परेशान भी हो सकते हैं। आप अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। व्यापार में भी आपकी कोई अच्छी डील फाइनल होगी। आपकी मेहनत रंग लाएगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आप किसी नए घर की खरीदारी कर सकते हैं। आप अपनी जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। सामाजिक कामों में आपको अच्छी सफलता हासिल होगी और एक नई पहचान मिलेगी।

मिथुन- आज आप अपनी प्रतिभा दिखाकर कार्यक्षेत्र में लोगों को हैरान करेंगे। रचनात्मक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी और आपकी कला में भी निखार आएगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

कर्क- आज आपके मन में उलझनें रहने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आर्थिक मामलों को लेकर आपको कोई निर्णय थोड़ा सोच समझकर लेना होगा। पारिवारिक वाद-विवाद आपकी समस्याओं को बढ़ाएंगे। आप अपनी माताजी से किए हुए वादे को पूरा करेंगे। सरकारी काम यदि अटका हुआ था, तो उसे भी पूरा करने के लिए समय निकालेंगे। आपको अपनी आवश्यकताओं के अनुसार खर्च करना बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। नौकरीपेशा जातकों को अच्छे कामों से प्रोत्साहन मिलेगा। आपको शेयर मार्केट आदि में धन लगाना बेहतर रहेगा। आप अपने प्रत्येक कामों को समय से करने की कोशिश करेंगे। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपको उनके मन में चल रही उलझनों को भी दूर करने का मौका मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए समझदारी से काम करने के लिए रहेगा, इसलिए आपको पार्टनरशिप थोड़ा देखकर करनी होगी। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, जो आपको खुशी देगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सचेत रहना होगा। आप अपने जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें, क्योंकि उनके खोने या चोरी होने की संभावना बनती दिख रही है। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला चुकता होगा।

तुला- आज के दिन आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आप अपने इनकम को बढ़ाने की जरूरतों पर पूरा ध्यान देंगे। कोई धन से संबंधित मामला आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है। आपका किसी हो पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है, जो विद्यार्थी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आप किसी दूसरे पर अपने कामों को लेकर डिपेंड न रहें, नहीं तो आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं और संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, लेकिन आपको अत्यधिक मेहनत के कारण थकान का अनुभव होगा। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण थोड़े परेशानी में आ सकते हैं। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचें।

धनु- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर उत्साहित रहेंगे। प्रेम संबंधों की नई शुरुआत होगी। जो आपके लिए अच्छी रहेगी, लेकिन आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर टेंशन में आ सकते हैं और आप नियमित प्रयास करते रहें, इसलिए योग और व्यायाम का सहारा अवश्य लें ताकि आप स्वस्थ रह सकें।

मकर- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। यदि कोई पुरानी बीमारी फिर से आपको समस्या दे रही थी, तो उसमें आपको सुधार लाने की कोशिश करनी होगी। पारिवारिक जीवन में तालमेल बनकर चलना होगा। आपको अपने कामों को धैर्य और संयम से निपटाने की आवश्यकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामाजिक कामों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। प्रेम संबंधों में यदि कटुता चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से बढ़िया रहने वाला है। जीवनसाथी और आप एक दूसरे के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे, जिससे दोनों एक दूसरे की कमियों को स्वीकार करके एक दूसरे के साथ अपने रिश्ते में आगे बढ़ेंगे। नौकरी में आपको कुछ काम को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी आपके किसी जूनियर की मदद से दूर होती दिख रही है। भाग्य का दृष्टिकोण आप पर बना रहेगा, इससे आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

शब्दजाल - 8092

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अल्मोडा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल, हरिद्वार, नैनीताल, रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ढ्ढ	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	लं	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	पू	ग	ण	घ	म	
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	व	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल - 8091 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7036

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेंद्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अँखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़ी वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बाँसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7035

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.52 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	09.57 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.44 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.17 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.47 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.55 बजे से
राहुकाल		कन्या	01.07 बजे से
1.30 से 3.00		तुला	03.18 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	05.32 ब.से

गुरुवार 2025 वर्ष का 331 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 00.31 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 02.32 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 12.09 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.22 बजे तदनन्तर वणिज 00.31 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872541 **जूलियन दिन** 2461006.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सर्वव्यापक ईश्वर

एक व्यक्ति अपनी बेकारी से परेशान था। वह लगातार प्रयास कर रहा था पर उसे कोई काम नहीं मिल पा रहा था। उसकी इस हालत में उसके दोस्तों-रिश्तेदारों ने भी उसका साथ छोड़ दिया था। हालांकि इसके बावजूद वह व्यक्ति निराश नहीं था। उसकी यह दशा देखकर एक चोर को दया आ गई। चोर ने उस व्यक्ति से कहा, 'तुम मेरे साथ चलो, चोरी में मेरी मदद करो, बहुत धन मिलेगा। तुम्हारी हालत सुधर जाएगी।' काफी सोच-विचार के बाद वह बेकार व्यक्ति इसके लिए तैयार हो गया। उसने चोर साथी से कहा, 'मुझे चोरी करने की कला तो आती नहीं है, करूंगा कैसे?' चोर ने कहा, 'इसकी चिंता न करो, मैं सब सिखा दूंगा।' दोनों गांव से दूर खेतों की ओर चल दिए। चोर ने वहीं एक खेत से पके हुए अनाज काटने का मन बनाया। वैसे तो रात में उधर कोई रखवाली नहीं थी, तो भी चोर ने अपने नए साथी को खेत की मेड़ पर खड़ा कर दिया ताकि वह निगरानी करता रहे कि कोई देख तो नहीं रहा है। चोर स्वयं खेत काटने लगा। नए चोर ने थोड़ी ही देर बाद आवाज लगा दी, 'भाई, जल्दी करो, यहां से भाग चलो, खेत का मालिक पास ही खड़ा देख रहा है, मैं तो भागता हूं।' चोर खेत छोड़कर उठ खड़ा हुआ और भागने लगा। कुछ दूर जाकर दोनों खड़े हुए तो चोर ने साथी से पूछा, 'मालिक कहां था, कैसे देख रहा था?' साथी ने कहा, 'ईश्वर हम सबका मालिक है। इस संसार में जो कुछ है, उसी का है। वह हर स्थान पर मौजूद है और सब कुछ देखता है। मेरी आत्मा ने कहा कि ईश्वर यहां भी मौजूद है और हमारी चोरी को देख रहा है। ऐसी दशा में हमारा भागना ही उचित था।' चोर पर इस बात का ऐसा गहरा प्रभाव पड़ा कि उसने सदा के लिए चोरी करना छोड़ दिया। जल्दी ही दोनों को मन लायक काम भी मिल गया।

सूडोकु नवताल- 7345

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7344 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 8560

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8559 का हल

■	क	हा	नी	■	प	ती	ला	■
मा	ला	■	र	■	र	■	बा	दा
म	■	■	ब	र	दा	न	■	ला
ला	य	क	■	न	■	म	न	न
■	■	र	मी	■	रों	की	■	■
सू	र	त	■	आ	■	न	ग्न	र
री	■	ब	ह	का	ना	■	■	की
ला	ख	■	टा	■	ह	■	र	ब
■	र	बा	ना	■	क	ल	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

ठेकेदार की लापरवाही से किसान और स्कूली बच्चे परेशान

खतरनाक डायवर्सन बना मौत का कुआं

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम सावरी खुर्द को डोंगरगांव से जोड़ने वाली क्षतिग्रस्त पाइप पुलिया का निर्माण कार्य इन दिनों घोर लापरवाही का शिकार बना हुआ है। लंबे इंतजार के बाद शुरू हुआ यह निर्माण कार्य ठेकेदार की उदासीनता के कारण क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों के लिए आफत बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने पुलिया के पास न तो उचित डायवर्सन बनाया और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया। नतीजतन, मोटरसाइकिल तो दूर, साइकिल सवार भी जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। यह मार्ग बोधीटोला, डोंगरगांव, सावरी खुर्द, आसोलीटोला, बहेला, अमेड़ा, ठेमा सहित दर्जन भर गांवों का मुख्य संपर्क रास्ता है। रोजाना सैकड़ों स्कूली बच्चे इसी रास्ते से स्कूल आते-जाते हैं।

खेती के मौसम में किसानों की मुसीबत दोगुनी

इस समय धान की कटाई और पराली का काम जोरों पर है। फसल लाने-ले जाने में किसानों को भारी दिक्कत हो रही है। कई किसान तो ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर इसी डायवर्सन से गुजरने को मजबूर हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्कूली बच्चों में दहशत

छोटे-छोटे बच्चे स्कूल बैग लटकाए इस खतरनाक डायवर्सन को पार करते वक्त डर के साए में रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार बच्चे फिसलकर गिरते-गिरते बचे हैं।

सूचना बोर्ड तक नहीं, पारदर्शिता शून्य

नियमों के अनुसार हर निर्माण स्थल पर लागत, मद, ठेकेदार का नाम और समय-सीमा बताने वाला सूचना बोर्ड लगना अनिवार्य है, लेकिन यहां तो नाममात्र का सांकेतिक बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों को पता ही नहीं कि यह काम किस योजना से, कितने रुपए में और कौन कर रहा है।

ठेकेदार का बचाव पैसे नहीं हैं

जब पंचायत कर्मियों और ग्रामीणों ने ठेकेदार से उचित डायवर्सन बनाने की मांग की तो ठेकेदार ने बेशर्मी से कहा, ज्यादा फंड नहीं है, इसलिए कामचलाऊ डायवर्सन बना दिया है। ग्रामीणों ने सरपंच और ठेकेदार से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। अब लोगों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से गुहार लगाई है कि ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा तत्काल सुरक्षित डायवर्सन बनवाया जाए, वरना कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित विभाग तुरंत मौका मुआयना करे और दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करे, ताकि किसानों व मासूम बच्चों की जान को खतरा न बना रहे।

सीबीएसई संबद्ध पाली अकादमिक संस्थान में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया 76वाँ संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सीबीएसई संबद्ध पाली अकादमिक संस्थान में 26 नवंबर को 76वाँ संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने की, जबकि प्रबंधक श्री संजय चौरे एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन में पूरा आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:कालीन प्रार्थना सभा से हुई। छात्र-छात्राओं ने भारतीय संविधान के प्रणेता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद सभी ने एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे छात्रों द्वारा संविधान पर दिए गए ओजपूर्ण भाषण तथा कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों के बीच आयोजित संविधान आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संविधान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी जानकारी का प्रदर्शन किया। अंत में संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए संविधान के निर्माण की पूरी यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले 1895 में बाल गंगाधर तिलक ने संविधान सभा की मांग उठाई थी और 1938 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में यह मांग पुन: दोहराई गई। जुलाई 1946 में प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव से संविधान सभा के सदस्य चुने गए। देश के विभाजन के बाद सदस्यों की संख्या 389 से घटकर 299 रह गई थी, जिनमें 15 महिलाएँ भी शामिल थीं। श्रीमती वैद्य ने बताया कि संविधान सभा ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन की कड़ी मेहनत के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकृत किया। इसे 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू किया गया। मूल संविधान में 395

अनुच्छेद थे जो अब संशोधनों के बाद बढ़कर 448 हो चुके हैं तथा यह 25 भागों और 12 अनुसूचियों में विभाजित है। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती वर्ष 2015 में भारत सरकार ने 26 नवंबर को पहली बार औपचारिक रूप से संविधान दिवस घोषित किया और तब से प्रतिवर्ष यह दिवस देशभर में मनाया जा रहा है। संस्थान के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई।

देवलगांव में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन, रोशन इलेवन बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत देवलगांव स्थित माँ वंजारी स्टेडियम में 15 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को भव्य समापन हुआ। न्यू स्टार क्रिकेट क्लब गोविंदपुर के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में रोशन इलेवन ने न्यू स्टार क्रिकेट क्लब देवलगांव को एकतरफा मुकाबले में पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। फाइनल मैच में रोशन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 105 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में न्यू स्टार क्रिकेट क्लब की टीम महज 50 रन पर ऑलआउट हो गई। इस शानदार जीत के साथ रोशन इलेवन ने विजेता ट्रॉफी के साथ 10,000 रुपये नकद पुरस्कार जीता, जबकि उपविजेता न्यू स्टार क्रिकेट क्लब को 5,100 रुपये का पुरस्कार मिला। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सरपंच ऋषि पटेल (दशरिया), पूर्व जनपद सदस्य राजू मेंढे, राजू मस्करे, सरपंच श्रीमती पुष्पा कमलकिशोर ठाकरे, देवीलाल चौधरी (पूर्व जपस), भोजवंता ठाकरे (पूर्व जपस), मैत्रेय पब्लिक स्कूल संचालक प्रशांत मेश्राम सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिक एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए। आयोजन में हेमनिधी चौधरी, विजय ठाकरे, अजय कोहरे, उज्ज्वल चौधरी, प्रेम सोनवाने, विनय चौधरी, महेन्द्र चौधरी, कुलनिधी चौधरी, प्रवीण चौधरी, अभिषेक मेश्राम, लिखील चौधरी, वीर चौधरी, अनिरुद्ध सोनवाने, आर्यन चौधरी, राजवीर चौधरी, रोहित सोनवाने, देव चौधरी, ऋतिक कोहरे, नवीन उइके, राजेश्वर चौधरी, योगेन्द्र रहांगडाले एवं समाहरू लाल घोरमारे की सराहनीय भूमिका रही। अतिथियों ने सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल में हार-जीत लगी रहती है, लेकिन मेहनत और लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देने की सलाह दी।

जनपद सदस्य की बौखलाहट, हाईकोर्ट और कलेक्टर के आदेश के बाद भी पंचायत भवन निर्माण रोकने की साजिश, सरपंच ने कहा आरोप मनगढ़ंत

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथरगांव में अटल संसद भवन योजना के तहत 37.49 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए पंचायत भवन के निर्माण को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस संबंध में सरपंच अरूण कबीरे ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और जिला कलेक्टर के स्पष्ट आदेश के बावजूद जनपद सदस्य (क्षेत्र क्रमांक-10, ग्राम कलपाथरी) द्वारा सरपंच पर आर्थिक शोषण, अवैध वसूली और अनियमितता जैसे झूठे आरोप लगाकर ग्रामीणों को भड़काने और निर्माण कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम पंचायत पाथरगांव की सामान्य सभा ने 20 दिसंबर 2024 को सर्वसम्मति से खसरा नंबर 310 (रकबा 0.445 हेक्टेयर) पर नए पंचायत भवन के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया था। पुराना पंचायत भवन सड़क किनारे और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने होने के साथ-साथ उसके आसपास वर्षों से ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण वहां निर्माण संभव नहीं था। यह मामला पहले ही माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन था। रिट याचिका संख्या 07606/2025 में दिनांक 18 सितंबर 2025 को न्यायमूर्ति ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के आदेश दिए थे। न्यायालय के निर्देश पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी एवं जिला पंचायत बालाघाट ने स्थल निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी। कलेक्टर बालाघाट ने दोनों पक्षों को सुनने और सभी दस्तावेजों की जांच के बाद 17 नवंबर 2025 को स्पष्ट आदेश जारी करते हुए सरपंच ग्राम पंचायत पाथरगांव के पक्ष में निर्णय दिया और शासन के मापदंडों के अनुसार उक्त भूमि पर पंचायत भवन निर्माण की अनुमति प्रदान की। लेकिन कलेक्टर के इस अंतिम आदेश से बौखला कर जनपद सदस्य और भूतपूर्व सरपंच कथित तौर पर ग्रामीणों को गुमराह कर रहे हैं। वे सोशल मीडिया और गांव में भ्रामक प्रचार कर रहे हैं कि सरपंच ने आर्थिक अनियमितता की है और अवैध वसूली की है, जबकि उनके पास कोई सबूत नहीं है। ग्रामीणों का एक वर्ग इसे न्यायालय की अवमानना और सरपंच की छवि खराब करने की सुनियोजित साजिश बता रहा है। सरपंच के समर्थकों का कहना है कि यह सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक दुर्भावना का मामला है। जनपद सदस्य सिर्फ इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि पाथरगांव पंचायत में विकास कार्य हो और सरपंच की लोकप्रियता बढ़े। फिलहाल ग्राम पंचायत ने निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी कर ली है और शासन की राशि भी स्वीकृत हो चुकी है। देखना यह है कि न्यायालय के आदेश और कलेक्टर के फैसले के बाद भी क्या राजनीतिक दबाव से यह जनहित का कार्य रुक पाएगा या पंचायत भवन का निर्माण तय समय में पूरा हो पाएगा।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष और संविधान दिवस पर निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में देशभक्ति का उमड़ा सैलाब

पद्मेश न्यूज। लांजी। संविधान दिवस एवं राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, लांजी में भव्य आयोजन हुआ। संस्थान परिसर में शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से पूरा 'वंदे मातरम' गाकर वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भूतपूर्व वायु सैनिक राजेंद्र रामटेककर, भूतपूर्व सैनिक पवन सोनवाने, गणेश मोरघड़े एवं रूप सिंह बिसेन ने भी छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर जोरदार स्वर में 'वंदे मातरम' गाया। इस दौरान सभी के रोंगटे खड़े हो गए और पूरा परिसर 'भारत माता की जय' एवं 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा। प्रार्थना सभा के दौरान भूतपूर्व वायु सैनिक राजेंद्र रामटेककर ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण किया और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए भावुक अपील की। उन्होंने कहा 卐आजादी के 75-77 वर्ष बाद आज की पीढ़ी को 'वंदे मातरम' की असली कीमत का एहसास नहीं हो सकता, क्योंकि हम उस दौर में नहीं थे जब ब्रिटिश गुलामी में हर स्वतंत्रता की बात पर लाठीचार्ज और गोलियां चलती थीं। फिर भी लाखों लोग सिर्फ एक नारा लगाते थे ङ्क 'वंदे मातरम'। भगत सिंह फांसी पर चढ़ते वक्त बोले ङ्क 'वंदे मातरम', 77 साल के बुजुर्ग को गोली लगी, फिर भी झंडा नहीं छोड़ा और अंतिम सांस तक यही नारा लगाते रहे। यह नारा सिर्फ गीत नहीं, हमारी आजादी का मूल मंत्र था। जो पीढ़ी अपने इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के मूल बीज को नहीं जानती, वह न अपना इतिहास बचा सकती है, न भविष्य संवार सकती है। कार्यक्रम में शिक्षक भानु प्रताप प्रजापति, समीर खान, देवेंद्र क्षीरसागर, सागर आसटकर, आकाश बाहें, शिवम रामटेककर, दीक्षा बारेकर, प्रतिभा कुचलाहे, कैलाश ब्रम्हपुरे एवं सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना को सामूहिक रूप से गाकर संविधान के महत्व को समझा और उसकी गरिमा को आत्मसात करने का संकल्प लिया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. प्रणय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय उर्फ बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को की थी। इस वर्ष इसकी 150वीं वर्षगांठ देशभर में मनाई जा रही है। उन्होंने छात्रों से देश की एकता-अखंडता बनाए रखने और संविधान के प्रति निष्ठा रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि 'वंदे मातरम' के मूल्यों को जीवन में उतारकर देश को और मजबूत बनाएंगे।

महाविद्यालय पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाविद्यालय पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में बुधवार को 76वाँ संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर, प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे ने कहा कि इस वर्ष का संविधान दिवस इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह सरदार वल्लभभाई पटेल एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष तथा श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगाँठ के साथ जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि ये महान व्यक्तित्व हमें संविधान के अनुच्छेद 51ए में वर्णित मौलिक कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाते हैं। अधिकार कर्तव्यों के पालन से ही प्राप्त होते हैं और कर्तव्यों का निर्वहन ही सामाजिक-आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण हेतु अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिज्ञा दोहराने का आह्वान किया। संस्थापिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने उद्बोधन में संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों - समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता आदि का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि नागरिकों के सपनों का सुरक्षा कवच है। यह हमें वह बनने की आजादी देता है जो हम बनना चाहते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम शाहिल बोरकर (प्रथम सेमेस्टर), द्वितीय अंजली रावते (प्रथम सेमेस्टर), तृतीय विद्या हरिनखेड़े (प्रथम सेमेस्टर)। कविता प्रतियोगिता में प्रथम गौरव शनिचरे, प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम विशाल एंड ग्रुप, द्वितीय विद्या हरिनखेड़े एंड ग्रुप, तृतीय दिव्या डाहरे एंड ग्रुप। समारोह का समापन भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) के सामूहिक वाचन एवं संविधान के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा के साथ हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे के नेतृत्व में प्राध्यापक सी. एस. मेश्राम, रामस्वरूप नगपूरे, बी. सी. पटले, उमेन्द्र नागभिड़े, खेमेन्द्र उमरे, अजित बोरकर, गौरव भंडारकर, योगेश नंदनवार, राजेश गजभिये, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, जी. के. सोनवाने, श्रीमती के. के. बड़गैया सहित समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम पंचायत घोटी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत घोटी में बुधवार को संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित विशेष सभा में ग्रामवासियों को भारतीय संविधान के महत्व, मूल्यों और सिद्धांतों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद सभी उपस्थित जनों को संविधान की प्रस्तावना पढ़कर संविधान के प्रति निष्ठा एवं सम्मान की शपथ दिलाई गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था और 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू हुआ। यह लोकतंत्र, समता, न्याय और बंधुता की भावना का प्रतीक है। उन्होंने ग्रामवासियों से संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उपसरपंच श्रीचंद कामडे, प्रधान पाठक पी. आर. गजभिए, सचिव भीवराम पंचाले, पटवारी अभिजीत ठाकुर, ग्राम रक्षक विनोद नागदेवे, समस्त पंचगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत घोटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने संविधान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को गांव स्तर तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जल जीवन मिशन महाघोटाले की जांच करेगी सीबीआई

केन्द्र के निर्देश पर मंत्रालय में हुई समीक्षा बैठक में 200 से अधिक कम्पनियों और ठेकेदारों के खिलाफ की कार्रवाई, करोड़ों रुपए का जुर्माना भी

भोपाल। जल जीवन मिशन में हुए हजारों करोड़ के घोटाले को लेकर पिछले कई महीनों से हल्ला मचा हुआ है और केन्द्र सरकार तक इसकी शिकायतें पहुंची, जिसके चलते पिछले दिनों सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से रिपोर्ट मांगी गई। नतीजतन मंत्रालय में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने इसकी समीक्षा की, जिसमें 250 से अधिक फर्मों और ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने का निर्णय तो लिया ही, साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी और इस पूरे महाघोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा भी की गई।

केन्द्र सरकार इस जल जीवन मिशन के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर में नल के जरिए, जल भिजवाने के काम में जुटी है, जिसके चलते हजारों करोड़ के कामसभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में इस मिशन के तहत कराए गए। मगर इसमें घोटालों के आरोप भी लगे और जनप्रतिनिधियों ने भी प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर पीएचई मंत्री और आला अफसरों को कमीशनखोरी, टेंडर में अनियमितताएं सहित अन्य भ्रष्टाचार की जानकारी दी, जिसके चलते केन्द्र के जलशक्ति मंत्रालय ने सभी राज्यों से इसकी रिपोर्ट मांगी और मंत्रालय में बैठक हुई, जिसमें मुख्य सचिव जैन ने फर्जी बैंक गारंटी जमा करने वाली ठेकेदार कम्पनियों के अनुबंध समाप्त कर सीबीआई को जांच सौंपने के निर्देश भी दिए और 8 हजार से अधिक नल-जल योजनाओं का पुनः परीक्षण भी किया जाएगा और 30 करोड़ रुपए का जुर्माना भी ठोंका गया। वहीं 280 फर्मों को ब्लैक लिस्ट करने के साथ लगभग दो दर्जन ठेकेदारों के अनुबंध भी समाप्त कर दिए गए। घटिया कार्यों और टेंडरों में हेरा-फेरी, अनियमितताएं करने के चलते 10 अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में भी पीएचई के 140 अधिकारियों को नोटिस थमाए गए थे, जिसमें आरोप लगे कि डीपीआर में लापरवाही बरती गई और 187 एजेंसियां इस जांच की चपेट में भी आईं। कुछ जनप्रतिनिधियों ने एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले के आरोप भी लगाए। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर सहित अन्य शहरों में स्थिति रही, जिसके चलते अब शासन को भी कार्रवाई करना पड़ी। केन्द्र सरकार ने इस जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश को लगभग 30 हजार करोड़ रुपए की राशि दी है और उसकी जांच शुरू की गई है, जिसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पर भी गंभीर आरोप लगे और इससे जुड़े अफसरों की सम्पत्तियों की जांच करने की भी मांग उठी और विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने भी इस महाघोटाले पर हल्ला मचाया था। दरअसल, जब केन्द्र सरकार को भी इस प्रोजेक्ट में गड़बड़ी की शिकायत मिली तो राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को इस मामले में कार्रवाई करने और उसकी रिपोर्ट भेजने को कहा गया। ठेकेदारों, थर्ड पार्टी और निरीक्षण एजेंसियों की जानकारी भी मांगी गई और जल शक्ति मंत्रालय ने सभी मुख्य सचिवों से व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। जिन ठेकेदारों और एजेंसियों के खिलाफ जुर्माना आरोपित किया गया उन्हें ब्लैक लिस्ट में डालने के आदेश भी दिए गए और साथ ही पीएचईडी के अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी गई, जिसमें घटिया काम, धन के दुरुपयोग की शिकायतों के संबंध में निलंबन, निष्कासन और एफआईआर दर्ज कराने को भी कहा गया। दूसरी तरफ समय सीमा में काम ना होने के कारण केन्द्र से अवधि बढ़ाने की मांग भी की गई। यहां तक कि 140 से अधिक अधिकारियों के खिलाफ गलत डीपीआर यानी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने के आरोप हैं और टेंडर प्रक्रियाका उल्लंघन भी किया गया। पुनरीक्षण योजना समिति का गठन भी हुआ, जिसमें 8358 एकल ग्राम नल योजना का पुनरीक्षण और परीक्षण किया जा रहा है। अभी तक 80 लाख से अधिक घरों तक नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जो कुल लक्ष्य का 70 फीसदी से अधिक है।

सरपंच और सचिव ने बिना काम कराये ही हड़प ली 22 लाख से अधिक की रकम

ईओडब्ल्यू ने दर्ज की चार सौ बीसी, गबन सहितभ्रष्टाचार की धाराओ में एफआईआर

भोपाल। ईओडब्ल्यू द्वारा मंडला जिले की पंचायत बेलखेड़ी के सरपंच और सचिव पर बिना निर्माण कार्य कराये ही 22 लाख 87 हजार 370 रुपये का गबन करने के आरोप मे सरपंच ग्राम पंचायत बेलखेड़ी, जनपद पंचायत बीजाडांडी बीरन सिंह काकोडिया और सचिव ग्राम, पंचायत बेलखेड़ी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियो के खिलाफ धारा 409, 420, 120बी सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ में मामला कायम किया गया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार को ग्रामवासियों द्वारा ग्राम पंचायत बेलखेड़ी में पदस्थ तत्कालीन सरपंच बीरन सिंह काकोडिया एवं सचिव मिथलेश उददे के द्वारा ग्राम बेलखेडी एवं ग्राम बीरमपुर में होने वाले विकास कार्यो में अनुचित रूप से बिना काम कराये लाखो रुपये का गबन किये जाने की शिकायत की गयी थी। शिकायत मिलने पर की गई जाँच में सामने आया की ग्राम पंचायत बेलखेड़ी में साल 2014 से साल 2022 तक कई निर्माण कार्यो के लिय शासन द्वारा पैसा आंवटित किया गया था। इस दौरान बीरन सिंह काकोडिया सरपंच,मिथलेश उददे सचिव, ग्राम-पंचायत बेलखेड़ी द्वारा फर्जी कार्य कागजो पर दिखाकर बिना निर्माण कार्य कराये ही 22 लाख 87 हजार 370 रुपये आहरण करके गबन करना पाया गया। उपरोक्त सरपंच और सचिव के द्वारा अपने 6 साल के कार्यकाल में शासन की अनेक योजनाओं के अंतर्गत गांव में सीसी रोड,चौपाल सभा निर्माण,पुलिया एवं नाली निर्माण,पंचायत भवन की मरम्मत के सहित 9 कामो के लिये स्वीकृत रकम को बिना काम कराये ही दोनो आरोपियों ने संयुक्त हस्ताक्षर कर सरकारी रकम का आहरण कर गबन कर लिया।

मप्र में किसानों को रूला रही खाद, डिमांड और सप्लाई में जमीन आसमान का अंतर

भोपाल/खंडवा/नर्मदापुरम/गुना। मप्र में खरीफ सीजन के बाद अब रबी सीजन में भी खाद की कमी किसानों को रूला रही है। यह पहला साल नहीं है जब प्रदेश में खाद की किल्लत हो रही है। रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर बार, हर साल किसान खाद के लिए, मारामारी करता है, लंबी लाइन लगाता है, डंडे खाता है, कई दिन इंतजार करता है और नतीजा ये रहता है कि किसान को यदि खाद मिल भी जाती है तो उसे जितनी चाहिए उतनी नहीं। मजबूरन किसान दोगुने दामों में बाजार से खाद खरीदता है। इधर खाद व्यापारी भी कालाबाजारी करने से नहीं चूकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि देश के लिए अन्न उगाने वाले अन्नदाता को समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल पाती। आलम यह है कि कुछ बोरी खाद के लिए, अन्नदाता कड़कड़ाती ठंड में खुले आसमान के नीचे सोने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

प्रदेश में खाद की मारामारी वाले जिलों की लंबी फेहरिस्त है। अधिकांश जिले ऐसे हैं जहां खाद के लिए किसान रात से ही कतारों में लग जाते हैं। बड़वानी, खंडवा, शिवपुरी सहित अन्य जिलों के किसान खरीफ फसलों की बुवाई के बाद सारे काम छोड़ कर खाद के लिए, भटक रहे हैं। बुरहानपुर, खरगोन, विदिशा, नर्मदापुरम जैसे कई जिले हैं जहां खाद के लिए किसानों को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। समय पर खाद नहीं मिलने से सबसे ज्यादा असर बुवाई पर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि समय से खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

लोग भूखे-प्यासे परेशान

गुना जिले में खाद के लिए किसान लगातार परेशान हो रहे हैं। हालात यह हैं कि किसान खाद वितरण केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति बमोरी इलाके के बागेरी और गुना शहर की नानाखेड़ी मंडी स्थित डबल लॉक केंद्र की है। यहां किसान रात में ही आकर डेरा डाले हुए हैं और लाइनों में बिस्तर बिछाकर सो रहे हैं। उधर, कृषि विभाग के अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति लगातार हो रही है। नानाखेड़ी मंडी स्थित डबल लॉक गोदाम पर लगभग 100 से ज्यादा किसान खुले

आसमान के नीचे सोते हुए मिले। कुछ किसान ठंड से बचने के लिए अलाव ताप रहे थे और खाद न मिलने की अपनी परेशानियों पर बात कर रहे थे। कुछ किसानों के पास ओढ़ने के लिए नहीं था, तो उन्होंने तिरपाल से ही खुद को ढंक रखा था। खेजरा बाबा से आई महिला दीप माला ने बताया कि वह कल शाम पांच बजे से खाद लेने आई हुई हैं। दस बीघा जमीन है और फिलहाल दस कट्टे खाद के चाहिए, लेकिन अभी तक टोकन भी नहीं मिला है। वे भूखे-प्यासे यहां पड़े हुए हैं।

खाद होता तो 4 दिन से क्यों पड़े रहते?

प्रशासन के भरपूर खाद के दावे पर एक महिला किसान ने कहा कि खाद होता तो यहां तीन-चार दिन से पड़े रहना नहीं पड़ता। यहां लाइन में लग रहे हैं, तो भी उद्यम हो रहा है। गांव-गांव में खाद मिलता, तो जनता यहां क्यों पड़ी होती। 20-25 लोगों को खाद मिल पाता है और फिर बंद हो जाता है। जनता की कौन सुनवाई कर रहा है। कोई सुनवाई नहीं कर रहा। रात को किसान डबल लॉक गोदाम के मैदान में ही लाइनों में फर्श बिछाकर जमीन पर सोते नजर आए। बड़ी संख्या में महिलाएं भी खुले में ही सोने को मजबूर रहीं। किसानों का कहना है कि अगर अभी से जगह नहीं रोकेंगे, तो सुबह लाइन में नहीं लग पाएंगे और खाद नहीं मिल पाएगी। सिमरोद गांव से आए किसान ने बताया कि रात में आएंगे, तभी सुबह खाद मिल पाएगा। अगर सुबह आएंगे तो लाइन लंबी हो जाएगी। वे दो दिन से लगातार आ रहे हैं, तब भी खाद नहीं मिल पा रहा। उन्हें 30 कट्टों की जरूरत है। वहीं, अंबाराम चक्क से आई एक महिला ने बताया कि वह पिछले चार दिनों से आ रही हैं। रात में तीन बजे उठकर आ रहे थे, पर फिर भी खाद नहीं मिल पाया। इसलिए आज रात को यहीं रुक गए हैं।

चिंता न करें, रैक लगने वाली है

उधर, उप संचालक कृषि संजीव शर्मा का दावा है कि जिले में खाद पर्याप्त मात्रा में है। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि अभी आप यूरिया के लिए किसी प्रकार की चिंता न करें। हमारे पास यूरिया बराबर 25 से 30 ट्रक हस्नरु से प्राप्त हो रहे हैं। अभी एक रैक और लगने वाली है। अभी हमने डबल लॉक केंद्रों के साथ-साथ समितियों में भी खाद भेजा है। शर्मा ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश अनुसार बागेरी केंद्र की व्यवस्थाएं सुधारने का प्रयास किया है। पहले वहां दो काउंटर चलते थे, अब तीन काउंटर कर दिए गए हैं। वहां व्यवस्थाएं पहले से बेहतर हो गई हैं। किसान बारी-बारी से खाद लें। प्रति व्यक्ति को दस कट्टे उर्वरक जमीन के अनुसार उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिजली के लिए बैतूल में चक्काजाम

बैतूल के चिचोली क्षेत्र में किसानों ने आज इंदौर हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। वे पिछले कई दिनों से लो वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती से परेशान थे। किसानों ने सात दिन के भीतर बिजली आपूर्ति में सुधार की मांग की है। चूना जोड़ पर सैकड़ों किसानों ने वाहनों की आवाजाही रोक दी, जिससे सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। किसानों का कहना है कि खेतों में गेहूं की बुवाई का काम चल रहा है और फसलों को तुरंत पानी की आवश्यकता है, लेकिन बिजली की कमी के कारण सिंचाई ठप हो गई है। कई स्थानों पर ट्रांसफॉर्मर लोड नहीं उठा पा रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि विधायक द्वारा स्वीकृत एक नया ट्रांसफॉर्मर भी अब तक नहीं लगाया गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अस्थायी कनेक्शन अधिक हैं और मेंटेनेंस के नाम पर दिन में 4-5 घंटे बिजली बंद रखी जाती है। इससे आधा दर्जन से अधिक गांवों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जब वे शिकायत लेकर बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचे, तो वहां ताला लटका मिला। इसके बाद आक्रोशित होकर उन्होंने इंदौर हाइवे पर जाम लगा दिया।

अपराधों पर नहीं लग रहा था अंकुश, दो टीआई लाइन हाजिर

भोपाल। पुलिस मुख्यालय में सीएम मोहन यादव की कानून व्यवस्था की बैठक के बाद पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी दो थानो के टीआई को लाइन अटैच कर दिया है। मिसरोद थाना कभी प्रभारी संदीप पवार और टीला जमालपुरा टीआई दिनेश प्रताप सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। मिसरोद थाना इलाके में आपसी विवाद के दौरान कैफे में जमकर तोड़फोड़ कर दहशत फैलाने की घटना को लेकर टीआई संदीप पवांर को लाइन अटैच किया गया है। वहीं गौतम नगर में हुई अड़ीबाजी और वाहनों में तोड़फोड़ के मामले के आरोपी बदमाश टीला थाना इलाके के रहने वाले थे। यह सभी बाउंड ओवर और निगरानी बदमाश थे, इसके बावजूद भी खुलेआम बदमाशी कर रहे थे। इसे लापरवाही मानते हुए डीपी सिंह को थाने से रवानगी करते हुए लाइन भेजा गया है।

हिंदू संगठन ने दी भोपाल बंद की चेतावनी

6 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से एम्स में मिले पीसीसी चीफ

भोपाल। रायसेन के गौहरगंज में वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म ने पूरे प्रदेश को हिला दिया है। एक ओर कांग्रेस ने सरकार और पुलिस प्रशासन को कठघरे में खड़ा करते हुए तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है, वहीं दूसरी ओर हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच ने आरोपित की गिरफ्तारी न होने पर 5 दिनों में भोपाल बंद का अल्टीमेटम दे दिया है। घटना के बाद शहर में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है।

बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एम्स अस्पताल पहुंचे और दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के परिजनों से मुलाकात की। पटवारी ने बच्ची के स्वास्थ्य, इलाज और सुरक्षा को लेकर डॉक्टरों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर संभव सहायता और समर्थन परिवार को उपलब्ध कराएगी इस दौरान पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, मीडिया हेड मुकेश नायक, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल, वरिष्ठ नेता रविंद्र साहू, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल, प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित कई नेता मौजूद रहे।

यह पीड़ा शब्दों में नहीं, आरोपी राक्षस है- पटवारी

पटवारी ने घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए कहा कि यह दर्द शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। ऐसा कृत्य करने वाला इंसान नहीं, राक्षस है। आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दी जाए, ताकि समाज को सख्त संदेश जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बच्चियों के साथ लगातार हो रही घटनाओं ने कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है और सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री पर निशाना साधते हुए पटवारी ने कह कि सिर्फ एसपी या टीआई हटाने से अपराध नहीं रुकते। अपराध पर नियंत्रण के लिए आधुनिक संसाधन, पर्याप्त पुलिस बल और टेक्नोलॉजी आधारित मॉनिटरिंग की जरूरत है। सरकार सिर्फ इमेज मैनेजमेंट में जुटी है।

5 दिन में भोपाल बंद का अल्टीमेटम

दूसरी ओर, हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने प्रशासन पर सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि आरोपी सलमान की गिरफ्तारी में हो रही देरी चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 5 दिन में आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो हम भोपाल बंद कराएंगे। अब ऐसी घटनाओं को समाज और बर्दाश्त नहीं करेगा। तिवारी ने कहा कि मामले को लेकर समाज में गहरा रोष है और न्याय की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई कर आरोपित को गिरफ्तार करने की मांग की।

अपर कलेक्टर एवं एसडीएम ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट में एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जी एस धुर्वे एवं बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के मतदाता रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व एसडीएम गोपाल सोनी ने 26 नवंबर को नगरीय क्षेत्र बालाघाट में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना पत्रक भरने की जानकारी ली। जिन मतदाताओं द्वारा गणना पत्रक भरकर नहीं दिये गये हैं, उनसे गणना पत्रक भरकर शीघ्र बीएलओ को उपलब्ध कराने कहा गया।

इस दौरान मतदाताओं को बताया गया कि सभी मतदाता का गणना पत्रक भर कर देना अनिवार्य है। गणना पत्रक की जानकारी के आधार पर ही मतदाता का नाम पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल हो पायेगा। इस दौरान बताया गया कि जिन मतदाताओं का नाम 2025 की मतदाता सूची में शामिल है उन्हें वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम किस स्थान की मतदाता सूची में किस क्रमांक पर था यह भरकर देना है। ऐसे मतदाता या विवाह होकर आयी नई बहू जिनका नाम वर्ष 2003 की सूची में शामिल नहीं है, उन्हें वर्ष 2003 की सूची में शामिल अपने माता-पिता या वंशज का नाम, मतदाता पहचान क्रमांक एवं मतदाता सूची में क्रमांक भर कर देना होगा।

जिले में 750 नल जल योजनाएँ पूर्ण, 607 योजनाएँ ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। विभाग ने बालाघाट जिले में संचालित 750 नल जल योजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया है, जिनमें से 607 योजनाएँ ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर दी गई हैं। इन योजनाओं के शुरू होने से अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल नल कनेक्शन के माध्यम से सीधे घरों तक पहुँच रहा है।

पाथरवाड़ा की बीएलओ रीता बनोटे एवं गोबरिया साकुरे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर उन्हें गणना पत्रक वितरित किये गये हैं और मतदाताओं द्वारा भरे गये गणना पत्रकों का संकलन कर उन्हें पोर्टल पर अपलोड कर उनका डिजिटलाईजेशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। बालाघाट जिले में गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन का कार्य 85 प्रतिशत से अधिक किया जा चुका है। जिन बीएलओ द्वारा अपने मतदान केन्द्र के शत प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन कर दिया गया है उन्हें जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत ग्राम पाथरवाड़ा के दो मतदान केन्द्रों के बीएलओ ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ग्राम पाथरवाड़ा के मतदान केन्द्र क्रमांक-251 के बीएलओ गोबरिया साकुरे एवं इसी ग्राम के मतदान केन्द्र क्रमांक-252 की बीएलओ रीता बनोटे ने अपने-अपने केंद्रों के गणना पत्रकों का समय सीमा से पहले शत प्रतिशत डिजिटलाइजेशन पूर्ण कर उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए बालाघाट एसडीएम एवं मतदाता रजिस्ट्रीकरण अधिकारी गोपाल सोनी द्वारा दोनों बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री सोनी ने कहा कि बीएलओ साकुरे और बनोटे ने पूरी निष्ठा, सतर्कता और समयबद्धता के साथ एसआईआर कार्य को पूरा कर निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जिला स्तरीय समीक्षा समिति डीएलसीसी की हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 26 नवम्बर को जिला स्तरीय समीक्षा समिति डीएलसीसी की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित वार्षिक लक्ष्य एवं उसके विरूद्ध ऋण वितरण की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, स्वरोजगार एवं ऋण वितरण से जुड़े विभागों के अधिकारी एवं सभी बैंकों के जिला समन्वय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने शासकीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वरोजगार एवं ऋण वितरण से जुड़ी योजनाओं में लक्ष्य से अधिक प्रकरण बैंकों को प्रेषित किये जाए। उन्होंने बैंक अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं के ऋण प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें और इन्हें अनावश्यक लंबित न रखे। जिन प्रकरणों में ऋण स्वीकृत हो चुका है उसका वितरण भी ऋण स्वीकृति के साथ ही किया जाए। बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि आजीविका मिशन द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत बैंकों को लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण नही भेजे गए है। इस स्थिति पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी जाहिर की गई और आजीविका मिशन की परियोजना प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि बैंकों को शीघ्र ही लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण प्रेषित करें। बैठक में बताया गया कि संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 22 के लक्ष्य के विरूद्ध 25 प्रकरण को बैंकों द्वारा स्वीकृत किया जा चुका है और इनमें 01 करोड़ 16 लाख 35 हजार रुपए का ऋण वितरण भी किया जा चुका है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 96 के लक्ष्य के विरूद्ध 83 प्रकरणों में 04 करोड़ 02 लाख 94 हजार 500 रुपए का ऋण वितरण किया जा चुका है। भीमराव अम्बेडकर योजना में 17 प्रकरणों में 11 लाख 57 हजार, बिरसा मुण्डा योजना में 10 प्रकरणों में 31 लाख 37 हजार 500 रुपए एवं टंट्या मामा योजना में 07 प्रकरणों में 02 लाख 75 हजार रुपए का ऋण वितरण किया गया है। कलेक्टर मीना ने

भीमराव अम्बेडकर, बिरसा मुण्डा एवं टंट्या मामा योजना में लक्ष्य से अधिक प्रकरण शीघ्रता से बैंकों को भेजने के निर्देश दिए। नगरीय क्षेत्रों में संचालित पीएम स्वनिधी योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बैंक शाखाओं में नगर पालिका बालाघाट के 109, वारासिवनी के 195, मलाजखंड के 196, कटंगी के 160, बैहर के 122 एवं लांजी के 73 प्रकरण स्वीकृति के लिए लंबित है। बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर ऋण वितरण करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के आईएसएस घटक के अंतर्गत आवास ऋण के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रेषित करने के निर्देश दिये गए। बैठक में उद्यान विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुसार बैंकों को प्रकरण शीघ्रता से भेजे। इस योजना में 185 प्रकरण बैंकों को भेजे जा चुके है और इनमें से 35 प्रकरणों में ऋण वितरण किया जा चुका है तथा 36 प्रकरण अस्वीकृत किये गए है। पशुपालन एवं मत्स्योद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पशु पालको एवं मत्स्य पालको के केसीसी तैयार कर उन्हें बैंक से ऋण दिलाए। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 04 लाख 21 हजार 973 एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 08 लाख 06 हजार 715 लोगो का पंजीयन किया जा चुका है। वर्ष 2025-26 में अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में 28 हजार 853 लोगो का पंजीयन किया गया है इसमें 23 हजार 660 महिलाये, 5192 पुरुष एवं 01 ट्रांसजेंडर शामिल है। इस योजना में एक्सीस बैंक, ईएसएफ बैंक, उत्कर्ष बैंक, आईसीआईसीआई बैंक एवं इक्विटॉस बैंक की प्रगति नगण्य होने एवं इनके अधिकारियों के बैठक में उपस्थित नही होने पर नाराजगी जाहिर की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाईन से संबंधित प्रकरणों में ऋण वितरण होने पर ही शिकायत को बंद करने कहा गया। सेंट आरसेटी के माध्यम से युवाओं को रोजगार मूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें बैंक से व्यवसाय के लिए ऋण दिलाने के निर्देश दिये गए।

दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती

दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हराया : यानसन बने प्लेयर ऑफ द मैच : हार्मर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 408 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही मेहमान टीम 25 साल बाद भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम बार साल 1999 में हैंसी क्रोनये की कप्तानी में भारत में 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं ये भारतीय टीम की एक साल में दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को घरेलू सीरीज में 3-0 से हराया था। माकर यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला

दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने नहीं टिक पाये। भारतीय टीम पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 489 रनों के जवाब में केवल 201 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इसके बाद भारतीय टीम 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 2 विकेट पर 27 रनों से आगे खेलते हुए अंतिम दिन 140 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही ही सबसे अधिक 54 रन बना पाये। भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर का सामना नहीं कर पाये। हार्मर ने इस मैच में छह विकेट लिए।

अंतिम दिन भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 14 रन बनाये। वॉशिंगटन सुदंर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुये। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी शुन्य पर ही आउट हो गये। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रहीं। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। जडेजा ने 87 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया।

वहीं गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही ये भारतीय टीम की दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले 2024 नवंबर में न्यूजीलैंड ने 3-0 से भारतीय टीम को हराया था।

विश्व युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, रजत और कांस्य पदक पर कब्ज़ा

नई दिल्ली। भारत के युवा पैडलर्स ने रोमानिया के क्लुज-नापोका में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 में एक शानदार और ऐतिहासिक शुरुआत की है। भारतीय दल ने अंडर-19 बालक टीम स्पर्धा में रजत पदक और अंडर-15 बालिका टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी है।

अंडर-19 लड़कों की टीम ने टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जहाँ उन्होंने आत्मविश्वास और परिपक्व रणनीति का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, फाइनल में उन्हें जापान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। खिताबी मुकाबले की शुरुआत एक रोमांचक पाँच-गेम की भिड़ंत से हुई, जिसमें अंकुर भट्टाचार्जी ने 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हारने से पहले रयुसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी।

इससे पहले, भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह जीत टूर्नामेंट का सबसे निर्णायक क्षण रहा। अभिनंद ने हुसू हिसियन-चिया पर 11-4, 11-8, 11-8 की शानदार जीत दर्ज करके भारत के लिए ऐतिहासिक फाइनल बर्थ सुनिश्चित की।

अंडर-15 लड़कियों की टीम ने भी सेमीफाइनल तक पहुँचकर देश के लिए कांस्य पदक अर्जित किया। हालांकि वे दक्षिण कोरिया से 0-3 से हार गईं, लेकिन क्वार्टर फाइनल में जर्मनी पर 3-1 की उल्लेखनीय जीत ने अंकोलिका चक्रवर्ती, दिव्यांशी भौमिक और अनन्या मुरलीधरन की प्रतिभा को दर्शाया।

गंभीर ने हार की जिम्मेदारी ली, मेरे कोच बने रहने का फैसला बीसीसीआई करे

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। इस हार के बाद गंभीर मीडिया से सामने आये तो बेहद हताश नजर आये और उन्होंने हार की जिम्मेदारी ली। गुवाहाटी में हुए दूसरे टेस्ट को 408 रन के जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से सीरीज जीत ली है। वहीं गंभीर से जब इस हार के दोषी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'दोष सबका है और सबसे पहले मुझसे शुरू होता है।' गंभीर का कहना है कि जैसे टीम जीतती है तो सभी को श्रेय मिलता है वैसे ही हार भी सबकी होती है। साथ ही कहा, 'आप किसी एक व्यक्त या को दोष नहीं दे सकते। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलने की जरूरत है। इस प्रकार की बल्लेबाजी स्वीकार नहीं की जा सकती।

गंभीर के कोच बनने के बाद से ही भारतीय टीम 18 में से 10 टेस्ट हारी है। पिछले साल उसे न्यूजीलैंड जबकि अब दक्षिण अफ्रीका ने हराया है। इसका एक बड़ा कारण गंभीर का टीम में

बार-बार बदलाव करना भी माना जा रहा है। इसके अलावा टेस्ट में विशेषज्ञों की जगह पर ऑलराउंडरों को अधिक रखा गया है। गंभीर ने टीम को लेकर कहा, 'टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको सबसे तेज-तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की जरूरत नहीं है जबकि हमें कम स्किल वाले मजबूत खिलाड़ियों की जरूरत है। वे अच्छे वहीं गंभीर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि वह टेस्ट क्रिकेट में इस काम के लिए सही आदमी हैं। तो उन्होंने कहा, 'मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। बीसीसीआई ही ये तय करे कि मैं कोच के लिए सही हूं कि नहीं। सबसे महत्वपूर्ण ये है कि टीम सबसे पहले हैं मैं या कोई और व्यक्ति नहीं। गंभीर ने यह भी कहा, 'टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देना शुरू करना होगा. अगर हम चाहते हैं कि भारत में टेस्ट क्रिकेट आगे बढ़े, तो हमें मिलकर यह करना होगा।'

वहीं पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता रहे कृष्माचारी श्रीकांत ने गंभीर के चयन निर्णयों पर नाराजगी जतायी और कहा कि हर दूसरे मैच में कोई न कोई डेब्यू कर रहा है। इससे टीम में डर का माहौल है। इसी प्रकार की बातें कई अन्य क्रिकेटरों ने भी कही हैं।

दूसरे टेस्ट में लियोन की जगह वेबस्टर को शामिल करें - मूडी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां 4 दिसंबर से होने वाले यहां दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में नहीं रखा जाना चाहिये। मूडी के अनुसार गाबा की तेज और उछाल भरी पिच पर तेज गेंदबाज अधिक प्रभावी होंगे। साथ ही कहा कि इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए दिन-रात के इस मैच में टीम संयोजन बदला जाना जरुरी है। इसलिए लियोन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मौका मिलना चाहिए। वेबस्टर बल्लेबाजी गहराई बढ़ा सकते हैं और मध्यम गति के तेज गेंदबाजी विकल्प भी टीम को दे सकते हैं।

मूडी ने कहा कि ब्रिस्बेन की पिच स्वभाविक रूप से तेज गेंदबाजों का साथ देती है। दिन-रात टेस्ट में गुलाबी गेंद से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे रोहित, मिचेल दूसरे नंबर पर खिसके

दुबई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आईसीसी ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें रोहित न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान पर आ गये हैं। रोहित के अभी 781 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंतिम एकदिवसीय मैच खेला था। वह अब इस माह के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे।

वहीं मिचेल 766 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर को पहले एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद नंबर एक स्थान हासिल किया था। वह चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए जिससे रैंकिंग में नीचे गिर हैं। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र एक स्थान के लाभ के साथ ही 12वें

पर आ गए हैं जबकि डेवोन कॉनवे 11 स्थान ऊपर 31वें पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई दूसरे एकदिवसीय में शतक से आठवें नंबर पर आ गए। । कीवी टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैच की सीरीज में हराया। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सेंटनर छठे और मैट हेनरी अपने शानदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 10वें नंबर पर आ गए।

वहीं, जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा टी20 ऑलराउंडरों में नंबर-1बन गए हैं। उन्होंने अपने करियर में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। उनके 289 रेटिंग अंक हैं। रजा ने पाकिस्तान में ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें मिला है। रजा के बाद पाकिस्तान के सईम अयूब (269 अंक) हैं। टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट जीत के बाद ट्रैविस हेड चार स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के ओली पोप चार पायदान के लाभ के साथ ही 24वें पर पहुंच गये हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी भी आयरलैंड पर जीत के बाद लाभ मिला है।

श्रीलंका ने त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में जिम्बाब्वे को हराया

रावलपिंड। श्रीलंका ने लगातार पांच मैचों में मिली हार के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए टी20 त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के अपने छठे मैच को जीत लिया है।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 146 रन बनाए। इसके बाद 147 रनों के लक्ष्य को श्रीलंकाई टीम ने 16.2 ओवर में ही एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से पथुम निसंका ने 98 जबकि कुसल मेंडिस ने 25 रन बनाए।

इस जीत के बाद भी श्रीलंकाई टीम फाइनल से दूर है। वहीं पाकिस्तान टीम ने 3 में से 3 मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। वहीं जिम्बाब्वे की टीम 4 में से एक मैच जीतकर दूसरे नंबर पर है। वहीं तीसरे नंबर पर श्रीलंकाई टीम है। अब त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल की दूसरी टीम का फैसला होना है। ये श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच मैच के परिणाम से तय होगी। ऐसे में ये मुकाबला श्रीलंका के लिए निर्णायक होगा।

टी20 विश्वकप सात फरवरी से, पहले ही दिन होंगे तीन मुकाबले - आईसीसी

दो भारत और एक श्रीलंका में खेला जाएगा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारत और श्रीलंका की सुंयक्त मेजबानी में होने जा रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 क्रिकेट मुकाबले 7 फरवरी ये शुरु होंगे। इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान सहित 6 टीमें उतरेंगी। ये टी20 विश्व कप इतिहास में पहली बार होगा, जब टूर्नामेंट के पहले दिन ही तीन सारे मैच होंगे। इसमें से दो मुकाबले भारत जबकि एक मैच श्रीलंका में खेला जाएगा।

आईसीसी के अनुसार अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि किस मैच से पहले उद्घाटन समारोह होगा। पहला मैच ग्रुप ए में कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला ग्रुप सी की टीमों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच दोपहर 3 बजे से कोलकाता के ईडन गार्डेस स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं दिन का अंतिम मुकाबला शाम को सात बजे से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच होगा। ये दोनों टीमें ग्रुप ए में शामिल हैं। इस प्रकार से एक ही दिन में तीन मुकाबलों में 6 टीमें होंगी। ग्रुप स्तर के मैचों के हर दिन का कार्यक्रम ऐसा ही है। 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3-3 मैच खेले जाएंगे। इस प्रकार लीग स्तर के बाद सेमीफाइनल के लिए आठ टीमें ही बचेंगी।

टी20 विश्वकप के लिए ब्रांड एंबेसडर बनकर गर्व का अनुभव कर रहा - रोहित

पहली बार किसी सक्रिय खिलाड़ी को मिला ये सम्मान

मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को 2026 टी20 विश्वकप के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया है। रोहित ने इसपर खुशी जताते हुए कहा है कि वह इससे सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि कहा कि उनके लिए ये इसलिए भी गर्व की बात है कि पहली बार किसी सक्रिय खिलाड़ी ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। वह अभी भी एकदिवसीय प्रारुप खेल रहे हैं। टी20 पुरुष टी20 विश्वकप संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पिछला टी20 विश्वकप जीता था।

रोहित ने टी20 विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा के दौरान कहा, ''मुझे किसी ने बताया कि खेलते समय किसी को भी एंबेसडर घोषित नहीं किया गया है इसलिए यह मेरे लिए बहुत बड़ी खुशकिस्मती और सम्मान की बात है।''रोहित ने 2024 में पिछले टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत की कप्तानी की थी और वह सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम से उम्मीद करेंगे कि वह घरेलू दर्शकों के सामने अपना खिताब बरकारार रखे। रोहित ने कहा, ''उम्मीद है

कि हमने पिछले साल टीम ने जिस प्रकार से जीत हासिल की थी वैसी ही फिर मिलेगी। आईसीसी खिताब जीतना बहुत बड़ा काम है और अपने 18 साल के करियर में मैं हाल ही में दो जीतकर खुशी का अनुभव कर रहा हूं। आखिरकार उन ट्रॉफी को जीतना अच्छा लग रहा है।''

आईसीसी चेयरमैन जय शाह द्वारा ब्रांड दूत बनाए जाने के बाद रोहित ने कहा, ''अब तक इन टी20 विश्व कप में खेलने के बाद दूसरी तरफ बैठकर देखना अलग होता है। वहीं अब मुझे घर पर बैठकर देखने की आदत हो रही है।'' गौरतलब है कि रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 32.01 के औसत तथा 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए हैं। रोहित ने महिला विश्व कप जीतने के लिए टीम की भी प्रशंसा की। रोहित ने कहा, ''मुझे पता है कि उन्होंने इतने वर्षों में क्या झेला है। मैं ट्रॉफी नहीं जीत पाने की वजह से साल दर साल होने वाली मुश्किलों के एहसास को समझ सकता हूं।''

उन्होंने कहा, ''मैं वहां था। यही वह पल होता है जिसके लिए आप जीते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं और मुझे भरोसा है कि विश्व कप शुरू होने से पहले बहुत मेहनत की गई होगी। रोहित ने पिछले साल अमेरिका में भारत की जीत के बाद सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

ब्रिसबेन में तीन विकेट लेते ही अकरम का रिकार्ड तोड़ देंगे स्टार्क

ब्रिसबेन। यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चार दिसंबर से ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में अगर 3 विकेट ले लेते हैं, तो अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बन जाएंगे। स्टार्क ने साल 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वहीं अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए थे।

अकरम लंबे समय से टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं पर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने ही स्टार्क उनसे आगे निकल जाएंगे। ऐस में स्टार्क के कुल विकेटों की संख्या 415 हो जाएगी और वे अकरम से आगे हो जाएंगे। स्टार्क इसके अलावा टेस्ट विकेटों के मामले में भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। वहीं स्टार्क अगर 6 विकेट ले लेते हैं तो वह हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

गाज़ा में दिव्यांग फुटबॉल खिलाड़ियों की जिंदादिली : युद्ध के मलबे के बीच खेल बना उम्मीद का सहारा

गाजा। गाज़ा पट्टी में लगातार युद्ध और बर्बादी के बीच ऐम्प्युटी फुटबॉल खिलाड़ियों ने इस हफ्ते देइर अल-बलाह के एक धूल भरे मैदान पर अपना हौसला दिखाया। चार दिवसीय होप फुटबॉल चैंपियनशिप में उन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनकी टांगें या हाथ पूर्व संघर्षों या मौजूदा बमबारी में खो गए थे।

2018-19 के ग्रेट मार्च ऑफ रिटर्न से लेकर 2023 में शुरू हुए दो वर्षीय युद्ध तक, कई खिलाड़ी हमलों में घायल हुए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब 70,000 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। मैच के दौरान खिलाड़ी एक टांग पर संतुलन बनाए, बैसाखियों के सहारे तेज़ी से दौड़ते और पासिंग करते नजर आए। गोलपोस्ट के पास एक गोलकीपर का कृत्रिम हाथ ज़मीन पर रखा था, जबकि वह पूरे जोश से नेट की रक्षा कर रहा था। पूर्व फुटबॉलर मादी नवासरा, जिन्होंने पिछले साल घर पर हमले में अपनी टांग खो दी, वे कहते हैं कि अब भी फुटबॉल छोड़ने का इरादा नहीं है। वहीं खिलाड़ी फराह ने मलबे के बीच खेल को अपनी नई शुरुआत बताया और कहा मेरा संदेश है, कभी हार मत मानो। यह टूर्नामेंट पैलेस्टाइन एम्प्यूटी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया, क्योंकि युद्ध के कारण राष्ट्रीय टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए जकार्ता नहीं जा सकी। कोच अली अबू अरमानह के अनुसार, यह चैंपियनशिप उम्मीद जगाने के लिए शुरू की गई।

गाज़ा में लगभग 60,000 से अधिक अंग-विहीन लोग हैं, जिनमें बच्चों और महिलाओं की बड़ी संख्या शामिल है, पर खेल सुविधाएं बेहद सीमित हैं। इसके बावजूद खिलाड़ी कहते हैं कि हम हार नहीं मानेंगे, हम फुटबॉल के ज़रिए अपनी पहचान और उम्मीद बनाए रखेंगे।

युवा बैडमिंटन खिलाड़ियों को फिटनेस और निरंतरता पर ध्यान देना होगा - साइना

नई दिल्ली। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा है कि उभरती हुई खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए अपनी फिटनेस का स्तर बेहतर करना होगा। साइना ने कहा कि फिटनेस के साथ ही इन खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी तभी वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टिक पायेंगी। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि युगल में खेल रही युवा खिलाड़ियों में आक्रामकता की कमी नजर आयी है। जिससे दूर करना होगा। साथ ही कहा कि चोट लगना खेल का हिस्सा है पर इससे बचने का भी प्रयास उन्हें करना होगा।

साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमें सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहती है। हमें परिणाम चाहिए होते हैं पर इसके लिए अच्छे ट्रेनर और फिजियो भी होने चाहिये। साथ ही कहा कि अगर आप 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने और शरीर को मजबूत बनाने अधिक ट्रेनर और फिजियो की जरुरत है।

साइना ने कहा, ' मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है पर शारीरिक तौर पर और फिट होने की जरूरत है। लक्ष्य ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे मनोबल बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है इसलिए अतिरिक्त दबाव रहा है पर वह अच्छा खेल रहा है।

टीम में वापसी करना चाहते हैं शार्दुल

मुम्बई। पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी टीम में वापसी करना चाहते हैं ताकि वह साल 2027 विश्वकप के लिए दावेदारी कर सकें। शार्दुल के अनुसार वह तेज गेंदबाजी के साथ-साथ नंबर-8 पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। इस ऑलराउंडर ने अक्टूबर 2023 के बाद से ही सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है। जिससे उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही है।

शार्दुल ने कहा, मेरे लिए टीम में वापसी के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना बहुत जरूरी है। टी20 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका में होने वाला है, इसलिए वहां नंबर आठ पर गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर मैं जगब हासिल करना चाहता हूं। शार्दुल की राह हालांकि आसान नहीं है क्योंकि अभी टीम के पास पहले से ही दो ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा हैं।

ग्राम सोनपुरी में मनाया गया भारतीय संविधान दिवस

26/11 मुंबई हमले में मारे गये सभी शहीदो को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज़ ।उकवा। डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर जी एक महान राष्ट्रवादी, मानवतावादी और भारतीय एकता के पक्षधर थे जिसका सबुत है। उन्होंने बनाया हुवा संविधान, संविधान ही है जिसने भारत को एकसूत्र में संजोये रखा है। भारत को ऐसी महान देन देनेवाले शिल्पकार बोधिसत्व डॉ. बाबासाहब भिमराव अम्बेडकरजी को विनम्र अभिवादन। भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर ग्राम सोनपुरी के स्थानीय बोद्ध विहार में समस्त उपासक या उपासिका के साथ डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सोनपुरी सरपंच सुनील उइके किसन लाल गजभिये, बुद्धिस्ट कमेटी अध्यक्ष बाबूलाल गजभिये सहायक सचिव सतीश उमरे, समाज सेवी संदीप गजभिये पीएम श्री सोनपुरी प्रधान पाठक शोभाराम तेकाम, ज्योति टेभरे यूनिशा ठाकुर डॉ. प्रभात घुले, ऋतिक कामड़े, बलिराम गोडाने, गणेश गोडाने, बिसन मरकाम, साधना मर्सकोले, तिमेश तेकाम, विशाल तेकाम, पंकज तांडे, रजित पुशाम,एवं सभी

बच्चे समस्त ग्राम वासी धम्मबन्धुओ की उपसस्थिति में सामूहिक त्रि शरण पंचशील ग्रहण किया एवं सभी को संविधान दिवस कि मंगल कामनाये प्रेषित की। एवं इस महान लोकतंत्र एवं भारतीय संविधान की सुरक्षा मरते दम तक करने का सभी से आव्हान किया।

समाजसेवी संदीप गजभिये ने बताया कि संविधान ने क्या दिया..

26 नवंबर को दिन हर भारतवासी के लिए गर्व का दिन है। ये वह दिन है जब भारत में ऐसी किताब बनकर तैयार हुई जिसने हर भारतीय को समानता का अधिकार दिया, हर भारतीय को खुलकर जीने का अधिकार दिया, हर भारतीय को अपने फैसले खुद लेने का अधिकार दिया। इस संविधान को बनाने के लिए दिन-रात कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, ताकि किसी भी व्यक्ति के अधिकार कहीं छूट ना जाएं। इसपर तमाम तरह से तर्क-वितर्क किए गए। लगभग तीन साल तक इसके हर पहलू पर विचार किया गया। भारत के संविधान को बनाना इतना आसान काम भी नहीं था। क्योंकि भारत विविधताओं का देश है। ऐसे में सभी धर्म, मत, जाति और अलग-अलग विचारों के लोगों को एक साथ लाना बहुत ही मुश्किल काम था।

कैसे तैयार हुआ भारत का संविधान

भारत का संविधान बनाने में कुल 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन का समय लगा था। इस तरह से 26 नवंबर 1949 को हमारा संविधान पूरा बनकर तैयार हुआ। हमारे देश का संविधान पूरी दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। संविधान बनाते समय कई देशों के नियमों को शामिल किया गया, जिससे आम लोगों के जीवन में बेहतरीन सुधार लाए जा सके। इसके लिए अमेरिका, आयरलैंड, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया और युनाईटेड किंगडम जैसे देशों के संविधानों की सहायता ली गई। इन देशों के संविधानों से हमने नागरिकों के कर्तव्य, मौलिक अधिकार, सरकार की भूमिका, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल और चुनाव की प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों का चयन किया।

साथ ही 26/11 मुंबई हमले में.

जब आतंकियों की कायराना हरकत से कांप उठी थी मायानगरी-उस दिन मुंबई में हुए भयानक हमले को 26 नवंबर, 2025 यानी आज पूरे 17साल हो गए। आज ही का दिन था। जो ताज होटल पर हमला कर दिया था और 4 दिनों में 12 हमलों को अंजाम दिया था। ताजमहल पैलेस होटल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस सहित अन्य स्थानों पर हुए हमलों में 15 देशों के 166 लोग मारे गए थे. साल 2008 के नवंबर में हुए मुंबई हमले को 26/11 के नाम से भी जाना जाता है। एक तरह से करीब साठ घंटे तक मुंबई बंधक बन चुकी थी। मुंबई हमले को याद करके आज भी लोगों को दिल दहल उठता है। उन सभी को याद कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

कलेक्टर मृणाल मीना ने दिलाई संविधान की शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संविधान दिवस के अवसर पर आज 26 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर मृणाल मीना ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं शासकीय सेवकों को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा, कर्तव्य पालन तथा संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर जी. एस. धुर्वे, डिप्टी कलेक्टर डी. पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में शासकीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपने कार्यों को निष्ठा पूर्वक करने का संकल्प लिया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित यह समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाम में मिली दवाओ के एक्सपायरी होने में समय था

लालबर्रा बीएमओ ने बताया वस्तुस्थिति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाम में एक्सपायरी डेट की दवायें मिलने की जानकारी संज्ञान में आने पर लालबर्रा की खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे ने वस्तुस्थिति बताया है और कहा है कि जाम के स्वास्थ्य केन्द्र में मिली दवाओ के पूर्णत: एक्सपायरी होने में समय था वहां स्थित कुछ दवाये एक्सपायरी नहीं बल्कि नियर एक्सपायरी तारीख की है।

लॉलबर्रा बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे नें बताया कि फॉलिक एसीड सिरप की एक्सपायरी डेट अगस्त 2026 है, इसलिए इसे उपयोग में लिया जा रहा है। सिरप एटोफिलाइन की एक्सपायरी डेट इसी माह नवम्बर में है जो एक्सपायरी नहीं बल्कि नियर एक्सपायरी है। अंतरा इंजेक्शन की तारीख भी नियर एक्सपायरी है जिसे इस माह के अंत तक स्टोर से हटा लिया जाएगा। रेबीज इंजेक्शन की एक्सपायरी डेट अप्रेल 2028 है। दवा स्टोर में मेडिसिन की गुणवत्ता और उसके एक्सपायरी होने की तारीखों का बेच नंबर के साथ विशेष ध्यान रखा जाता है।

डॉ धुर्वे ने बताया कि जाम में पदस्थ फार्मासिस्ट की सेवायें प्रत्येक शुक्रवार और शनिवार को सीएचसी लालबर्रा के लिए पूर्व से निर्धारित की गई है। ग्राम पंचायत जाम में आयोजित स्वास्थ्य शिविर के दिन पूर्व से फार्मासिस्ट की ड्यूटी सीएचसी लॉलबर्रा में निर्धारित थी। उनकी अनुपस्थिति में वहां पदस्थ डाक्टर और नर्सिंग आफिसर की सलाह पर ही दवाओ का वितरण किया जाता है।

लामता महाविद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

पद्मेश न्यूज। लामता। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा शासकीय महाविद्यालय लामता जिला बालाघाट में प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में आज दिनांक 26/11/2025 को संविधान दिवस का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन , डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र और गांधी जी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया । आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य श्री सुंदरलाल बिसेन ने सभी को सामूहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का वाचन कर शपथ दिलाई । हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उद्बोधन में श्री सुंदरलाल बिसेन ने कहा कि संविधान के नियमों के अनुसार ही किसी देश का शासन चलाया जाता है। सर के द्वारा मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य राज्य के नीति निर्देशक तत्व संघीय कार्यपालिका से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे ने संविधान के बारे में सारगर्भित ढंग से संविधान के अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में बताया ।

डॉ. चंद्रशेखर कटरे ने संविधान के ऐतिहासिक विकास की यात्रा को रखा और कहा कि हमारे भारत देश का संविधान अन्य देशों के संविधान से बहुत बड़ा है । श्रीमती वंदना उरकुडे ने अपने वक्तव्य में कहा कि 26 जनवरी 1950 को ही संविधान क्यों लागू हुआ इसका उत्तर यह है कि 26 जनवरी 1930 को पंडित जवाहरलाल नेहरू के द्वारा रावी नदी के किनारे तिरंगा झंडा फहराकर पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पास किया गया था , क्योंकि इतिहास में इस तारीख को पूर्ण स्वाधीनता का प्रस्ताव पास होने के कारण इस तारीख को इतिहास में अमर बनाने के लिए ही हमारे संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया । संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी क्विज का संचालन डॉ विजेंद्र तरुणे के सहयोग से सफल रहा । प्रश्नोत्तरी क्विज में प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. डुलेश्वरी टेंम्भरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ढालसिंह गौतम ने किया । संविधान दिवस के आयोजन में समस्त प्राध्यापक , अतिथि विद्वान ,कर्मचारी एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के पश्चात् संविधान दिवस कार्यक्रम का समापन किया गया।

बैहर विधानसभा का एसआईआर कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-108 बैहर में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत गणना पत्रक डिजिटलाइजेशन कार्य में उत्कृष्ट उपलब्धि दर्ज की गई है। 26 नवंबर 2025 को आयोजित कार्यक्रम में सभी 221 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, जिन्होंने अपने-अपने मतदान केंद्रों के गणना पत्रकों का शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन समय पर पूरा कर लिया है। इस सम्मान समारोह में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम बैहर श्री अर्पित गुप्ता एवं तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार बैहर/बिरसा उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बीएलओ के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बताया। बैहर विधानसभा के कुल 321 मतदान केंद्रों में से 221 केंद्रों के बीएलओ ने कड़ी मेहनत और समयबद्धता के साथ अपने केंद्रों के गणना पत्रकों का सौ प्रतिशत डिजिटलाइजेशन पूरा किया है। विधानसभा क्षेत्र के कुल 2 लाख 37 हजार 371 मतदाताओं में से 2 लाख 24 हजार 62 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है, जो इस क्षेत्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि शेष मतदान केंद्रों के बीएलओ भी इसी तत्परता के साथ जल्द ही कार्य पूरा करेंगे तथा स्क्रूटनी प्रक्रिया को सफल बनाने में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

सांदीपनि विद्यालयों में आकांक्षी नामांकन की पूर्ति सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों से हो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में नवीन भवनों में संचालित सांदीपनि विद्यालय में मॉडल अनुसार आकांक्षी नामांकन एवं वर्तमान नामांकन की रिक्तियों के आधार पर उनके आस-पास के शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रवेश कराये जाने के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को निर्देश दिये गये हैं। निर्देश में कहा गया है कि चयनित किये गये शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों की सूची में से सामान्यत: प्राथमिक विद्यालयों को अधिकतम 2 किलोमीटर दूरी तक लिया जाये। कम नामांकन वाले विद्यालयों से शत-प्रतिशत प्रवेश सांदीपनि विद्यालयों में कराया जाए। निर्देशों में कहा गया है कि जिन निकटस्थ शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रवेश शत-प्रतिशत सांदीपनि विद्यालयों में हो जायेगा, उन विद्यालयों को शिफ्ट करने का अनुरोध पोर्टल 3.0 पर अवश्य किया जाए। निर्देश में यह भी कहा गया है कि सांदीपनि

विद्यालयों में प्रवेश के बाद शून्य नामांकन वाले विद्यालयों के शिक्षक यदि सांदीपनि विद्यालयों में अध्यापन के लिये सहमत होंगे, उन्हें वहीं रखा जायेगा। इसके बाद यदि कोई शिक्षक अन्यत्र जाना चाहते हैं, तो उन्हें कॉउंसलिंग से अन्य रिक्त पद वाले सरकारी विद्यालय में जाने का अवसर दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति

स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक एवं अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति ई-अटेंडेंस के माध्यम से नियमित कराये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इस व्यवस्था की मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर विभाग द्वारा समीक्षा के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग से विद्यालयों में पठन-पाठन की प्रक्रिया में शिक्षकों के द्वारा डिजिटल डिवाइस जैसे- कम्प्यूटर, इंटरैक्टिव पैनल तथा टैबलेट का उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षकों की उपस्थिति को सटीक और सुगम तरीके से दर्ज करने के उद्देश्य से हमारे शिक्षक ऐप विकसित किया गया है। यह ऐप शिक्षकों की उपस्थिति की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड, सुरक्षित और सरल बनाता है। शिक्षक अपने मोबाइल अथवा टैबलेट के माध्यम से ऐप में लॉगइन करके अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। ऐप स्वतः लोकेशन, दिनांक, समय और फेस की पहचान को रिकॉर्ड करता है। इससे उपस्थिति की पारदर्शिता बढ़ जाती है। इसके अलावा लीव मैनेजमेंट शिक्षक ऐप के माध्यम से अवकाश के लिये आवेदन किया जा सकता है। संबंधित लीव का रिकॉर्ड ऑनलाइन रूप से संधारित होगा। शिक्षक सेवा संबंधी लंबित प्रकरण और समस्या को इस ऐप पर दर्ज कर सकते हैं। प्रशिक्षण संबंधी सूचना एवं प्रशिक्षण में उपस्थिति की जानकारी इसमें दर्ज की जा सकती है। यह ऐप शिक्षक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के मकसद से तैयार किया गया है।

दूरस्थ वनग्राम नंदोरा, बोरबान एवं बोदालझोला में विद्युतीकरण कार्यों का किया गया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता अमित कुमार के निर्देशन में 26 नवम्बर को कार्यपालन अभियंता संभाग बालाघाट रवि कुमार कुम्हरे तथा कनिष्ठ अभियंता किरनापुर श्री संदीप सहारे, द्वारा वितरण केंद्र अंतर्गत सुदूरवर्ती वनग्राम नंदोरा, बोरबान एवं बोदालझोला क्षेत्रों में फेस-2 के अंतर्गत चल रहे विद्युतीकरण कार्यों का निरीक्षण किया गया। यह सभी कार्य विभागीय कार्य योजना अंतर्गत कराए जा रहे हैं। विभागीय कार्य योजना अंतर्गत पूर्व में पूर्ण किए गए कार्यों के उपरांत, फेस-2 में ग्राम बोरबान से बोदालझोला के मध्य शेष कार्य प्रगतिरत हैं।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन क्षेत्रों तक पहुँच मार्ग अत्यंत दुर्गम एवं वनाच्छादित है। विशेष रूप से ग्राम बोरबान से बोदालझोला के मध्य का मार्ग पूर्णत: पहाड़ी तथा तीव्र चढ़ाई वाला है, जहाँ वाहनों का आवागमन अत्यंत सीमित है। इस भौगोलिक कठिनाई के कारण कार्यों में स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इसके बावजूद विभागीय टीम द्वारा निरंतर प्रयासों के साथ कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में ग्राम बोदालझोला में एल.टी. लाइन से विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से संचालित है तथा 11 केवी लाइन विस्तार का कार्य जारी है, जिसके लिए आवश्यकतानुसार लाइन को अल्प अवधि के लिए बंद करना पड़ रहा है।

इस दौरान इन ग्रामों में उपभोक्ता परिसरों का निरीक्षण कर विद्युत आपूर्ति की स्थिति जाँची गई, जिसमें ग्राम बोदालझोला में एल.टी. से सिंगल फेज सप्लाई चालू पाई गई। ग्राम नंदोरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पहुँचकर विद्युत आपूर्ति की स्थिति का अवलोकन किया गया, जहाँ सप्लाई सुचारु रूप से उपलब्ध पाई गई। साथ ही ग्रामीणजनों को समाधान योजना तथा वीझ्रमित्र योजना संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिले में समाधान योजना के व्यापक लाभ के लिए आयोजित जागरूकता रैली के विषय में भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

कार्यपालन अभियंता संभाग बालाघाट रवि कुमार कुम्हरे ने बताया कि नक्सल प्रभावित ग्राम सितेपाला-लाँजी में उपभोक्ताओं की वोल्टेज समस्या अब समाप्त हो गई है और गांव में विद्युत सप्लाई में सुधार हुआ है। इस दौरान सितेपाला में ग्रामीणों एवं पुलिस चौकी के जवानों से संवाद कर विद्युत सप्लाई के बारे में जानकारी दी गई।

11 लाख 81 हजार 461 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR 2026) कार्य में 25 नवंबर 2025 की शाम तक जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 11 लाख 81 हजार 461 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में मतदाताओं के 86.22 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है । बैहर विधानसभा 94.75 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ जिले में प्रथम स्थान पर है। गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन में बालाघाट जिला प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में बीएलओ की टीम शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के लिए तेजी से काम कर रही है। बालाघाट जिले के 1675 मतदान केन्द्रों के बीएलओ द्वारा किये जा रहे इस कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है।

केशव स्कूल में मनाया गया संविधान प्रस्तावना दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश उ. मा. वि. में २६ नवंबर २०२५ को प्रात:कालीन सभा में संविधान के संबंध में जानकारी दी गई। शिक्षक अजय पंचेश्वर ने संविधान के निर्माण और आवश्यकता से लेकर वर्तमान स्वरूप और संशोधन की जानकारी बच्चों को दी। आदर्श वासनिक ने बच्चों से संविधान की प्रस्तावना का दोहराया। प्राचार्य प्रदीप शर्मा ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिकांश जितेन्द्र टेंभरे, रविशंकर पटले, ऋतु अटराहे, सोनाली गोस्वामी, स्वांगी कोटांगले सहित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विषेष योगदान रहा।

ग्राम भंडेरी में शिविर लगाकर की गई जनसुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार 25 नवम्बर को बिरसा तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत धुनधुनवार्धा के ग्राम भंडेरी में शिविर लगाकर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। शिविर में बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता के नेतृत्व में तहसील बिरसा के विकासखण्ड स्तर के अधिकारी एवं सभी अनुभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित हुए। इस शिविर में ग्राम पंचायत धुनधुनवार्धा के साथ-साथ ग्राम पंचायत सोनगुड्डा, डाबरी, दड़कसा एवं दुल्हापुर से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और उनके द्वारा अपनी समस्याएं अधिकारियों को बतायी गई।

भंडेरी में आयोजित शिविर में प्राप्त कुल 51 आवेदनों में से 09 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया । शेष 42 आवेदन संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रेषित किये गए हैं । शिविर में स्वास्थ्य कैम्प भी लगाया गया, जिसमें कुल ओपीडी 68, बीपी स्क्रीनिंग 25, सुगर टेस्ट 36, सिकल सेल टेस्ट 18, एचबी टेस्ट 19, टी.बी.स्क्रीनिंग 11 एवं 48 मलेरिया टेस्ट किए गए । शिविर के दौरान कृषि विभाग द्वारा 08 किग्रा का मसूर डेमो मिनी किट भी वितरण किया गया ।

केरीकोना में हैण्डपंप खनन से ग्रामीण खुश हुए

कलेक्टर श्री मीना के निर्देश पर 18 नवम्बर को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री, लैब तकनीशियन, हैंडपंप तकनीशियन की टीम द्वारा ग्राम पंचायत धुनधुनवार्धा के ग्राम भण्डेरी के टोला केरीकोना में पेयजल व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया गया था, जिसमें केरीकोना में पेयजल की समस्याएं सामने आई थी। एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता द्वारा इस संबंध में सहायक यंत्री को 25 नवम्बर मंगलवार को ग्राम भण्डेरी में आयोजित जनसुनवाई शिविर के पूर्व हैंडपंप का कार्य पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए थे । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा केरीकोना में 25 नवम्बर के पहले ही हैण्डपंप का खनन कर ग्रामीणो की पेयजल समस्या का निराकरण कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणजन संतुष्ट और खुश हैं।

28 नवम्बर को पीएम विश्वकर्मा योजना में ऋण वितरण के लिए शिविर का आयोजन

जनपद पंचायत बालाघाट में लगाया जाएगा शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर 28 नवम्बर को जनपद पंचायत बालाघाट प्रांगण में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक पी.एम. विश्वकर्मा योजना से संबंधित कॅम्प का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें योजना से संबंधित विभाग, अग्रणी बैंक प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बालाघाट, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग वारासिवनी के अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। इस शिविर में पी.एम. विश्वकर्मा योजना अंतर्गत बैंक में लंबित प्रकरणों से संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे जिससे बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण हो सके । जिले के युवाओ से अपील की गई है कि जिन्होंने पी.एम. विश्वकर्मा योजना अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया है इस कैंप में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजना का लाभ उठायें एवं अपनी समस्या का निराकरण करवायें।

न्यूज गैलरी

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम बिरसोला के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में मौत हो गई। मृतक डोमाजी पिता झिंगर मेश्राम 47 वर्ष ग्राम बम्हनी(पिपरझरी) थाना नवेगांव ग्रामीण बालाघाट निवासी है।25 नवंबर की शाम 6:00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति मोटरसाइकिल में ग्राम बिठली लालबर्रा से अपने घर आ रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोमाजी मेश्राम अपने परिवार के साथ मछली मारने का धंधा करता था। जिसके परिवार में पत्नी,मां और दो बेटे और एक बेटी है। बताया गया है कि 25 नवंबर को 3ः00 बजे डोमाजी मेश्राम अपनी मां के साथ ग्राम बिठली लालबर्रा सगाई के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था । ग्राम बिठली में सगाई के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 6ः00 बजे करीब डोमाजी मेश्राम अपनी मां को बिठली में ही छोड़कर अकेले मोटरसाइकिल में बिठली से अपने घर ग्राम बम्हनी लौट रहे थे। लालबर्रा से बालाघाट की ओर आते समय गांव ग्राम बिरसोला के पास किसी वाहन की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार डोमाजी मेश्राम गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया था। बताया है कि ग्राम बिठली सगाई के कार्यक्रम में डोमाजी का बेटा अजय मेश्राम भी गया था। जिला अस्पताल से डोमाजी मेश्राम के पास मिले मोबाइल से कॉल करके उसे बताएं कि तुम्हारे पिताजी का बिरसोला में दुर्घटना हो गई है और उन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। खबर मिलती ही अजय मेश्राम अपने परिजनों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उनके पिता डोमाजी मेश्राम घायल और बेहोशी की हालत में थे। जिसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। डोमाजी मेश्राम को उसके परिजन एंबुलेंस में नगर के एक निजी अस्पताल ले जा रहे थे। तभी रास्ते में ही सम्भवत: उनकी मौत हो चुकी थी।जिन्हें वापस जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिए। रात होने से डोमाजी मेश्राम के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। 26 नवंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने डोमाजी मेश्राम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

दशकों बाद करवट ले रही है एक खामोश क्रांति !!

दक्षिण बैहर के दर्जनों 'अबुझमाड़ी' गांवों में दहशत अब किंवदंतियों के हिस्से

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट का लाल गलियारा अब बदल रहा है। यह इलाका भी कभी अबुझमाड़ से कमतर नहीं था, लाल सलाम दादा और माओवादियों की हमेशा धमक अब सुनाई नहीं दे रहा है. अति दुर्गम यह इलाका अब दुर्गम नहीं रहा. सोनगुड्डा, मछुरदा, चौरिया, बिठली, देवरबेली, सालेटेकरी, पितकोना, डाबरी, सुलसूली आदि गाँव अब बेहद आगे बढ़ चुके हैं. आहिस्ते आहिस्ते ही सही बदलाव तो आया है!! कह सकते हैं - सोन और टांडा नदियों में बहुत पानी बह चुका है!! दक्षिण बैहर के लगभग तीन दर्जन से ज्यादा गांव में इन दिनों देर से ही सही मगर विकास की मद्धिम मद्धिम आहट सुनाई दे रही है! आजादी के 78 साल बाद बीते लगभग 10 वर्षों से इस दुर्गम,सुदूर और बीहड़ तथा नक्सलप्रभावित इलाके में विकास कार्य जिस तेजी से हुये हैं, और हो रहे हैं वह काबिले गौर है।

नक्सली खतरे के बीच पहुँचने वाला अफसर

एक अरसा पहले जब कोई सरकारी अफसरान 2004-05 तक बालाघाट के इन जंगलों में घुसने से डरते थे, आला अफसर भी चकित थे कि इस इलाके में जहां कर्मचारी और अधिकारी जाकर काम कराने से हिचकते हैं वहीं जैसे भी हो बैहर में पदस्थ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के पूर्व एस.डी.ओ. यू.एस. चौधरी और उनका मातहत अमला दिन रात आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार और इस दुर्गम इलाके में सुख-सुविधायें मुहैया कराने दक्षिण बैहर के इन ग्रामों में आदिवासियों के रोजमर्रा की जिन्दगी और नक्सलवाद का जायजा लेने जब पहुंचते तो अत्यंत नक्सल प्रभावित ग्राम

चौरिया में एसडीओ श्री चौधरी रात 11 बजे आदिवासियों को मजदूरी का भुगतान करते हुये मिलते थे । इसी तरह इन ग्रामों में अब तेजी से स्कुल भवन, तालाब और कुएँ तथा सड़कें बन रहे हैं। लोग बताते हैं कि तब श्री चौधरी इस इलाके में पदस्थ हुये , तब से यहां तेजी से विकास कार्यों को अंजाम दिया गया । जिला प्रशासन भी इस इलाके को विकास की मुख्य धारा में जोड़ने के लिये सतत् प्रयत्नशील है। आदिवासी बैगा और गोण्ड समुदाय के लोगों के बताये मुताबिक जंगल छिन गये, घट गई वनोपज ऐसे में खुद की जमीन थी ही कहां? ये जंगल के यायावरों की ! ये तो आदिवासी के मसीहा थे- अलमस्त पर अब जंगल के किनारे, बस्ती से दूर आधे जंगल के आधे भीतर और आधे बाहर विमुढ़ ये भूमि पुत्र, ये बैगा आदिवासी छोटे-छोटे टोलों में बस गये हैं, हाड़ तोड़ मेहनत से जी रहे हैं।

इस तरह अब भी समुचे इलाके के उपेक्षित लोगों के लिये जिस युध्द स्तर पर राहत कार्य किये जा रहे हैं। उसका सारा का सारा श्रेय तब से अब तक एसडीओ श्री चौधरी को जाता है जिन्होनें अत्यंत नक्सल इलाका होने के बावजूद जान हथेली पर रखकर इन दर्जनों गांवों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा और पहल शुरु किया जिसका नतीजा है कि अब राशिमेटा जैसे गांवों में कलेक्टर औरएसपी बेधड़क जा सकते हैं. । इलाके के लोग यहां तक कहते हैं कि खतरे के बावजूद वे हर दिन मजदूरों से रूबरू होते थे और किये जा रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान देते थे ।

दक्षिण बैहर के नाम से विख्यात इस इलाके में उस समय पहली बार इतने विकास कार्य तेजी से चले और लोगों को रोजगार का साधन उपलब्ध हो पा रहा है। गांव वाले बताते हैं कि इन कार्यों से मिलने वाली मजदूरी से वे अपने तथा अपने बच्चों का भरण पोषण ढंग से कर रहे हैं। जिम्मेदारी, जवाबदेही और जनकेन्द्रित योजनाओं को दक्षिण बैहर के इलाके में अमली जामा पहनाने के लिये बिना खतरा से डरे तब के उस इंजिनियर ने कभी डर को महसूस नहीं किया।

यानि इन क्षणों का इस इलाके को सदियों से इंतजार था। जहां पर नक्सली डर और दहशत को जीतकर आदिम समाज के लोगों ने बेहतरी का अध्याय लिखा है.2004- 2005 से शुरु हुआ बदलाव का यह बयार अब तक जारी है . इन इलाकों में बन्दुकों के साये में भी तब बड़े बड़े आईपीएस और पुलिस के तेजतर्रार अफसरों के माथे पर भी पसीना छलक जाता था वहाँ विकास की इबारत लिखना आसान नहीं था। दक्षिण बैहर के ये इलाके बस्तर के अबूझमाड़ इलाके के सामानांतर कहे जा सकते हैं. इसी वजह से इस इलाके में भी नक्सलियों के पाँव जमे थे।

सीआरपीएफ बटालियन का अधिकारी बताकर सप्लायरों से लूट!!

सीआरपीएफ के नाम पर साइबर ठगी का नया तरीका उजागर

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में साइबर अपराध के लगातार नए-नए तरीकों के साथ सामने आ रहे हैं। भरवेली में 123 बटालियन सीआरपीएफ के नाम पर व्यापारियों से धोखाधड़ी किए जाने का गंभीर मामला उजागर हुआ है। मामले के सामने आने के बाद 123 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी नागरिकों और व्यापारियों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

पिछले कुछ दिनों से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ईंट, रेत, बजरी, ड्रिंकिंग वॉटर, कोल्ड ड्रिंक्स सहित निर्माण व उपभोग सामग्री सप्लायरों तथा दुकानदारों को फोन किया जा रहा है। कॉल करने वाला स्वयं को 123 बटालियन सीआरपीएफ का अधिकारी बताकर तात्कालिक आवश्यकता का हवाला देते हुए कैंप में सामग्री भेजवाने के लिए दबाव बनाता है। व्यापारी जब सामान लेकर बटालियन के गेट तक पहुंच जाते हैं, तो ऑनलाइन पेमेंट किए जाने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन बाद में राशि प्राप्त नहीं होती और व्यापारी धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। सीआरपीएफ के अधिकारीयों ने स्पष्ट किया है कि ऐसे कॉल तथा लेन-देन का 123 बटालियन सीआरपीएफ से कोई संबंध नहीं है। अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा बटालियन के नाम का दुरुपयोग कर असत्य व भ्रामक कॉल किए जा रहे हैं। व्यापारियों व नागरिकों से अपील की गई है कि अज्ञात नंबरों से प्राप्त ऑर्डर पर बिना सत्यापन के सामग्री न भेजें और न ही किसी भी भुगतान प्रक्रिया में शामिल हों। यदि कोई संदिग्ध कॉल प्राप्त हो या ऑनलाइन भुगतान का दबाव बनाया जाए, तो तत्काल निकटतम साइबर थाना, पुलिस ने संबंधित अधिकारी को सूचना दें।

दो ट्रक ईंट और रेत लौटाई गई थी

सीआरपीएफ भरवेली अधिकारियों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि दो दिन पूर्व बटालियन के प्रवेश द्वार पर दो ट्रक ईंट और एक ट्रैक्टर रेत पहुंची थी। पूछताछ में पता चला कि इन्हें भी सीआरपीएफ कमांडेंट के नाम पर बुलाया गया था और ऑनलाइन पेमेंट दिए जाने का झांसा दिया गया था। संदेह होने पर सामग्री को वापस करवा दिया गया।

खाते में राशि कम है कहकर मांग रहे पैसे

सीआरपीएफ अधिकारियों के अनुसार ठग व्यापारी से बारकोड या अकाउंट नंबर मांगने पर कह देते थे कि उनके खाते में राशि कम है और पहले 1,000 से 2,000 रुपये डालना अनिवार्य है। पेमेंट के दौरान भेजे गए ओटीपी को ठग प्राप्त कर लेते थे और उसके बाद व्यापारियों के पूरे बैंक खातों को खाली कर देते थे। इस संबंध में शिकायत भरवेली थाने में भी दर्ज कराई गई है।

डिलीवरी कोरियर ऑफिस पौनी का सटर तोड़कर 99 हजार रुपये चोरी

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पौनी स्थित डिलीवरी कोरियर के ऑफिस का शटर तोड़कर अज्ञात आरोपी ने इस ऑफिस में रखें 99 हजार रुपए चोरी कर लिए। यह चोरी 25 एवं 26 नवंबर की दरमियानी रात में हुई। मलाजखंड पुलिस ने खिलेंद्र बिसेन पिता सोमेश्वर बिसेन 26 वर्ष ग्राम पौनी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खिलेंद्र बिसेन मूल रूप से ग्राम कुरेन्डा थाना परसवाड़ा निवासी है और वर्तमान में ग्राम पौनी वार्ड नंबर 9 में किराए के कमरे में रहते हैं और वे डिलीवरी कोरियर ऑफिस पौनी में मैनेजर के पद पर कार्य करते हैं। इस कोरियर कंपनी में 11 लोग काम करते हैं। कंपनी का सुपरवाइजर प्रकाश टांडिया है। 25 नवंबर को शैलेंद्र बिसेन अवकाश पर थे। सुपरवाइजर प्रकाश टांडिया ड्यूटी पर थे। जिन्होंने शैलेंद्र बिसेन को फोन करके बताया था कि 25 नवंबर को पार्सल डिलीवरी का कलेक्शन करीब एक लाख रुपए हुआ है। ऑफिस के टेबल के ड्राच में 99 हजार रुपए रखे हैं। शाम 7ः30 बजे ऑफिस बंद करके घर चले गए थे। 26 नवंबर को सुबह 6ः00 बजे खिलेंद्र बिसेन ऑफिस आए ऑफिस का शटर करीब 1 फीट तक खुला हुआ था और शटर के दोनों किनारे मुड़े हुए थे। तब खिलेंद्र बिसेन ने सुपरवाइजर प्रकाश टांडिया एवं प्रेम शंकर सिंह को फोन करके बुलाये और ऑफिस के अंदर जाकर देखें ऑफिस के टेबल का ड्राच खुला हुआ था। जिसमें रख पार्सल डिलीवरी के 99 हजार रुपए नहीं थे। तब इन लोगों ने ऑफिस के अंदर बाहर लगे सीसीटीवी कैमरा चेक किये तो रात्रि 3ः00 बजे कोई अज्ञात चोर चेहरे को कपड़े से बांधकर पार्सल ऑफिस का शटर तोड़ते अंदर घुसते टेबल के ड्राच से 99 हजार रुपए निकाल कर चोरी कर ले जाते हुए देखा गया। इसके बाद खिलेंद्र बिसेन ऑफिस के कर्मचारी मुकेश नेवारे और उमेंद्र शरणागत के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंचे। मलाजखंड पुलिस ने खिलेंद्र बिसेन द्वारा की गई रिपोर्ट पर कोरियर ऑफिस के शटर को तोड़कर चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
Budget Friendly Packages, With High-Speed Internet.

PADMESHXFIBERTNET CONNECTION.
BEST INTERNET PROVIDER IN TOWN.
Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट